ISSN 2349-6614

अक्टूबर, 2018

मूल्य : 25 ₹

प्रत्यूष

हिन्दी मासिक पत्रिका

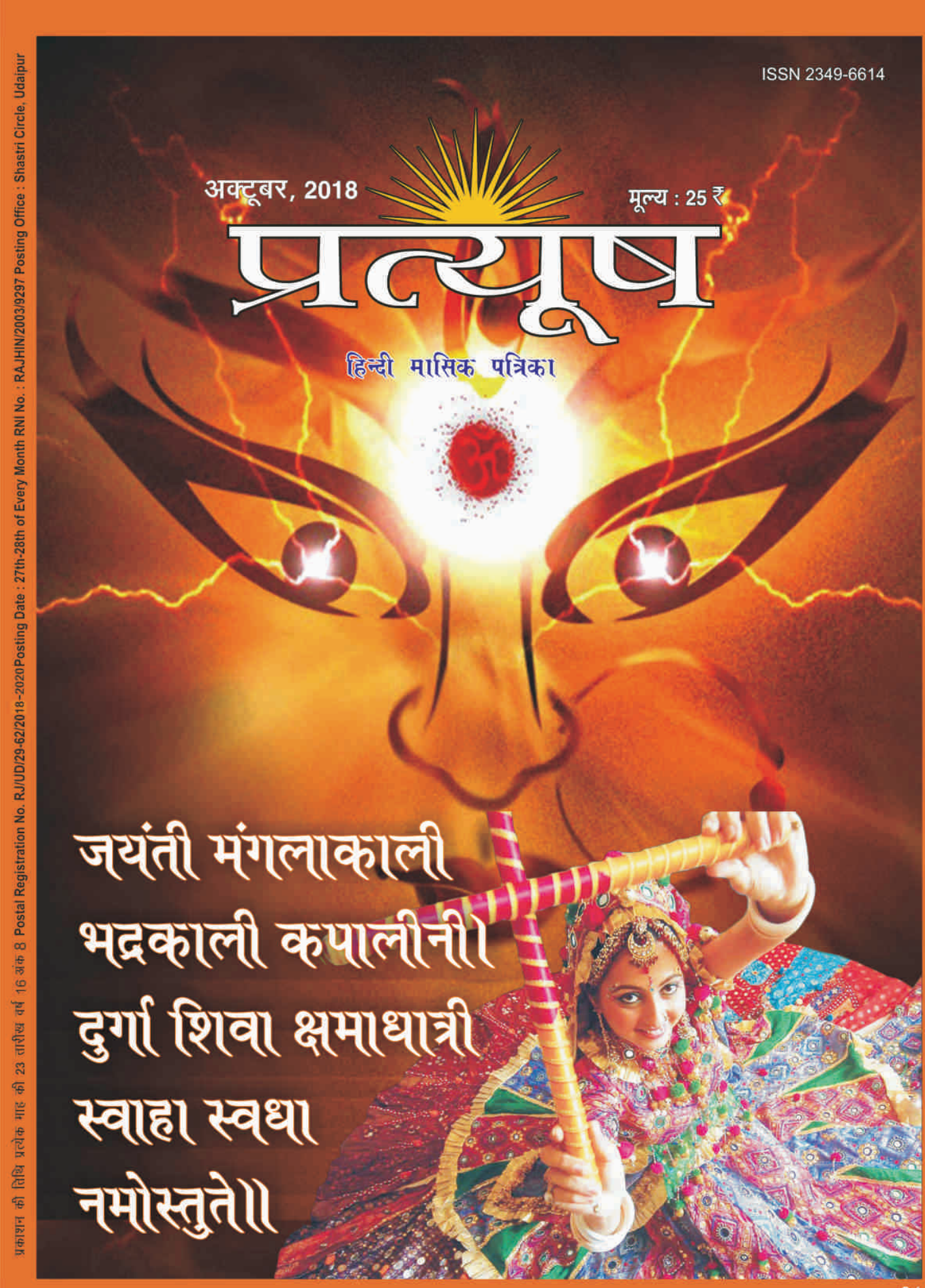

जयंती मंगलाकाली
भद्रकाली कपालीनी।
दुर्गा शिवा क्षमाधात्री
स्वाहा स्वधा
नमोस्तुते।।

प्रकाशन की तिथि प्रत्येक माह की 23 तारीख वर्ष 16 अंक 8 Postal Registration No. RJ/UD/29-62/2018-2020Posting Date : 27th-28th of Every Month RNI No. : RAJHIN/2003/9297 Posting Office : Shastri Circle, Udaipur

पेसिफिक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, उमरड़ा

मल्टी सुपरस्पेशियलिटी सुविधाएँ

डॉ. अनुराग पटेरिया
न्यूरो सर्जन

डॉ. विकास गुप्ता
युरोलोजिस्ट

डॉ. प्रवीण झंवर
पिडियाट्रिक सर्जन

डॉ. एम.पी. अग्रवाल
प्लास्टिक सर्जन

डॉ. सुभाब्राता दास
सर्जिकल ऑंकोलोजिस्ट

डॉ. बकुल गुप्ता
नेफ्रोलोजिस्ट

प्लास्टिक सर्जरी

- बर्न (जलने का ईलाज)
- कैंसर (चेहरे व त्वचा के)
- कटी नस-नाड़ी जोड़ना
- चेहरे के फ्रेक्चर एवं चोटें
- जन्मजात विकृतियों के ऑपरेशन (कटे होंठ, तालु, मूत्र की नली, हाथों की विकृतियां)
- कटी अंगुलियों को पुन: जोड़ना
- जलने से उत्पन्न विकृतियां
- बेड सोर, कीलोइड्स
- फेशियल नर्व पेरेलिसिस

कैंसर सर्जरी

- सॉफ्ट टिश्यू कैन्सर सर्जरी
- जीआई एवं जीयू कैन्सर एण्डोस्कॉपी
- दुरबीन द्वारा कैन्सर सर्जरी
- ब्रेस्ट व गले की कैन्सर सर्जरी
- फ्रोजेन सेक्शन
- सिर, गर्दन व नाक का कैन्सर इत्यादि

किडनी रोग

- हाइटेक हिमोडायलिसिस मशीन्स एवं मोनिटरिंग सिस्टम
- आई सी यू डायलिसिस (SLED)
- डाइबिटिक एवं उच्च रक्तचाप
- डायलिसिस केथेटर-परम केथेटर यूरिन में प्रोटीन व रक्त
- बच्चों में किडनी रोग
- किडनी बायोप्सी
- नेफ्रोटिक सिन्ड्रोम

न्यूरो सर्जरी

- ऐपीलेप्सी क्लिनिक (मिर्गी)
- मुवमेंट डिसऑर्डर क्लिनिक
- लकवा (Stroke)
- मिर्गी व झंझनाहट
- माईग्रेन
- एक्सिडेन्ट व ट्रोमा
- मस्तिष्क व स्पाईनल कोर्ड गांठ
- ऐनिरीयुस्म क्लिपिंग सर्जरी
- सिर व रीढ़ की हड्डी के ऑपरेशन
- हाईड्रोसीफेलस-सिर में पानी भरना

यूरोलोजी

- प्रोस्टेट की गांठ व गुर्दे की पथरी
- युरेटर की पथरी
- पेशाब की थैली का दूरबीन से ऑपरेशन
- मूत्र की नली की सकुड़न
- शिशु की मूत्रनली के वाल्व का दूरबीन से ऑपरेशन
- शिशु के लिंग संबंधी विकृति ईलाज
- पुरुष जननांग संबंधित विकारों का उपचार लेजर मशीन द्वारा
- RIRS, Ultra Mini PCNL, Mini PCNL ThLVP (थूलियम 200 होल्मियम 35 W) अत्याधुनिक मशीन द्वारा

एच.आई.वी. व हेपेटाइटिस के मरीजो के लिए डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध है।

राजस्थान सरकार से अधिकृत संभाग का एकमात्र ART Center, ICTC, DOTS

भामाशाह स्वास्थ्य बीमा योजना

लाभार्थियों को अन्तरंग ईलाज हेतु कैशलेस सुविधा

लाभार्थियों को अन्तरंग ईलाज हेतु कैशलेस सुविधा

प्रत्येक परिवार को प्रतिवर्ष चिन्हित सामान्य बीमारियों हेतु रु. 30 हजार और चिन्हित गंभीर बीमारियों हेतु 3 लाख तक का स्वास्थ्य बीमा कवर

भामाशाह स्वास्थ्य बीमा योजना के अंतर्गत 3 लाख तक का निःशुल्क उपचार

लाभार्थी का चयन राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA) के अंतर्गत चयनित लाभार्थी (अर्थात 2रू. प्रतिकिलो गेंहू लेने वाले)

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम *(RBSK)* योजना

(राष्ट्रीय अंधता नियंत्रण कार्यक्रम)

एम्बुलेंस सेवा

24/7 EMERGENCY SERVICE

आपातकालीन सुविधाएँ उपलब्ध

ICU • ICCU • PICU • NICU • SICU • BURN ICU

अम्बुआ रोड़ , उमरडा, उदयपुर

फोन नं.: 0294-3010000, Website : www.pacificmedicalsciences.ac.in

अक्टूबर
2018
वर्ष 16, अंक 8

प्रत्यूष

मूल्य 25 ₹
वार्षिक 300 ₹

'प्रत्यूष' के प्रेरणा स्रोत मात श्रीमती प्रमिला देवी शर्मा एवं
तात श्री आनन्दी लाल जी शर्मा
प्रत्यूष परिवार का शत्-शत् नमन चरणों में पुष्प समर्पण

अन्दर के पृष्ठों पर...

06 चुनाव

2018 की चुनावी बयार तय करेगी

14 धरोहर

स्वात घाटी में मुस्काए बुद्ध बामियान में आहत

20 नवरात्रा

शक्ति रूपा मां जगदम्बा

30 शतरंज

सवर्ण बनाम दलित : सियासी बिसात पर जाति के मोहरे

36 क्षतिपूर्ति

तबाही से मिले जख्म भी भरता है बीमा

प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी

सम्पादक रेणु शर्मा

प्रबन्ध सम्पादक नीरज शर्मा, डॉ. वीणा शर्मा

विपणन प्रबन्धक नितेश कुमार, नन्द किशोर मदन, भूमिका, उषा चन्द्रप्रभा, संगीता

टाइप सेटिंग जगदीश सालवी

Supreme Designs

कम्प्यूटर ग्राफिक्स विकास सहालका

सलाहकार मण्डल
गोपाल शर्मा (गोपजी), वैभव गहलोत
पवन खेड़ा, नीरज डांगी, कुलदीप इन्दौरा
कृष्ण कुमार हरितवाल, धीरज गुर्जर, अभय जैन
गजेन्द्र सिंह शक्तावत, लाल सिंह झाला
ओम शर्मा, अजय गुर्जर, आदित्य नाग
हेमन्त भागवानी, डॉ. राव कल्याण सिंह
अशोक तम्बोली, सुन्दरदेवी सालवी

छायाकार :
कमल कमावत, जितेन्द्र कमावत,
ललित कमावत

चीफ रिपोर्टर : उमेश शर्मा

जिला संवाददाता
बांसवाड़ा - अनुराग चेलावत
चित्तौड़गढ़ - संदीप शर्मा
नाथद्वारा - लोकेश दवे
डूंगरपुर - सारिका राज
राजसमंद - कोमल पालीवाल
जयपुर - राव संजय सिंह
मोहसिन खान

प्रत्यूष में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, इनसे संस्थापक-प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।

प्रत्यूष
हिन्दी मासिक पत्रिका
प्रकाशक - संस्थापक :
Pankaj Kumar Sharrma
"रक्षाबंधन", धानमण्डी, उदयपुर-313001

कार्यालय पता : 2,'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर (राज)
दूरभाष एवं फैक्सः 0294-24277003, 9414157703, वाट्सअप 9414077697
मोबाइल : 94141-57703(विज्ञापन), वाट्सएप 75979-11992(समाचार-आलेख), 98290-42499(वाट्सएप), 94141-66737
Email : pankajkumarsharma2013@gmail.com, Visit us at : www.pratyushpatrika.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, संस्थापक, स्वामी पंकज शर्मा की ओर से मुद्रक आशीष बापना द्वारा मैसर्स पायोराइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. गुलाब बाग रोड, उदयपुर से मुद्रित तथा 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर से प्रकाशित।

Hotel Yois
A unit of bhmpl

Elegant
Multi-Functional Hall

The Occasion
Wedding & Special Events

Silver Spoon
Multi-cuisine Restaurant ■ Pure Veg.

The Regal
Multi-Functional Garden

Plot No.8 Nr. Mahila Police Thana, 100 FEET Road, Roop Nagar Bhuwana,
Opp. The Occasion Wedding & Special Event Garden,
Udaipur 313001 Rajasthan, India.
Contact : +91 294 2980079/ 2980081, 8239466888
email: hotelambienceudaipur@gmail.com website: www.hotelambienceudaipur.com

तीन तलाक पर कानून का ताला

एक साथ तीन तलाक यानी तलाक-ए-विद्दत अब दण्डनीय अपराध होगा। इसके लिए सरकार ने 19 सितम्बर को एक अध्यादेश को मंजूरी दे दी। दोपहर में केन्द्रीय मंत्रिमण्डल ने तीन तलाक को दण्डनीय अपराध बनाने संबंधी अध्यादेश के मसविदे को मंजूरी दी और उसी दिन देर रात राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द द्वारा अध्यादेश पर दस्तख़त के तुरन्त बाद यह कानून के रूप में कश्मीर को छोड़ पूरे देश में लागू भी हो गया। अब यदि तीन बार तलाक कहते हुए किसी मुस्लिम महिला को तलाक देने या घर से बेदखली की घटना होती है तो पीड़िता या उसका कोई भी रक्त सम्बन्धी(रिश्तेदार) इसकी सूचना पुलिस थाना में दे सकता है, ताकि मामला दर्ज कर कार्रवाई आरंभ की जा सके। उल्लेखनीय है कि तीन तलाक मामले के ख़िलाफ सहारनपुर(उप्र) की आतिया ने सबसे पहले जनवरी 2017 में आवाज़ उठाई थी।

तीन तलाक मामले में अध्यादेश तो आना ही था। पिछले वर्ष अगस्त में जब सर्वोच्च न्यायालय की पांच सदस्यीय पीठ ने इस प्रथा को कानूनी रूप से अवैध घोषित कर दिया, तो इसके बाद से इस प्रथा को सख्ती के साथ रोकने के लिए कानून का निर्धारण और उस पर अमल ज़रूरी हो गया था। सरकार ने इसके लिए पिछले साल ही शीतकालीन सत्र के दौरान संसद में विधेयक भी पेश कर दिया था, जो लोकसभा में तो सरकार के बहुमत के कारण पारित हो गया, लेकिन राज्यसभा में विपक्ष ने इसे अटका दिया। विपक्ष इसमें कुछ संशोधन की मांग पर अड़ा हुआ है।

यह सही है कि हमारे संविधान ने धार्मिक स्वायत्तता की गारंटी दे रखी है, पर यह असीमित नहीं है। धार्मिक स्वायत्तता उसी हद तक मान्य हो सकती है, जब तक वह संविधान प्रदत्त मौलिक नागरिक अधिकारों के आड़े न आए। सती प्रथा, नरबलि, जल्लीकट्टू जैसी परम्पराओं के मामलों में भी न्यायालय हस्तक्षेप कर चुका है। तीन तलाक प्रथा को लेकर जब कानूनी प्रावधान हो चुका है तो अब आगे बहु विवाह, निकाह हलाला, मुता निकाह और मिस्यार निकाह पर भी सुनवाई जल्दी ही शुरू होने की उम्मीद की जा सकती है। तीन तलाक मामले में अपने फैसले के सात महीने बाद यानी इसी वर्ष मार्च में सर्वोच्च न्यायालय ने उक्त मामलों पर भी सुनवाई के लिए अपनी सहमति देते हुए संविधान पीठ भी गठित की। केन्द्रीय मंत्रिमण्डल ने जिस अध्यादेश को स्वीकृति दी है, उसमें तीन तलाक को आपराधिक मामला भी माना गया है। इस मामले को पीड़िता या उसके निकटस्थ रिश्तेदार दर्ज करा सकते हैं। तीन तलाक का आरोपी थाने से जमानत हासिल नहीं कर सकेगा, इसके लिए उसे कोर्ट की शरण में ही जाना पड़ेगा। पुलिस में मामला दर्ज होने का अर्थ होगा, अविलम्ब गिरफ्तारी। मुस्लिम समुदाय के एक वर्ग को यह प्रावधान ज़रूरत से ज्यादा सख़्त लग रहा है और वह इसका विरोध भी कर रहा है, तो एक वर्ग ऐसा भी है जो मानता है कि किसी सामाजिक बुराई को दूर करने के लिए कितनी सख़्ती और कितनी नरमी की ज़रूरत होती है, यह हमेशा ही विवाद का विषय रहा है। इसलिए इस पर अधिक फोकस की आवश्यकता नहीं है।

अध्यादेश में कानूनी प्रावधान के अनुसार अब जो भी शौहर फौरी तीन तलाक कहकर पत्नी को तलाक देगा, उसे तीन साल की सज़ा तो होगी ही, तलाक भी वैध नहीं माना जाएगा। आरोपी के विरूद्ध मामला दर्ज होने पर उसे ज़मानत के लिए सक्षम अदालत में अर्जी दाखिल करनी होगी। ज़मानत देना अथवा न देना मजिस्ट्रेट के अधिकार में होगा। मजिस्ट्रेट को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि आरोपी शौहर को जमानत भी तभी दी जाए, जब वह पत्नी को मुआवजा देने पर सहमत हो जाए। मुआवजे की राशि अदालत तय करेगी। हालांकि अदालत में पति-पत्नी के बीच समझौते का विकल्प भी खुला रहेगा।

अध्यादेश तो लागू हो गया है लेकिन इसे 6 माह के भीतर संसद से पारित कराने की सरकार के सामने बाध्यता तो खड़ी ही है। राज्यसभा में जो दलीय परिदृश्य है, वह अब भी सरकारी पक्ष के अनुकूल नहीं है, इसलिए लगता यही है कि मामला फिर अटकने वाला है और गेंद अगले साल गठित होने वाली नई लोकसभा के पाले में जा सकती है। लेकिन यह स्थिति देश में लैंगिक न्याय की दृष्टि से अच्छा उदाहरण नहीं हो सकती। महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण का मसला बरसों से आज भी अटका हुआ है। महिलाओं की तरक्की और उन्नति के रास्ते में पुरूष प्रधान राजनीति का यूं बाधक बनना चिन्तनीय ही नहीं, शर्मनाक भी है।

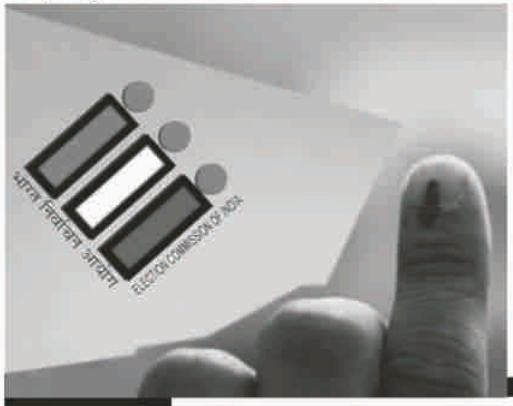

राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, मिजोरम, तेलंगाना में बिछी चुनावी बिसात

2018 की चुनावी बयार तय करेगी

2019 की आंधी का रूख़

साल के अंत में छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, राजस्थान, मिजोरम और तेलंगाना में चुनाव को लेकर प्रमुख राजनीतिक दलों में हलचल तेज हो गई है। एक तरफ कांग्रेस युवाओं को जोड़कर पार्टी का विस्तार कर रही है, तो दूसरी ओर भाजपा अपनी पैठ मजबूत करने में जुटी है। इन राज्यों में होने वाले 2019 के चुनाव इसलिए अहमियत रखते है क्योंकि इसका सीधा असर इसके बाद ही होने वाले लोकसभा चुनाव पर पड़ेगा। इसमें होने वाली जीत दिल्ली तक का रास्ता प्रशस्त करेगी। बड़ी लड़ाई (लोकसभा) से ठीक पहले आने वाले विधानसभा चुनाव के परिणाम सीधे तौर पर लोगों के मूड और उसकी दिशा बताएंगे कि जनता इस बार किस मुहाने पर खड़ी है। माना जा रहा है 2018 की बयार अगले साल की आंधी का रुख तय करेगी। इससे यह भी पता चलेगा कि जनता जनार्दन कांग्रेस का साथ चाहती है या बीजेपी की पतवार। दोनों ही पार्टियों के लिए यह चुनाव अहम माने जा रहे हैं। लगातार जीत दर्ज करवा रही भाजपा के लिए यह चुनाव अपनी ताकत का आंकलन करने वाला साबित होगा तो कांग्रेस की कमान संभालने के बाद राहुल गांधी के लिए दूसरा कड़ा इम्तिहान।

हालांकि गुजरात में बेहतर प्रदर्शन और कर्नाटक में भाजपा को सत्ता के सिंहासन से रोककर राहुल गांधी का मनोबल बढ़ा है। टीम राहुल की रणनीति भी बीजेपी को उसी की रणनीति से मात देने की है। इस बार कांग्रेस सॉफ्ट हिंदुत्व की राह पर है। कांग्रेस के पास भाजपा को घेरने के लिए कई छोटी-छोटी क्षेत्रीय पार्टियों का साथ है तो नोटबंदी, जीएसटी, राफेल जैसे ज्वलंत मुद्दे। एससी-एसटी एक्ट का विरोध कर रहे सवर्णों का गुस्सा भी भाजपा के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकता है। अमूमन सवर्णों को भाजपा का पारंपरिक वोट बैंक माना जाता है। इसमें कांग्रेस सेंध लगाने पर आमादा है लेकिन उसे बल खाई रस्सी का मुहाना नहीं दिख रहा है। फिलहाल सवर्णों के पक्ष में खड़े श्रीमद्भागवत कथा मर्मज्ञ देवकीनंदन ठाकुर ने यह संकेत कर दिया है कि सवर्ण इस बार भाजपा से खासे नाराज हैं।

प्रस्तुत है, अगले पृष्ठों पर राजनीति के बनते-बिगड़ते समीकरणों की राज्यवार 'प्रत्यूष' की विस्तृत रिपोर्ट...

'सवर्णों' की नाराजगी, भाजपा पर भारी

भाजपा को उसी की रणनीति से माता देने की टीम राहुल की रणनीति

सागवाड़ा में 20 सितम्बर को आयोजित कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की रैली

-सुनील पंडित

राजस्थान में सत्तारूढ़ बीजेपी और विपक्षी दल कांग्रेस, दोनों ही चातुर्य व जाति के समीकरणों को साधने में लगे हैं। राज्यसभा सांसद कुमारी शैलजा की कांग्रेस संगठन में एक महत्वपूर्ण पद पर नियुक्ति को दलितों को लुभाने वाले समीकरण के तौर पर देखा जा रहा है। इधर, गजेंद्र सिंह शेखावत का नाम काट कर मदनलाल सैनी को प्रदेशाध्यक्ष बनाने, आनंदपाल एनकाउंटर, पद्मावत जैसे मुद्दों पर क्षत्रिय समाज पहले से नाराज है। वहीं एसटी-एससी एक्ट के विरोध में एकजुट सवर्णों की नाराजगी भाजपा को भारी पड़ सकती है। सचिन पायलट की अगुआई वाली राजस्थान कांग्रेस इकाई राजपूत, गुर्जरों को साधने में लगी है। कांग्रेस शेखावत प्रकरण का फायदा उठाकर राजपूतों तक पहुंचना चाहती है लेकिन भाजपा इस समुदाय को परंपरागत वोट बैंक मानती है। फरवरी में हुए अजमेर और अलवर लोकसभा के उपचुनाव और मांडलगढ़ विधानसभा के उपचुनाव में मिली जीत से कांग्रेस उत्साहित और पूरी तरह आश्वस्त है कि जीत उसके आसपास है। दूसरी ओर पूरे देश में सवर्णों के एसटी-एससी एक्ट के विरोध में सड़कों पर उतरने को भी वह अपने लिए शुभ संकेत मान रही है। भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व सवर्णों के साथ संबंध बेहतर करने की कवायद तो कर रहा है, पर उसे अंधे कुएं में रस्सी दिखाई नहीं दे रही है। भाजपा-कांग्रेस दोनों ही एसटी-एससी एक्ट मामले में पतली गलियों से बचते हुए जनता से रूबरू होने से मुंह छिपा रहे हैं। क्योंकि उनको लगता है कि इसमें हाथ डालने से एसटी-एससी का वोट बैंक उनके पाले से खिसक सकता है। सड़क से लेकर सोश्यल मीडिया पर सवर्णों के विरोध में यह भी साफ झलक रहा है कि वे कांग्रेस-भाजपा के बजाय नोटा का इस्तेमाल कर सकते हैं। कांग्रेस का कहना है कि ऐसा हुआ भी तो भाजपा का ही नुकसान होगा।

मेवाड़ जीत का ट्रेंड हावी

राजस्थान की राजनीति में माना जाता रहा है कि जिसने भी मेवाड़ में जीत का परचम लहरा दिया सत्ता पर दावेदारी का हक उसी का होता है। इसी ट्रेंड के चलते राजस्थान की पूरी राजनीति इन दिनों मेवाड़ पर फोकस कर रही है। राजसमंद के चारभुजा से सीएम की गौरव यात्रा, सांवलियाजी में कांग्रेस की सभा, अमित शाह का उदयपुर-भीलवाड़ा में कार्यकर्ता सम्मेलन, सागवाड़ा में राहुल की सभा और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सचिन पायलट, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, राष्ट्रीय महासचिव डॉ. सीपी जोशी का पिछले तीन माह से डेरा डाले रहना इस बात की पुष्टि हैं कि इस बार दोनों ही पार्टियों का पूरा ध्यान मेवाड़ विजय पर लगा है। इतिहास दोहराया जाए तो मेवाड़-वागड़ से निकले कांग्रेस के मोहनलाल सुखाड़िया (उदयपुर) 17 साल, हीरालाल देवपुरा (राजसमंद) 16 दिन, हरिदेव जोशी (बांसवाड़ा) 7 साल, शिवचरण माथुर (भीलवाड़ा) 5 साल मुख्यमंत्री बने। ये वो नाम हैं जिनको मेवाड़ का अपार समर्थन हासिल था। वर्तमान में डॉ. सीपी जोशी, गिरिजा व्यास, रघुवीर मीणा, महेंद्रजीत सिंह मालवीय, मांगीलाल गरासिया आदि कांग्रेस में मेवाड़ का प्रतिनिधित्व करते हैं। जबकि गृहमंत्री गुलाबचंद कटारिया, उच्च शिक्षा मंत्री किरण माहेश्वरी, सांसद सीपी जोशी, श्रीचंद कृपलानी को भाजपा ने मेवाड़ विजय का अभियान सौंप रखा है। कांग्रेस और भाजपा दोनों ही इस सत्ता के वरदानी इस महत्वपूर्ण अंचल की सीटों पर कुछ नए चेहरे उतारने पर भी गंभीरता से मंथन कर रही है।

राजे की राह में रोड़े

गौरव यात्रा के दूसरे चरण में जोधपुर संभाग में काले झंडे दिखाने, पत्थर फेंक रास्ता रोकने की घटना सीएम राजे से लोगों की नाराजगी का पुख्ता करती है। जोधपुर संभाग पूर्व सीएम अशोक गहलोत का मजबूत गढ़ माना माना जाता है। लेकिन यह भी कहा जा सकता है कि 2014 लोकसभा चुनाव में पूर्व केंद्रीय मंत्री जसवंत सिंह को दरकिनार करने से राजपूत समर्थक सीएम राजे को अभी तक माफ नहीं कर पाए है। राजे ने गहलोत पर विरोध प्रदर्शन करवाने का आरोप लगाते हुए कहा कि मैं डरने वाली नहीं हूं। अपनी यात्रा के दौरान हुए विरोध-प्रदर्शन से नाराज राजे ने इन्हें महिलाओं का अपमान करार दिया है। इस बात से यह तो साबित होता है कि चुनाव से पूर्व सीएम राजे की राह में कई मुश्किलें है, कई बाधाएं है और कई रोड़े है जो बेशक उनका रास्ता रोक सकती है।

ये मुद्दे बिगाड़ सकते हैं भाजपा का खेल

एंटी-इंकमबेंसी : जीएसटी, नोटबंदी, महंगाई, एसटी-एससी एक्ट जैसे मुद्दों पर राज्य में खासी नाराजगी है। शहरी वोटर भाजपा से दूर हटता दिखाई दे रहा है। वहीं आवास, उज्जवला, पेंशन मोबाइल, शौचालय जैसी सरकार की योजना से ग्रामीण वोटर मतदाताओं को लुभाया जा रहा है। हालांकि ग्रामीण वोटर कांग्रेस के परंपरागत वोट माने जाते है। कर्मचारी वर्ग भी अपनी मांगों को लेकर नाराज है। समय रहते इन मुद्दों का समाधान नहीं किया गया तो भाजपा को नुकसान होगा।

अंदरूनी संघर्ष व बगावत : भाजपा में कई रूष्ट नेता पहले से बगावत कर चुके है। इसमें हनुमान बेनीवाल, घनश्याम तिवाड़ी प्रमुख है। हनुमान बेनीवाल के साथ जाटों के अलावा ओबीसी का तो तिवाड़ी के साथ ब्राह्मणों का समर्थन है। ये दोनों ही सीएम राजे के घुर-विरोधी माने जाते है। ये दोनों भाजपा को नुकसान पहुंचा सकते है। इसके अलावा जिनको पार्टी से टिकट नहीं मिलेगा वो भी अंदरूनी चोट कर सकते है।

सवर्णों की नाराजगी : आनंदपाल, पद्मावत, एसटी-एससी एक्ट के मुद्दे पर सवर्ण भाजपा से नाराज चल रहे है। इसके अलावा गजेंद्र सिंह शेखावत को प्रदेशाध्यक्ष नहीं बनाना भी राजपूतों की नाराजगी की वजह मानी जा रही है।

ये मुद्दे बढ़ाएंगे कांग्रेस के वोट

1. **नेताओं की एकजुटता :** राहुल गांधी के प्रयासों और समय की नजाकत देखते हुए पूर्व सीएम अशोक गहलोत, प्रदेशाध्यक्ष सचिन पायलट, पूर्व केंद्रीय मंत्री सीपी जोशी के त्रिकोण चीजों को बेहतर ढंग से समझने और समझाने का माहौल बना है। सभी कार्यक्रमों में करीब-करीब एक मंच पर सभी दिखाई दे रहे है। गत दिनों जयपुर में हुई सभा के दौरान राहुल ने इशारों ही इशारों में इन नेताओं को एकजुटता का पाठ भी पढ़ाया। इसके बाद से ही कार्यकर्ताओं में नेतृत्व को लेकर गलफहमी न हो इसके प्रयास किए गए।
2. **कार्यकर्ताओं से कनेक्टिविटी :** पहली बार बूथ को मजबूत करने के लिए 'मेरा बूथ मेरा गौरव अभियान' और 'संकल्प रैली' के माध्यम से शिथिल पड़े कार्यकर्ताओं में नए जोश का संचार किया। इससे कार्यकर्ता और पदाधिकारियों के बीच में फासला कम हुआ। यह भी जोर रहा कि कार्यकर्ताओं के माध्यम से सरकार की नाकामियों को घर-घर पहुंचाया जाए।
3. **जातीय समीकरण :** माना जा रहा है कि इस बार कांग्रेस जातीय समीकरण को ध्यान में रखते हुए ही वोटों का बंटवारा करेगी। साथ ही जाति-समुदाय को लेकर कांग्रेस सधे हुए कदमों से आगे बढ़ रही है। मेवाड़ से रघुवीर मीणा को आगे बढ़ाकर एसटी-एससी वर्ग में सकारात्मक संदेश देने की कोशिश की।

मध्यप्रदेश

दलित-आदिवासी वोट तारणहार

मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान की जन आशीर्वाद यात्रा में कार्यकर्ताओं का विरोध इस बात का प्रमाण है कि मध्यप्रदेश में सबसे ज्यादा एससी-एसटी एक्ट को लेकर विरोध है।

सभा को संबोधित करते ज्योतिरादित्य सिंधिया

-भावना जैन

मध्यप्रदेश में इस बार कांटे की टक्कर है। यहां 15 साल से सत्ता से दूर रही कांग्रेस खोया वजूद कायम करने के लिए कोई कोर-कसर नहीं छोड़ना चाहेगी। जबकि सत्तासीन भाजपा जीत की हेट्रिक के बाद फिर से जीत का सेहरा सिर से न उतारने के लिए संकल्पित है। मतदाता पशोपेश में हैं। सीएम शिवराज सिंह चौहान की जन आशीर्वाद यात्रा में उमड़ी भीड़ के बाद सत्ता पक्ष यह दावा कर रहा है कि कहीं भी सत्ता विरोधी रुझान नहीं है और जनता चौथी बार भी भाजपा की ही सरकार बनाएगी। सवाल यह है कि यदि सत्ता विरोधी रुझान नहीं है तो फिर नगरीय निकाय चुनाव में भाजपा को करारी मात क्यों मिली। माना जा रहा है कि चुनाव के बाद भाजपा का हर नेता अपने को असुरक्षित महसूस कर रहा है। जबकि कांग्रेस जीत का लेकर आश्वस्त है। कयास लगाए जा रहे हैं कि ज्योतिरादित्य सिंधिया की सक्रियता से कांग्रेस का ग्राफ बढ़ा है। उधर, सत्ता में बने रहने के लिए भाजपा दूसरे दलों से गठबंधन की बजाय विभिन्न संगठनों और समुदायों के नेताओं को पार्टी में शामिल करने की रणनीति पर काम कर रही है। जय आदिवासी युवा शक्ति संगठन की आदिवासी अधिकार यात्रा के बाद कांग्रेस और भाजपा को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि पिछली बार की तरह ही इस बार दलित व आदिवासी अहम हैं। आंकड़ों पर गौर करें तो राज्य विधानसभा की कुल 230 सीटें हैं। इनमें 35 अनुसूचित जाति वर्ग के लिए एवं 47 सीटें जनजाति वर्ग के लिए आरक्षित हैं। पिछले डेढ़ दशक में इन वर्गों पर कांग्रेस की पकड़ कमजोर हुई है। पिछले विधानसभा चुनाव में आदिवासी वर्ग की कुल 47 में से महज 15 सीटों पर ही कांग्रेस को सफलता मिली थी। अनसूचित जाति वर्ग की कुल 35 सीटों में से मात्र चार कांग्रेस के पास हैं। तीन सीटों पर बहुजन समाज पार्टी काबिज है। भाजपा के पास अनुसूचित जाति वर्ग की 28 और जनजाति की 32 सीटें हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में आरक्षित सीटों पर अपेक्षित सफलता न मिलने के कारण कांग्रेस के हाथ से सत्ता फिसल गई थी। इस चुनाव में भी कांग्रेस की सफलता आरक्षित सीटों पर ही बहुत कुछ

कांग्रेस को हल्के में नहीं ले रही भाजपा

भाजपा हाई कमान के अध्ययन और विश्लेषण के मुताबिक 2003 से लेकर 2013 तक के चुनाव में हर बार माहौल या प्रतिपक्ष की कमजोरी के कारण मध्य प्रदेश में पार्टी आसानी से जीत गई, लेकिन इस बार चुनौती कड़ी होगी। गुजरात में कांग्रेस पिछले 22 सालों से वनवास पर है। पार्टी के पास वहां न मजबूत संगठन और न ही कोई बड़ा नेता फिर भी बदतर हालात में कांग्रेस ने भाजपा को कड़ी टक्कर देकर 80 सीटें जीत लीं। यही कारण है कि गुजरात से सबक लेकर ही भाजपा मप्र में अपनी चुनावी रणनीति को अंतिम रूप देगी। भाजपा ज्योतिरादित्य सिंधिया, कमलनाथ और दिग्विजय सिंह की शख्सियत को हल्का नहीं मान रही है। चुनाव में करो या मरो की तर्ज पर दोनों ही पार्टी के नेता पूरी ताकत झोंक ने पर आमादा हैं।

निर्भर करेगी। भाजपा और कांग्रेस दोनों के पास ही कोई सर्वमान्य आदिवासी चेहरा नहीं है। हर चुनाव में आदिवासी को मुख्यमंत्री बनाए जाने की मांग कांग्रेस में उठती रहती है।

पिछले चुनाव में कांग्रेस ने कांतिलाल भूरिया को प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष बनाकर आदिवासी सीटों पर पकड़ मजबूत करने की कोशिश की थी। तब कांग्रेस का पासा उल्टा पड़ गया था और भूरिया के संसदीय क्षेत्र झाबुआ में ही कांग्रेस सभी आरक्षित सीटें हार गई। खुद कांतिलाल भूरिया चुनाव हार गए। राज्य में आदिवासी वर्ग के लिए आरक्षित सीटों के अलावा तीस से अधिक सामान्य सीटें ऐसी हैं, जहां आदिवासी मतदाता निर्णायक भूमिका में हैं। कांग्रेस सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया के संसदीय क्षेत्र की विधानसभा सीटों पर भी सहरिया आदिवासी निर्णायक भूमिका में होते हैं। कोलारस विधानसभा के उप चुनाव में सहरिया आदिवासियों को लुभाने के लिए ही मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हर आदिवासी परिवार को एक हजार रूपए नगद देने की घोषणा की थी। सरकार ने घोषण पर अमल भी किया है। राज्य में आदिवासियों की कुल जनसंख्या 21 प्रतिशत से अधिक है। कांग्रेस अब तक आदिवासियों को अपनी ओर आकर्षित करने में सफल नहीं हो पाई है। राज्य में कुल 89 आदिवासी विकासखंड हैं।

दस फीसदी सीटों पर नोटा निर्णायक

इस बार के चुनाव में नोटा (उपरोक्त में से कोई नहीं) लगभग दस फीसदी सीटों पर निर्णायक साबित हो सकता है। खासतौर पर वे सीटें ज्यादा प्रभावित होंगी, जहां जीत-हार का अंतर कम रहेगा। 2013 के विधानसभा चुनाव में 26 विधानसभा क्षेत्र ऐसे थे, जहां जीत-हार का अंतर 2500 या इससे कम मत का था। वहीं, नोटा का दायरा चुनाव-दर-चुनाव बढ़ता जा रहा है। मुंगावली उप चुनाव में तो जीत-हार के अंतर से ज्यादा वोट नोटा के निकले थे। ऐसे में भाजपा और कांग्रेस दोनों की सांसें नोटा को लेकर धौंकनी की तरह ऊपर-नीचे हो रही हैं। भाजपा जहां अपने परंपरागत वोट बैंक को साधने में पूरी शिद्दत से जुटी है, वहीं कांग्रेस सत्ता से खफा मतदाताओं को विकल्प देने की रणनीति को असरदार बनाने में जुटी है।

छत्तीसगढ़

बड़ी चुनौती : जोगी पर माया का जादू

-सनत जोशी

विधानसभा चुनाव को लेकर छत्तीसगढ़ में चुनावी चौसर पूरी तरह बिछ चुकी है। यह देखना रोमांचक होगा कि पिछले तीन बार से छत्तीसगढ़ की सत्ता पर काबिज मुख्यमंत्री रमन सिंह क्या चौथी बार भी यहां भाजपा का परचम लहरा पाएंगे ? या फिर कांग्रेस के सिर पर होगा सेहरा। हालांकि पिछले डेढ़ दशक से राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा सत्ता बनाए रखने की कोशिशों में सफल है। कांग्रेस यहां सत्ता में वापसी के लिए संघर्षरत है। इस बीच नए राजनैतिक समीकरण में मायावती ने पूर्व सीएम अजीत जोगी की छत्तीसगढ़ जनता कांग्रेस नामक नई पार्टी के साथ गठबंधन कर खलबली मचा दी। इस गठबंधन से कांग्रेस के विपक्षी दलों को एक साथ करने की महायोजना को भी तगड़ा झटका लगा है। यूपी की पूर्व सीएम और पार्टी की सुप्रीमो मायावती ने ऐलान किया है कि छत्तीसगढ़ में जोगी की पार्टी के साथ बसपा चुनाव लड़ेगी। मध्यप्रदेश में उनकी पार्टी अकेले ही चुनाव लड़ सकती है। छत्तीसगढ़ में चुनाव जीतने की सूरत में जोगी गठबंधन सरकार के सीएम होंगे। दोनों के बीच हुए समझौते के अनुसार जोगी की पार्टी 55 और बसपा 35 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। करीब 55 लाख की आबादी वाले राज्य में कुल 90 विधानसभा सीटें हैं। पिछली बार यानी 2013 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 49 सीटों पर कब्जा कर सत्ता

हासिल की। कांग्रेस इससे पीछे तो रही मगर उसने राज्य की 38 सीटों पर जीत दर्ज कर अपनी मजबूत स्थिति का परिचय भी दिया। दो सीटें बहुजन समाज पार्टी और एक सीट अन्य के खाते में चली गई। पिछले विधानसभा चुनावों में दोनों बड़ी पार्टियों के बीच नए और पुराने उम्मीदवारों को लेकर घमासान देखने को मिला था। तब कांग्रेस और भाजपा, दोनों ने ही नए चेहरों को बड़ी संख्या में तवज्जो दी थी। इसका असर यह हुआ कि जनता ने 90 में से 41 नए चेहरों को विधानसभा में जाने का मौका दिया। इन नए चेहरों में भाजपा के 37 में से 24 विधायक सफल हुए। जबकि कांग्रेस के 36 में से 17 प्रत्याशियों ने जीत हासिल

की। कांग्रेस के कुछ विधायक अब अजीत जोगी की छत्तीसगढ़ जनता कांग्रेस में हैं। यह कहना भी गलत नहीं होगा कि भाजपा इस बार भी नए चेहरों को चुनाव में अच्छी खासी जगह देगी। गुजरात और हिमाचल प्रदेश का विधानसभा चुनाव भाजपा के जीतने के बाद अब मुख्यमंत्री रमन सिंह किसी भी तरह का जोखिम उठाना नहीं चाहेंगे।

गलफांस बने कर्मचारी संगठन

चुनावी साल में ही कर्मचारी संगठन राज्य सरकार के लिए गलफांस बन गए हैं। पिछले कुछ महीनों से कई कर्मचारी संगठन आंदोलनरत हैं। सरकार ने कुछ की मांगें पूरी की और कुछ को आश्वासन दिया जिसका नतीजा यह हुआ कि आग और भड़क गई। प्रदेश के ढाई लाख कर्मचारी मांग करते रहे कि उन्हें सातवें वेतनमान का एरियर्स दिया जाए। चार स्तरीय वेतनमान दिया जाए। दरअसल छत्तीसगढ़ में सातवां वेतनमान एक जनवरी 2016 से लागू तो किया गया लेकिन घोषणा एक जुलाई 2017 में की गई। सरकार ने जुलाई से सातवां वेतनमान देना शुरू किया तो कर्मचारी पिछले अठारह महीने का एरियर्स मांगने लगे। तब वादा किया गया कि एरियर्स दिया जाएगा लेकिन एक साल बाद भी वादा पूरा नहीं किया गया। हाल ही में मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने एरियर्स देने की घोषणा की। इसके बाद मंत्रालय से आदेश निकला कि एरियर्स किश्तों में दिया जाएगा। पहली किश्त में तीन महीने का एरियर्स सितंबर में चुकता किया गया। कर्मचारी संगठन बाकी 15 महीने का एरियर्स भी तत्काल मांग रहे है। इससे पहले शिक्षाकर्मियों ने लगातार आंदोलन किया तो सरकार ने उन्हें शिक्षा विभाग का नियमित कर्मचारी बना दिया। इससे एक लाख शिक्षाकर्मियों को फायदा मिला जबकि करीब 70 हजार शिक्षाकर्मी इस दायरे में नहीं आ पाए। जो नियमित नहीं हो पाए हैं वे नाराज हैं। नर्सों ने आंदोलन किया तो सरकार ने उन्हें जेल भेज दिया। बाद में समझौता किया और कहा कि उनकी मांगों पर हाइपावर कमेटी गठित की जा रही है। सबसे बड़ी मुसीबत तो संविदा और अनियमित कर्मचारियों के आंदोलन की है। ये लगातार नियमितीकरण की मांग को लेकर सड़कों पर हैं।

सीएम के गृह जिले से दावेदारों की भीड़

मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के गृह जिले कवर्धा से भाजपा में टिकट दावेदारों की भीड़ है। कवर्धा और पंडरिया विधानसभा पर मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह, सांसद अभिषेक सिंह और परिवार के सदस्यों का सीधा दखल रहता है। यही नहीं, भाजपा उम्मीदवार को चुनाव जिताने के लिए मुख्यमंत्री का कुनबा खुद डेरा डालता है और वोटरों से सीधा संपर्क करता है। चुनाव में हर बार कवर्धा और पंडरिया से विधायक होने के बावजूद भाजपा नए उम्मीदवार पर दांव लगाती है। यही कारण है कि इस चुनाव में मिशन 65 प्लस को पूरा करने के लिए नए दावेदार सामने आ रहे हैं। भाजपा नेता यहां मुख्यमंत्री का प्रभाव देखते हुए आसान जीत मानकर दावेदारी कर रहे हैं। इस सीट पर सीएम भले ही नहीं लड़ते, लेकिन प्रतिष्ठा मानकर उनका पूरा परिवार चुनाव प्रचार में ताकत झोंक देता है। इधर, कवर्धा और पंडरिया से कांग्रेस भी कड़ी टक्कर देने के लिए मजबूत दावेदार मैदान में उतारती रही है। पंडरिया से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मोहम्मद अकबर ने वर्ष 2008 के चुनाव में जीत दर्ज की थी। लेकिन उसके बाद से दोनों सीटों पर कांग्रेस को जीत नहीं मिल पाई। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के सामने पिछले दिनों कवर्धा राजपरिवार के योगेश्वराज सिंह ने पार्टी ज्वाइन की। कांग्रेस से भी आधा दर्जन नेताओं की कवर्धा और पंडरिया विधानसभा से दावेदारी सामने आ रही है।

दबंगई और परिवारवाद हावी

चुनाव से पहले कांग्रेस में टिकट दावेदारी के लिए एक तरफ दबंगई हुई है तो दूसरी तरफ परिवारवाद का खेल खेला गया है। कुछ वरिष्ठ नेताओं की सीटों पर दूसरे दावेदारों के लिए नो-इंट्री कर दी गई। मतलब, ब्लॉक अध्यक्षों ने दूसरे दावेदारों का या तो आवेदन नहीं लिया या आवेदन लेने के बाद पावती नहीं दी। ऐसे ही एक-दो सीट ऐसी है, जहां एक ही परिवार के दो सदस्यों ने अलग-अलग दावेदारी की है, ताकि किसी एक को टिकट मिलने की संभावना बनी रहे। पार्टी के कुछ प्रमुख नेताओं की सीट से केवल उनका ही आवेदन जमा हुआ है। स्थानीय नेताओं का आरोप है कि यहां के ब्लॉक अध्यक्ष ने दूसरे दावेदारों को आवेदन ही उपलब्ध नहीं कराया। पार्टी के नेताओं का कहना है कि केंद्रीय नेतृत्व इस बार वरिष्ठ नेताओं की भी टिकट काटकर केवल जिताऊ प्रत्याशी को मैदान में उतारना चाहता है। इस कारण ब्लॉक कमेटी में आवेदन लिया जा रहा है।

मिजोरम

पूर्वोत्तर : कांग्रेस के किले पर भाजपा की चढ़ाई

-नंदकिशोर

उत्तर-पूर्व का मिजोरम एकमात्र ऐसा राज्य है जहां कांग्रेस की सरकार है और मुख्यमंत्री है, ललथनहवला। भारत के नार्थ-ईस्ट भाग के इस छोटे से राज्य में वर्तमान विधानसभा का कार्यकाल 15 दिसंबर 2018 को खत्म हो रहा है। नार्थ ईस्ट के सात राज्यों में से छह में भाजपा या उसके सहयोगी दलों के नेतृत्व वाली सरकारें हैं। यह भी कह सकते हैं कि कांग्रेस या उसके गठबंधन द्वारा शासित चौथा राज्य और नार्थ ईस्ट में एक मात्र राज्य है मिजोरम। भाजपा कांग्रेस मुक्त भारत के अभियान को जारी रखते हुए यहां भी कांग्रेस को पटखनी देने की तैयारी में जुटी है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर यहां का कई बार दौरा कर चुके हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी सहित कई बड़े नेताओं ने भी चुनावी सभाएं की। यहां कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए अमित शाह ने कहा था कि मिजोरम विधानसभा चुनाव के बाद पूर्वोत्तर 'कांग्रेस मुक्त' हो जाएगा। भले ही यह सिर्फ अमित शाह का दावा है पर इस बात से यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि भाजपा का राष्ट्रीय

नेतृत्व मिजोरम के आगामी चुनाव को लेकर गंभीर है। साथ ही ये भी दिखाई दे रहा है कि चुनाव कहीं भी और कैसा भी क्यों ना हो, भाजपा उसे कभी कमतर नहीं आंकती है। नार्थ ईस्ट के अन्य राज्यों में परचम लहराने के बाद भाजपा मिजोरम में भी जीत हासिल करने की कोशिश में है। नार्थ ईस्ट के भाजपा के बड़े नेता हिमंत बिस्व सरमा भी हर महीने यहां का दौरा कर कार्यकर्ताओं को जीत के मंत्र देते रहे हैं। इसके अलावा मिजोरम में भाजपा आरएसएस के सहारे बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत कर रही है। इधर, कांग्रेस के वर्तमान रवैये से एक बात साफ होती दिख रही है कि राष्ट्रीय नेतृत्व मिजोरम चुनाव को लेकर गंभीर नहीं है। स्थानीय कांग्रेस के एक वर्ग का यह भी कहना है कि यहां राहुल गांधी को साइड कर मिजोरम के सीएम के नाम पर ही चुनाव लड़ना कांग्रेस के लिए फायदे का सौदा साबित होगा। जबकि दूसरे वर्ग का मानना है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष होने के नाते राहुल के चुनावी दौरे कांग्रेस में जोश और उत्साह बनाए रखेगी। हालांकि चुनाव से पूर्व कई समीकरण बनेंगे और बिगड़ेंगे। फिलहाल देखना यह होगा कि इस बार पूर्वोत्तर के अंतिम किले में भाजपा कील ठोक पाने में कामयाब रहेगी या फिर इस किले पर पिछली बार की तरह ही कांग्रेस का आधिपत्य बना रहेगा। बता दें कि मिजोरम विधानसभा में 40 सीटें हैं जिसमें से 34 सीटें जीतकर कांग्रेस सत्ता में है वही भाजपा को पिछले चुनाव में कोई भी सीट नहीं मिली थी।

नॉर्थ-ईस्ट में लोकसभा की 6 सीटें

नॉर्थ-ईस्ट के चार राज्य मिजोरम, मेघालय, त्रिपुरा और नागालैंड में में लोकसभा की सिर्फ 6 सीटें हैं, लेकिन वहां तक बीजेपी के फुट प्रिंट बढ़ाने की बेचैनी पार्टी में साफ दिखाई दे रही है। गुजरात में वोटिंग के अगले ही दिन पीएम ने मिजोरम में रैली करके इसका इशारा भी दे दिया था। इधर, चुनाव से पहले विभिन्न संगठनों ने जोराम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) नामक एक गैर-कांग्रेस, गैर-मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) गठजोड़ का गठन कर दिया। नए गठजोड़ में जोराम नेशनल पार्टी के अलावा मिजोरम पीपुल्स कांफ्रेंस और नया बना जोराम एक्सोडस मूवमेंट शामिल हैं। इसमें राज्य के सबसे बड़े मिजो अखबार वांगलाइनि के संपादक भी हैं। सापडांगा ने आरोप लगाया कि राज्य में एक के बाद एक सत्ता में आने वाली कांग्रेस और एमएनएफ सरकारों ने मिजोरम को बर्बाद कर दिया है और लोग अब इन दोनों दलों का विकल्प तलाश रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि यह गठजोड़ राज्य के वोटरों को एक विकल्प मुहैया कराएगा।

चर्चा में रहा कांग्रेस-भाजपा गठबंधन

यहां एक दूसरे को पानी पी-पीकर कोसने वाली भाजपा और कांग्रेस ने सत्ता हथियाने के लिए निकाय चुनाव में एक-दूजे का हाथ मिलाकर खलबली मचा दी थी। जबकि 8 सीटें जीतकर मिजो नेशनल फ्रंट (रूहल्सन) सबसे बड़ी पार्टी बनी। जबकि कांग्रेस दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। उसे छह सीटें मिली हैं। भाजपा तीसरे स्थान पर रही, उसे पांच सीटें मिली। स्थानीय नेताओं ने इस गठबंधन पर कहा था कि स्थानीय गठबंधन से दिल्ली की राजनीति या मिजोरम विधानसभा चुनाव पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

तेलंगाना

टीडीपी और लेफ्ट के साथ कांग्रेस लेगी टीआरस-भाजपा से टक्कर

तेलंगाना में लोकसभा-विधानसभा चुनाव एक साथ न करवाकर सीएम केसीआर ने विधानसभा भंग कर दी। इसके बाद से यहां राजनैतिक परिदृश्य बदल गए है। यहां मई 2014 में आंध्र से अलग हुए तेलंगाना में पहला विधानसभा चुनाव हुआ। सदन की कुल 119 सीटों में 63 टीआरएस ने जीत दर्ज की। 4 साल 3 माह और 4 दिन राज्य की पहली टीआरएस सरकार सत्ता में रही। इधर, तेलुगू देशम पार्टी ने 1982 में अपने गठन के बाद पहली बार कांग्रेस से हाथ मिलाकर सभी को चौंका दिया। दोनों ने तेलंगाना में विधानसभा चुनाव साथ लडने का फैसला किया है। लेफ्ट भी उनके साथ है। अब तीनों मिलकर एक साथ चुनाव लड़ेंगे। दूसरी ओर विधानसभा चुनावों में टिकट नहीं मिलने से कई लोग जहां खुलकर अपनी नाराजगी जता रहे हैं। वहीं कुछ लोग पुरानी पार्टी का दामन छोड़ नए दल का दामन थाम चुके हैं। ऐसे हालात में राजनीतिक जोड़-तोड़ में तेजी आना स्वाभाविक है। टिकट नहीं मिलने से ज्यादा नाराजगी टीआरएस के सदस्यों में है। वहीं भाजपा तेलंगाना में पूर्व पीएम पीवी नरसिंहा राव के साथ किए गए सलूक को टारगेट कर कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी पर निशाना साध रही है। बीजेपी दावा करती है कि वो एक ऐसा तेलंगाना बनाएगी, जहां दलितों और आदिवासियों को दबाया नहीं जाएगा और किसानों को गोली नहीं मारी जाएगी। दूसरी ओर जानकारों का कहना है कि समय से पूर्व विधानसभा भंग कर अन्य राज्यों के साथ चुनाव करने का फैसला यह दर्शाता है कि तेलंगाना राष्ट्र समिति सुप्रीमो के. चंद्रशेखर राव इस बार

अपनी जीत को लेकर आश्वस्त नहीं हैं। उन्हें सभाओं में जुटने वाली भीड़ आश्वस्त तो कर रही है मगर कहीं न कहीं मोदी-शाह की जोड़ी का भय भी है। यह बात दबी जुबान में के. चंद्रशेखर भी स्वीकार करते हैं कि अगर लोकसभा चुनाव के साथ ही विधानसभा चुनाव होते तो हमारी जीत शायद ही हो पाती। दूसरी ओर एक साल पूर्व ही शुरू की गई कल्याणकारी योजनाओं से भी केसी राव का जनाधार बढ़ा है। फसल सब्सिडी इसमें मुख्य है। बता दें कि साल 2014 में आंध्र प्रदेश का बंटवारा हुआ, तब संयुक्त राज्य में विधानसभा की 294 सीटें और लोकसभा की 42 सीटें थीं। अविभाजित आंध्र प्रदेश में बीजेपी ने अपना सबसे बेहतर प्रदर्शन 1999 में किया था। एक वोट से बहुमत हारने और करगिल की लड़ाई के बाद हुए आम चुनाव में वाजपेयी के नेतृत्व में बीजेपी ने इस राज्य में लोकसभा की सात सीटें जीती थीं। साल 2014 की मोदी लहर में बीजेपी ने आंध्र प्रदेश में पांच सीटें और तेलंगाना में 8 सीटों पर चुनाव लड़ा। हालांकि उसके खाते में आंध्र से दो और तेलंगाना में एक ही सीट आ पाई। विधानसभा में आंध्र में बीजेपी ने 15 सीटों पर चुनाव लडकर चार सीटें जीतीं, तेलंगाना में 47 विधानसभा सीटों पर लड़कर पांच सीटों पर जीत हासिल की। साल 1999 और 2014 में, दोनों ही बार बीजेपी का चंद्र बाबू नायडू की तेलुगूदेशम पार्टी से गठबंधन था। 1998 में बीजेपी ने तेलुगूदेशम के लक्ष्मी पार्वती (एनटी रामाराव की पत्नी) धड़े के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था। यहां पिछले विधानसभा चुनाव में टीआरएस को 63, कांग्रेस को 21, तेदेपा को 15, एआईएमआईएम को 7, भाजपा को 5 व अन्य दलों को 7 सीटों पर और लोकसभा चुनाव में टीआरएस को 11, कांग्रेस को 2, तेदेपा को 1, एआईएमआईएम को 0, भाजपा को 1 व अन्य दलों को 2 सीटों पर जीत मिली।

सीट न मिलने से कईयों में नाराजगी

भंग की गई विधानसभा में वारंगल जिले से विधायक कोंडा सुरेखा ने उम्मीदवारों की पहली सूची में अपना नाम नहीं होने पर खुलकर नाराजगी जताई है। सुरेखा आने वाले दिनों में अपनी रणनीति की घोषणा कर सकती हैं। मानचेरिल जिले में टीआरएस के निवर्तमान विधायक चेन्नुर नल्लाला ओदेलु को टिकट नहीं मिलने से दुखी होकर उनके एक समर्थक ने आत्मदाह का प्रयास किया। हालांकि, सूत्रों का कहना है ओदेलु चुनाव में पार्टी के लिए काम करने को राजी हो गए हैं। तेदेपा छोड़कर टीआरएस में पहुंचे आदिलाबाद जिले के रमेश राठौड़ ने भी टिकट नहीं मिलने पर निराशा जताई है। टीआरएस से टिकट नहीं मिलने के बाद कुछ नेताओं ने भविष्य की रणनीति तय करने के लिए अपने समर्थकों के साथ बैठक की।

कांग्रेसी सुरेश रेड्डी ने टीआरएस का दामन थामा

इस बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के. आर. सुरेश रेड्डी ने पार्टी छोडकर टीआरएस का दामन थाम लिया है। रेड्डी आंध्रप्रदेश में वाई. एस. राजशेखर रेड्डी की सरकार के दौरान विधानसभा अध्यक्ष थे। वहीं 2014 में कांग्रेस छोडकर टीआरएस गए पूर्व विधायक ए. राजेन्द्र वापस पार्टी में लौट आए हैं।

बीजेपी के सामने टीआरएस की दीवार

तेलंगाना में सरकार बनाने का सपना साकार करने की जिद वाली बीजेपी को राज्य में सबसे बड़ी चुनौती के. चंद्रशेखर राव की टीआरएस से है। बीजेपी राज्य की हर समस्या के लिए टीआरएस को जिम्मेदार ठहराती है। लेकिन टीआरएस की सबसे बड़ी दुश्मन कांग्रेस पार्टी है। कांग्रेस को किनारे रखने के लिए टीआरएस दिल्ली की राजनीति में अप्रत्यक्ष रूप से बीजेपी का साथ दे रही है। इस पर उनकी दलील ये है कि वह देश के विकास के लिए मुद्दों पर समर्थन देती है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि दरअसल दोनों ही राजनीतिक पार्टियां कांग्रेस मुक्त तेलंगाना के साझे लक्ष्य पर काम कर रही हैं। यह भी कहा जा रहा है कि तेलंगाना में बीजेपी मजबूत हुई तो केसीआर को ज्यादा फायदा होगा क्योंकि सरकार विरोधी वोटों का बंटवारा हो जाएगा। राज्य में बीजेपी के विस्तार का सीधा मतलब है कांग्रेस का नुकसान। राज्य में बीजेपी और टीआरएस दोनों ही कांग्रेस को रोकना चाहते हैं। अगर बीजेपी दक्षिण भारत के इन दो राज्यों में आधार बढ़ाना चाहती है तो उसे राजनीतिक साझीदार खोजने होंगे लेकिन यहां ऐसे हालात हैं कि न तो तेदेपा और न ही टीआरएस और न ही जगन रेड्डी की पार्टी उनसे गठबंधन की इच्छुक है।

बीजेपी इस बात को भी समझ रही है कि अगले लोकसभा चुनावों के नतीजों में शायद उसके पास पर्याप्त बहुमत का आंकड़ा नहीं हो, लिहाजा उसे क्षेत्रीय पार्टियों को लेकर पहल करने पर मजबूर होना पड़ रहा है। चूंकि हिंदी भाषी राज्यों में भारतीय जनता पार्टी को 2014 के मुकाबले सीटों की संख्या में बेहतरी के आसार नहीं हैं, लिहाजा ये क्षेत्र उसके लिए अहम हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में तेलंगाना में टीआरएस, आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस चुनाव के बाद संभावित सहयोगी पार्टियों के तौर पर उसके निशाने पर हो सकती हैं।

बीजेपी के पास सीएम चेहरे की कमी

तेलंगाना में हैदराबाद के आस-पास और निजामाबाद जैसे कई इलाकों में बीजेपी की थोड़ी बहुत मौजूदगी है। मगर आंध्र और तेलंगाना दोनों ही राज्यों में पार्टी के पास मुख्यमंत्री पद के लायक कोई चेहरा नहीं है। यहां धर्म गुरुओं का भी खासा प्रभाव है। दोनों राज्यों की बहुसंख्यक आबादी हिंदुओं की है लेकिन इसके बावजूद तेलंगाना में हिंदू वोट बैंक जैसी कोई बात वजूद में नहीं है।

प्रत्यूष

आपकी अपनी पारिवारिक पत्रिका है इसे अपने परिवार में अवश्य सम्मिलित कीजिए।

पत्रिका आपको कैसी लगी?

कृपया अपने विचार हमें अवश्य भिजवाएं।

पाठकों व सहयोगियों को नवरात्रि पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

दी उदयपुर महिला अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड

प्रथम वर्ष से ही 'अ' श्रेणी का वर्गीकृत बैंक

प्रधान कार्यालय 21-22, हिरणमगरी, सेक्टर 3, उदयपुर (राज.)

टेलीफेक्स : 0294-2462338 फोन : 0294-2462306

Website: www.umucbank.com Email : mahilaurbanbankudr@yahoo.com

जमाओं पर वर्तमान देय ब्याज दरें :

1	30 दिन से 45 दिन तक	4.50%
2	46 दिन से 179 दिन तक	5.0%
3	180 दिन व 1 वर्ष से कम	6.10%
4	12 माह एवं अधिक एक करोड़ तक की अमानत	7.20%
5	12 माह एवं अधिक एक करोड़ से अधिक की अमानत	7.35%
6	बचत खाता	4.00%

आगामी त्यौहार के अवसर पर 1 अक्टूबर से जनवरी 2019 तक दोपहिया वाहन ऋण पर ब्याज दर 10 प्रतिशत और चार पहिया वाहन पर 9.50 प्रतिशत रहेगी

वरिष्ठ नागरिकों (60 वर्ष एवं अधिक आयु) हेतु एक वर्ष से अधिक अवधि पर 0.50 प्रतिशत अतिरिक्त ब्याज

बैंक की ऋण योजनाएं

यूएमयूसीबी आवास ऋण अपने स्वयं का सपनों का घर	यूएमयूसीबी शिक्षा ऋण शिक्षा एवं ज्ञान का द्वार	यूएमयूसीबी बन्धक ऋण अपनी सम्पत्ति भुनाना
यूएमयूसीबी व्यापार ऋण व्यापारियों के लिए ओवरड्राफ्ट	यूएमयूसीबी होली डे ऋण छुट्टियों में घुमने हेतु ऋण	यूएमयूसीबी वाहन ऋण अपने सपनों का वाहन

बैंक प्रगति पर एक नजर

उदयपुर महिला अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लि. की स्थापना 27 मई 1995 को हुई। बैंक श्रीमती पुष्पा सिंह अध्यक्षा, उनकी कार्यकारिणी एवं स्टाफ के अथक प्रयास एवं कुशल नेतृत्व से निरन्तर प्रगति की ओर अग्रसर है। बैंक का वर्ष 2017-18 में कुल जमा राशि 198.61 करोड़ रुपए की हो गई है। अग्रिम 99.01 करोड़ रुपये एवं शुद्ध लाभ 105.00 लाख रुपये हो गए हैं। बैंक की कार्यशील पुंजी 210.11 करोड़ रुपये है। बैं क का स्वयं का भवन हिरणमगरी सेक्टर 3 में हैं। बैंक अपने सदस्यों को 15 प्रतिशत की दर से लाभांश दे रहा हैं। बैंक का वर्ष 2017-18 का NPA 0.55 प्रतिशत रहा और शुद्ध NPA जीरो है। बैंक की कुल सात शाखाएं कार्यरत है। बैंक द्वारा अपने ग्राहकों को सभी सुविधाएं सीटीएस क्लियरिंग, NEFT/RTGS/SMS एवं आधार आधारित प्रदान कर रखी है। बैंक द्वारा रुपे डेबिट कार्ड (RUPAY DEBIT CARD) की भी सुविधा उपलब्ध है। बैंक को लगातार 23वें वर्ष भी ऑडिटर ने 'अ' श्रेणी में वर्गीकृत किया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने भी अपनी निरीक्षण रिपोर्ट में बैंक के कार्य की सराहना की है।

शाखाएं

- महावीर भवन, न्यू अश्वनी बाजार फोन : 2414357
- सिन्धी बाजार, फोन : 2426059
- विश्वविद्यालय मार्ग, उदयपुर फोन : 2413205
- हिरणमगरी सेक्टर-14 फोन : 2641646
- हिरणमगरी सेक्टर -3 फोन : 2462307
- 2,3 सत्यम एस्टेट, बलीचा फोन : 2640080
- 4, साईफन चौराहा फोन : 2453050

पुष्पा सिंह, अध्यक्षा

मीनाक्षी नागर, मुख्य कार्यकारी अधिकारी

स्वात घाटी में मुस्काए बुद्ध बामियान में आहत

पाकिस्तान में तालिबान के हाथों ग्यारह बरस पहले जख्मी हुए भगवान बुद्ध के चेहरे के जख्म तो भर दिये गये हैं, लेकिन अफगानिस्तान के बामियान में क्षतिग्रस्त बुद्ध प्रतिमाओं को उनके पूर्व स्वरूप में लाना अभी शेष है।

-पंकज कुमार शर्मा

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की प्राकृतिक नज़ारों से लकदक स्वात घाटी की पहाड़ियों पर उकेरी गई प्राचीन बुद्ध प्रतिमाओं की फिर से रंगत लौट आई है, लगता है बरसों बाद बुद्ध के होठों पर मुस्कान खिल उठी है और एक दशक पूर्व तालिबान के हाथों मिले बारूदी ज़ख्म अब भरने लगे हैं। हालांकि मरहम लगाने वालों ने कुछ निशान अब भी ज्यों के त्यों छोड़ दिए हैं, ताकि पीड़ित मानवता के सबसे बड़े पैरोकार और शांति के मसीहा के साथ हुई वहशत को लोग भूल न जाएं और इस तरह के कृत्य करने वालों को उचित पाठ पढ़ा सकें। भगवान बुद्ध की सातवीं शताब्दी की इस मूर्ति को आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान ने ग्यारह बरस पहले सितम्बर 2007 में बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया था। क्रूरता की इन्तहा भी ऐसी कि मूर्ति के चेहरे पर सुराख कर उसमें विस्फोटक भरा गया और चेहरे के आधे से अधिक भाग को उड़ा दिया गया। पत्थर की एक बेजान मूर्ति और वह भी ऐसे शख्स की, जिसने सारी दुनिया को शांति का पैगाम दिया के साथ की गई इस वहशत ने पूरी दुनिया को सकते में डाल दिया।

इटली सरकार की पहल

स्वातघाटी इलाके से तालिबान को खदेड़े जाने के बाद इटली सरकार मूर्ति की मरम्मत के लिए आगे आई और 2012 में क्षतिग्रस्त मूर्ति को उसके वास्तविक स्वरूप में लाने का काम शुरू हुआ। इस अभियान का नेतृत्व इतालवी पुरातत्वविद् ल्यूका मारिया ओलोवीरी ने स्थानीय लोगों की मदद से किया। उनके अनुसार, मूर्ति को जिस तरह से क्षतिग्रस्त किया गया, उसके मद्देनजर उसे पूर्व स्थिति में लाना मुश्किल कार्य था। हालांकि पांच वर्षों की मेहनत के बाद 20 करोड़ रुपए के खर्च से इस मूर्ति को पूर्व स्थिति के नजदीक लाने में सफलता मिली है। इस पहाड़ी क्षेत्र को अब पर्यटकों के लिए खोल दिया गया है ताकि वे कुदरती नज़ारों के बीच मुस्कराते बुद्ध के दर्शनों का लाभ ले सकें। यह एक ऐतिहासिक धरोहर है। यह मूर्ति ध्यानस्थ भगवान बुद्ध की है और उनके चेहरे पर चिर-परिचित मुस्कान है। दक्षिण एशिया में मौजूद पत्थर की यह सबसे विशाल मूर्तियों में से एक है। इसकी ऊंचाई 6 फीट और आधार कमल के फूल की मानिन्द ग्रेनाइट पत्थर का है।

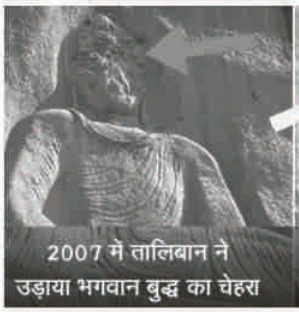

2007 में तालिबान ने उड़ाया भगवान बुद्ध का चेहरा

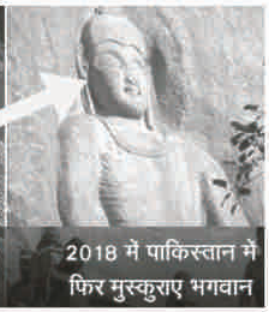

2018 में पाकिस्तान में फिर मुस्कुराए भगवान

स्वात घाटी में थे बौद्ध मठ

स्वातघाटी में बौद्ध धर्म चौथी शताब्दी में अपने स्वर्णिम दौर में था। यहां 1000 से अधिक बौद्ध मठ थे। हालांकि, 10वीं शताब्दी में यहां इसका अस्तित्व खत्म हो गया। दूसरे धर्मों ने उसकी जगह ले ली और वक्त के बीतते बौद्ध मठ भी समाप्त होते चले गए।

गांधार कला का केन्द्र

स्वात घाटी प्राचीन गांधार सभ्यता का हिस्सा थी, जहां की कला विश्वविख्यात रही। खास तौर से यहां की मूर्ति कला अनुपम थी और उसका प्रसार दूर-दूर तक हुआ। एक समय घाटी में एक हजार से अधिक स्तूप तथा मठ थे। इनमें एक स्तूप सम्राट अशोक निर्मित भी था। आज इनमें से बहुत कम के मात्र अवशेष हैं। बौद्ध काल के बाद यहां हिन्दू राजाओं ने शासन किया जो सन् 1023 में महमूद गजनवी के आक्रमण के साथ खत्म हुआ। ऐसी मान्यता है कि स्वयं भगवान बुद्ध ने यहां कुछ समय प्रवास कर स्वातवासियों को उपदेश से उपकृत किया। घाटी में छोड़े गए उनके पद्चिह्न आज भी स्वात संग्रहालय में सहेज कर रखे गए हैं। सन् 326 ईसा पूर्व सिकन्दर भी अपने विश्वविजय अभियान के साथ यहां आया था। बाद में चन्द्रगुप्त मौर्य ने उसे खदेड़ कर इसे अपने साम्राज्य का अंग बनाया।

वज्रयान की उद्गम स्थली

स्वात घाटी के प्राकृतिक सौन्दर्य तथा शांत, सुरम्य वातावरण ने राजाओं से लेकर भिक्षुओं-महात्माओं तक सबको अपनी ओर आकर्षित किया। इन्हीं विशेषताओं के मद्देनजर प्रसिद्ध बौद्ध सम्राट कनिष्क ने अपनी राजधानी पेशावर से हटाकर स्वात को बनाया। बौद्ध धर्म के वज्रयान पंथ का उद्गम भी स्वात घाटी को ही माना जाता रहा है।

पाकिस्तान का स्विटजरलैण्ड

स्वात घाटी को पाकिस्तान का स्विट्जरलैण्ड भी कहा जाता है। इसके सौन्दर्य की तुलना प्रायः कश्मीर घाटी से होती रही है। करीब 4000 वर्गमील क्षेत्र में फैली इस घाटी में करीब 14-15 लाख लोग रहते हैं। बर्फ से ढंके ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों और हरियाली में नहाए मैदानों वाली इस घाटी की जीवन रेखा है - स्वात नदी। जिसका उल्लेख ऋग्वेद में भी मिलता है। तब इसे 'सुवस्तु' नाम से जाना जाता था।

बामियान में तालिबानी क्रूरता

पाकिस्तान में भगवान बुद्ध फिर मुस्करा उठे हैं लेकिन अफगानिस्तान की बामियान घाटी की ऊंची पर्वतमालाओं पर 55 और 38 मीटर ऊंची बुद्ध मूर्तियों को मरहम की अपेक्षा है। तालिबान ने दस वर्ष पूर्व इन्हें ध्वस्त कर दिया था। स्वात घाटी में मूर्तियों के पुनरोद्धार के बाद बामियान में भी इन्हें पहले वाले स्वरूप के करीब लाने पर चर्चा हो रही है। बौद्ध भिक्षुओं ने आज से डेढ़ हजार साल पहले बरसों तक पत्थरों पर खुदाई कर इन प्रतिमाओं का सृजन किया था। समय के थपेड़ों को सहते हुए ये प्रतिमाएं एशियाई संस्कृति का हिस्सा बनी रहीं। सन् 2001 में बुतपरस्ती को मिटाने के नाम पर तत्कालीन अफगानी तालिबान शासन ने टैंकों, रॉकेटों और डायनामाइट से इन मूर्तियों पर लगातार दो सप्ताह तक हमले कर उन्हें ध्वस्त कर दिया। कट्टरपंथियों की इस क्रूरता ने पूरी दुनिया को दहला कर रख दिया। यूनेस्को ने अविलम्ब घटना का संज्ञान लेते हुए मूर्तियों के टुकड़ों को धार्मिक कट्टरपंथ और असहिष्णुता के खिलाफ स्मारक घोषित कर उन्हें जोखिम में पड़े सांस्कृतिक व प्राकृतिक स्मारकों की लाल सूची में शामिल किया।

तालिबान शासन के खात्मे के बाद से ही इन प्रसिद्ध मूर्तियों के पुनरूद्धार की बात चल रही है। काबुल के राष्ट्रीय संग्रहालय के प्रमुख ओमारा खान मसूदी के अनुसार पुनरूद्धार में तीन से पांच करोड़ रूपये तक खर्च हो सकते हैं। म्यूनिख विश्वविद्यालय के कला पुनरूद्धार विभाग के प्रोफेसर एरविन एम्मरलिंग का कहना है कि दोनों में से छोटी मूर्ति का पुनरूद्धार सैद्धांतिक रूप से संभव है। इसके लिए नई तकनीक का सहारा लेना पड़ेगा। मूर्तियों के पुनरूद्धार के लिए बामियान घाटी में एक विशाल वर्कशॉप बनानी होगी या मूर्ति के एक हजार से अधिक टुकड़ों को जर्मनी भेजना होगा, जहां उन्हें जोड़ा जाएगा। यह काम आसान नहीं है, क्योंकि इनमें से कुछ टुकड़े तो कई-कई टन वजनी है। हालांकि असंभव कुछ भी नहीं है।

FACILITIES - DERMATOLOGY

■ Stitch Less Hair Transplant (FUE) ■ Non Ablative Radiofrequency ■ Vampire Face Lift ■ Acne & Acne Scar Treatment ■ Anti Ageing Treatment ■ Chemical Peeling ■ Microdermabrasion ■ Laser Hair Reduction ■ Vitiligo Surgeries ■ Liposuction ■ Body Contouring ■ Ear Lobe Repair ■ Dermal Fillers ■ Botox ■ Electroporation ■ PRP

FACILITIES - DENTISTRY

■ Root Canal Treatment ■ Teeth Whitening ■ Implants ■ Gum Surgeries ■ Portable Dental X-ray ■ Straightening ■ Cleaning ■ Filling ■ Dentures ■ Extraction ■ Crowns ■ Bridges ■ Fluoride Application ■ Children Dentistry ■ Fissure Sealant ■ Invisible Braces ■ Tooth Jewellery ■ Composite Laminates ■ Porcelain Laminates ■ Dental Diet Management ■ Mouth Cancer Prevention

One Stop Solution for Skin & Dental Treatment

60 - Meera Nagar, Shobhagpura, 100 Ft. Road, Udaipur Ph.: 9352082112, 0294-2980002
Hair Transplant HELPLINE NO. 75975-12345

डॉ. कीर्ति का जीबीएच रच रहा कीर्तिमान

उदयपुर शहर को दी चिकित्सा क्षेत्र में नई पहचान

-उमेश शर्मा

सफल तो हर इंसान होना चाहता है, लेकिन इस सफलता को पाने का मंत्र सबके पास नहीं होता, जो खुद को समझते हैं, विचार करते हैं और सही समय पर सही फैसले लेते हैं वही सफल होने के हकदार होते है। कुछ ऐसा ही मानना है विश्व प्रसिद्ध कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. कीर्ति जैन का। इसी सोच को ध्यान में रखते हुए उन्होंने 12 साल पहले उदयपुर में जीबीएच हॉस्पिटल की नींव रखी।

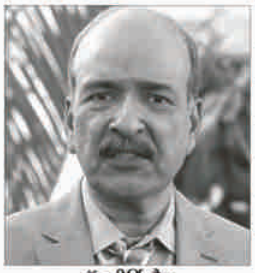
डॉ. कीर्ति जैन

डॉ. कीर्ति जैन मानते हैं कि जिनकी सोच सकारात्मक होती है उन्हें कभी पीछे मुडक़र नहीं देखता पड़ता है। शायद यही कारण है कि उन्होंने जब इस सोच के साथ मंजिल की ओर कदम बढ़ाए तो लक्ष्य नजदीक आते गए। इसका प्रमाण है हॉस्पीटल की स्थापना से लेकर अब तक करीब 11 लाख लोगों का सफल इलाज।

डॉ. कीर्ति जैन का जन्म उदयपुर जिले की गोगुंदा तहसील के मादा ग्राम में हुआ। उदयपुर में स्कूली शिक्षा के बाद पीएमटी में टॉपर रहे। एम्स दिल्ली से एमबीबीएस कर गोल्ड मेडलिस्ट बने। अमेरिका में कैंसर रोग पर पी.जी कर वहीं प्रेक्टिस प्रारंभ की। वर्ष 2006 के दौर में जब यहां के लोगों के पास सरकारी हॉस्पीटल के बाद अहमदाबाद या मुंबई ही इलाज का एकमात्र विकल्प होता था। जीबीएच की स्थापना के पीछे डॉ. कीर्ति जैन का मुख्य उद्देश्य था यहां के लोगों को एक छत के नीचे सभी तरह की बीमारी का इलाज मुहैया करवाना। इस उद्देश्य में वे काफी हद तक सफल रहे। यहां हृदय, न्यूरो रोग सहित अन्य रोगों के लिए विशेषज्ञ आधुनिक तकनीक से सफलतम इलाज कर रहे हैं। परिणाम स्वरूप यहां आने वाला हर एक मरीज और तीमारदार हॉस्पीटल की सुविधाओं से संतुष्ट है। करीब 32 हजार हृदय रोगी और 60 हजार से अधिक न्यूरो रोगियों का सफल इलाज हुआ, जो जीबीएच के लिए गौरव की बात है। इमरजेंसी में जीबीएच अमेरिकन हॉस्पीटल का नाम शुरू से ही अपनी पहचान रखता आया है। क्षेत्र में गंभीर दुर्घटना व बड़े हादसे में सबसे पहले जीबीएच अमेरिकन हॉस्पीटल का ही नाम सामने आता है। आकड़ों के मुताबिक अब तक यहां 42 देशों के करीब ढाई हजार से अधिक विदेशी पर्यटक इलाज कराने आए। इसमें वे विदेशी शामिल है जो भारत भ्रमण पर आए और बीमार हुए या किसी हादसे का शिकार हुए। जयपुर के बाद दक्षिणी राजस्थान का यह पहला और संभाग का एकमात्र कॉर्पोरेट हॉस्पीटल है, जिसे एनएबीएच की प्रमाणिता करीब छह साल पहले मिली और आज भी कायम है। यह प्रमाण पत्र हॉस्पीटल में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा, लोगों का विश्वास और सफल उपचार के चलते मिला है।

इलाज के अभाव में परिवार को खोया

यह बात कम लोग ही जानते हैं कि एक दौर ऐसा भी था कि लोग अच्छे इलाज के लिए अहमदाबाद या मुंबई की ओर रूख करते थे। यहां सुपरस्पेशलिटी का अभाव था। लोगों को समय पर इलाज नहीं मिल पाता था। उस समय खुद डॉ. कीर्ति जैन की माता गुलाबदेवी, भाई हीरालाल और पिता भंवरलाल को भी यहां इलाज नहीं मिल पाया। ऐसे में उन्होंने अपने परिवार को खो दिया। इसी टीस ने डॉ. जैन को उदयपुर में अच्छे इलाज मुहैया कराने के लिए दृढ़ संकल्पित बनाया।

संभाग का एकमात्र कॉर्पोरेट हॉस्पीटल

नेशनल एक्रीडेशन बोर्ड ऑफ हॉस्पीटल (एनएबीएच) ने निरीक्षण किया। उन्होंने यहां के साफ -सुथरे वातावरण में इलाज की सुविधा, मरीज को तत्काल मिलने वाला रेस्पोंस टाइम और ज्यादातर मरीजों के स्वस्थ होकर घर लौटने के आंकड़े के आधार पर प्रमाण पत्र जारी किया। यह प्रमाण पत्र इस हॉस्पीटल के गौरव का प्रतीक है।

तीन साल में 21 हजार कैंसर रोगियों का इलाज

डॉ. कीर्ति जैन ने शहर में जीबीएच की हॉस्पीटल की स्थापना कर मुंबई व अहमदाबाद जाने वाले मरीजों का पलायन रोका। उन्होंने जीबीएच जनरल हॉस्पीटल के साथ बेड़वास में कैंसर हॉस्पीटल की स्थापना की। जहां पिछले तीन साल में 21 हजार से अधिक कैंसर रोगियों का उपचार हुआ।

> “ डॉ. कीर्ति जैन का शुरू से सपना रहा है कि वे उदयपुर शहर के लिए कुछ ऐसा करें ताकि देश-दुनिया में इसका नाम रोशन हो। वे अमेरिका में सेवारत हैं और देश-दुनिया में प्रख्यात कैंसर रोग विशेषज्ञ के रूप में पहचान रखते हैं। यहां जीबीएच अमेरिकन हॉस्पीटल के साथ जीबीएच मेमोरियल कैंसर हॉस्पीटल की स्थापना के साथ ही अपने मार्गदर्शन में रोगियों को उचित दर पर उपचार मुहैया करा रहे हैं। यह हमारे लिए गौरव का विषय है।
>
> **डॉ. आनंद झा**, ग्रुप डायरेक्टर,
> जीबीएच अमेरिकन हॉस्पीटल ”

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

राजस्थान सरकार

वसुन्धरा राजे
मुख्यमंत्री, राजस्थान

स्कूल का सफ़र अब हुआ आसान

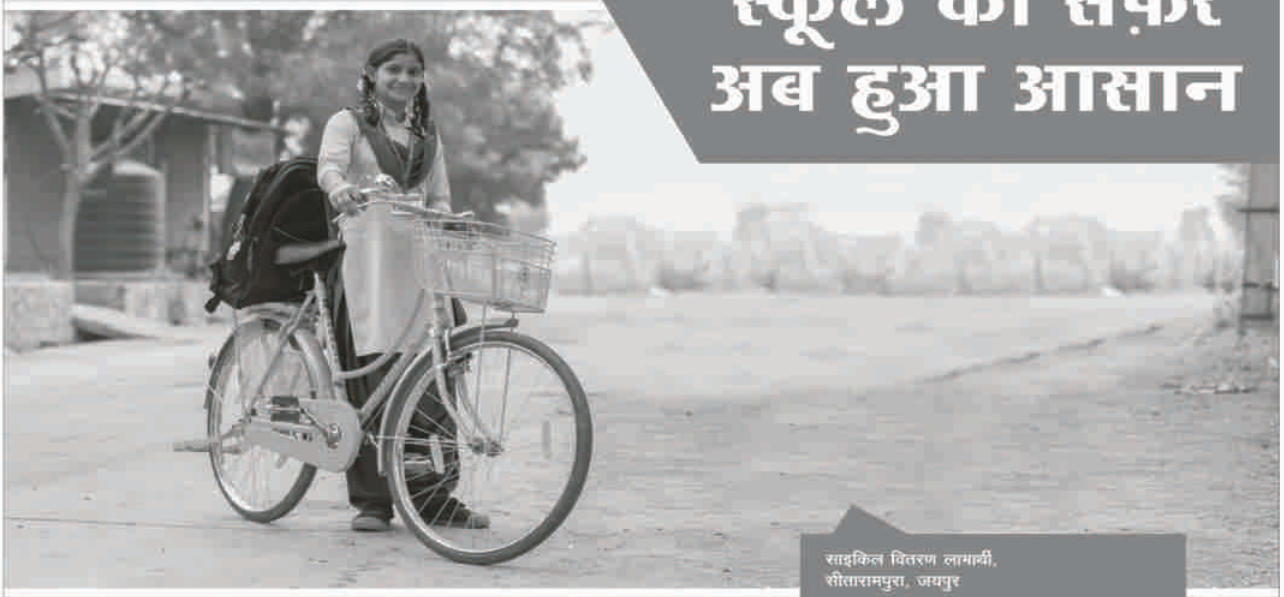

साइकिल वितरण लाभार्थी,
सीतारामपुरा, जयपुर

मेरा स्कूल घर से 2 किलोमीटर दूर है। पहले मुझे पैदल स्कूल जाना पड़ता था। मैं थक जाती थी और लेट भी हो जाती थी। अब सरकार ने मुझे साइकिल दे दी है। साइकिल से मैं रोज टाइम से स्कूल चली जाती हूँ और कोई थकान भी नहीं होती। साइकिल नहीं मिलती तो शायद मेरी पढ़ाई बीच में ही छूट जाती। मैं मुख्यमंत्री वसुन्धरा मैडम को इसके लिए धन्यवाद देती हूँ।

12 लाख छात्राओं को साइकिलें

15,400 से अधिक छात्राओं को स्कूटी

50,000 छात्राओं को ट्रांसपोर्टेशन वाउचर

200 कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालयों से 20,000 से अधिक छात्राओं को लाभ

184 शारदे गर्ल्स होस्टल, 13,000 से ज़्यादा छात्राओं के रहने और पढ़ने की सुविधा

योजना	शैक्षणिक योग्यता
साइकिल वितरण योजना	सभी राजकीय विद्यालयों एवं विवेकानंद मॉडल स्कूल में 9वीं कक्षा में प्रवेश पर
मेधावी छात्रा स्कूटी योजना–2015	माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान की 12वीं कक्षा में 75% या उससे अधिक अंक
देवनारायण छात्रा स्कूटी वितरण योजना	माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान या केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 12वीं कक्षा में 50% या उससे अधिक अंक
जनजाति छात्राओं को स्कूटी	माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान या केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 10वीं या 12वीं कक्षा में पहली बार में 65% या उससे अधिक अंक
आर्थिक पिछड़ा सामान्य वर्ग की मेधावी छात्राओं के लिए स्कूटी वितरण योजना	माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान की 10वीं एवं 12वीं कक्षा में 85% से अधिक अंक

आपकी सरकार, आपके साथ

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

जावर का जलकुण्ड - एक भूमिस्थ मंदिर

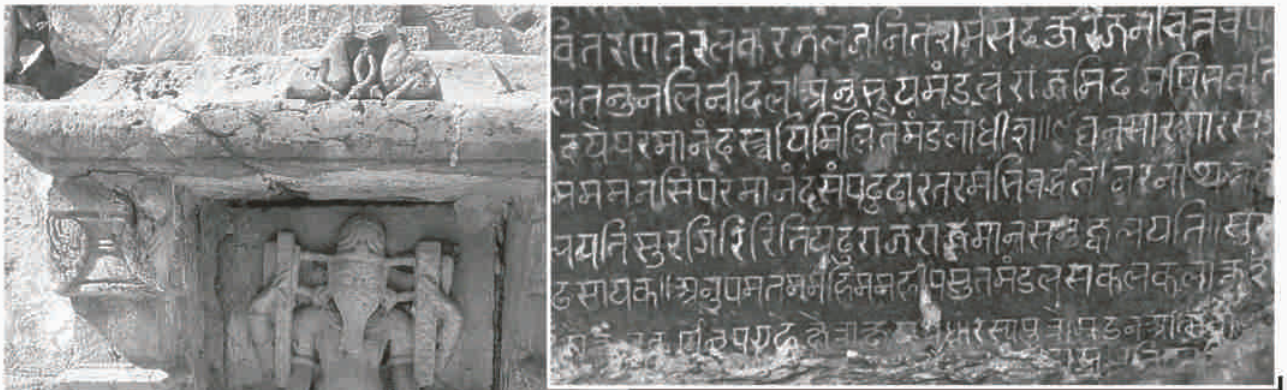

एक देव प्रकोष्ठ में स्थानक विश्वकर्मा/राजवल्लभ में आए मंगल श्लोक के रूपांकन (इनसेट) जावर की प्रशस्ति जिसका आखिरी श्लोक है 'कुंभकर्णनृपगृहे क्षेताक्ष पुत्रो मंडल आत्मवान'

जहां कदम-कदम पर रोमांच जागता और लगता है कि यह धरती हमसे संवाद कर रही है, हमसे उसकी जुबान बहुत कुछ कहना चाहती है। ऐसी जमीं है जावर। जवानियों ने जहां जिद, जुनून और जज़्बा दिखाया तो धरती को खोदकर गहने वाले धातु को खोज निकाला। आज सुनसान सा दिखाई देने वाला राजस्थान के उदयपुर जिले का जावर मध्यकाल में लोगों की आवाजाही से निश्चय ही धनी रहा होगा। इसका प्रमाण देते हैं - वहां निर्मित जलाशय। यहां टीडी नदी बहती है जो अरावली की पहाड़ियों में कुछ इस तरह प्रवाह लिए है कि जहां-जहां खड्ढ-गड्ढ हैं, उसके तले में अपनी धारा को पहुंचा ही देती है। इस नदी पर सबसे पहले बांध बनाने का प्रयास किसने किया? मालूम नहीं, मगर क्षत्रपों ने ही यह कार्य किया होगा क्योंकि जावर सहित निकट के नठारा पाल नामक गांव से क्षत्रपों के सिक्के मिले हैं। क्षत्रपों को जलाशयों के निर्माण सहित उनके जीर्णोद्धार में बड़ी रुचि रही है। आज यहां पुराने टूटे बांध के अवशेष दिखाई देते हैं, मगर वह था बहुत पुराना।

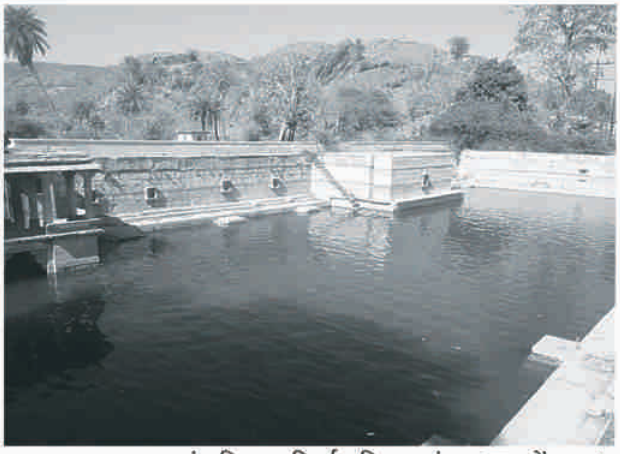

जावर का रमानाथ कुंड जिसका निर्माण विक्रम संवत् 1554 में हुआ।

ऐसा ही एक जलस्रोत यहां कुंड के रूप में रहा है, जो स्थापत्य का भी नायाब नमूना है जिसका मध्यकाल में प्रचार रहा। जिस सूत्रधार मंडन (1458 ई.) ने 'राजवल्लभ वास्तुशास्त्र' में कुंड बनाने की विधि का उल्लेख किया, उसी के अनुरूप उसके पुत्र सूत्रधार ईश्वर ने इस कुंड का निर्माण करवाया। महाराणा कुंभा की पुत्री रमाबाई के लिए यहां दामोदरराय जी का मंदिर भी बनवाया गया जो इस क्षेत्र का पंचायतन वैष्णव मंदिर है। इसके सामने ही यह कुंड है। देखते ही आंखें फटी की फटी रह गई। मैं कई सीढ़ियां नीचे उतरकर जलोत्थान के लिए उपयोगी रहे मांड से लेकर पूरे कुंड की परिक्रमा कर आया।

कुंड की रचना कुछ इस तरह की गई कि उत्तर को छोड़कर दक्षिण और पश्चिम से नीचे उतरा जा सकता है। इसकी दीवारों में देव प्रकोष्ठ वैसे ही बनाए गए हैं कि यह 'द्वारावती' या 'वाराणसी' दिखाई दे। द्वारावती (द्वारका) या वाराणसी (बनारस) का मतलब है भूमिस्थ मंदिर रूप जल प्रासाद। गुजरात में पाटन स्थित रानी की बावड़ी बनी भी इसी तर्ज पर निर्मित है। बारहवीं सदी से लेकर सत्रहवीं सदी तक पश्चिमी भारत में यह स्थापत्य स्पष्ट दिखाई देता है। जलस्रोतों को देवालय समान बनाया गया। हालांकि इससे कुछ पूर्व भी चांद बावड़ी जैसी विशालकाय वापिकाओं के निर्माण में यह परंपरा रही। विशेषकर कुंडों को 'पवित्रवारिपूरणम्' के साथ-साथ वैष्णवधाम का रूप दिया गया और वास्तुपद की रचना के अनुसार उसमें यथास्थान दिक्पाल, जलादि के देव, विष्णु के अवतार और उनकी लीलाओं के प्रसंग वाले पट्टों को भी जड़ा गया ताकि स्नान करने वाले को वहीं पर देवदर्शन और स्मरण का लाभ भी मिल जाए। जावर के इस कुंड की चारों ही भित्तियों में देव प्रकोष्ठ हैं और उनमें विष्णु के अवतारों सहित, विश्वकर्मा, ब्रह्मा, वराह, नरसिंह, गरुड़ आदि की मूर्तियां हैं। इसमें जड़े हुए पत्थरों पर शिल्पियों के नाम भी उकेरे गए हैं। जिनमें सूत्रधार ईश्वर के नेतृत्व में काम करने वाले तेजा, फेला, फणा, नातू पुत्र जना आदि के नाम मिले हैं। हालांकि इस काल के पचास से अधिक शिल्पियों के

नाम मैंने राजवल्लभ की भूमिका (हिंदी व अंग्रेजी अनुवाद, परिमल पब्लिकेशंस, दिल्ली, 2005 व 2014 ई.) में लिखे हैं किंतु कुछ और नाम मिले तो लगा कि इनमें शिल्पियों के पुत्र, पौत्र भी हो सकते हैं, जिन लोगों के पास इन शिल्पियों की वंशावली हो, वे तो कम से कम पांच सौ साल पहले के पूर्वजों को पहचान ही सकते हैं। इस कुंड की प्रतिष्ठा चैत्र शुक्ला सप्तमी, विक्रम संवत् 1554 को हुई थी। गुहिलवंश की बेटी, जूनागढ़ की रानी रमाबाई ने भव्य प्रतिष्ठा उत्सव में आए पंडितों को सुवर्ण के दुकूलों का वितरण किया था। इसके 519 बरस बाद जब मैं इसे देख रहा था, तब मुझे क्या मिला। आम के पेड़ से केरियां तोड़ रहे बच्चों के हाथों से दो केरियां ...। अनुज नटवर चौहान का को धन्यवाद देना नहीं भूल सकता जिन्होंने जावर की मूषाओं के साथ-साथ इस कुंड के दर्शन भी करवाए।

– डॉ. श्रीकृष्ण 'जुगनू'

पाठकपीठ

यादगार 'अटल' अंक

सबसे करिश्माई और लोकप्रिय नेता अटल बिहारी वाजपेयी को समर्पित प्रत्यूष का सितंबर-18 का अंक यादगार रहा। अटल जी के जीवन की रोचक जानकारियां इतनी पठनीय थीं कि उन्हें सहेजना ही पड़ा।

विरोधाभासों में भी सामंजस्य बिठा लेने की क्षमता रखने वाले 'अजातशत्रु' को देश युगों-युगों तक याद रखेगा।

डॉ. एल.एस झाला, चिकित्सक

अमानवीय घटनाओं पर अंकुश जरूरी

बालिका गृह में बच्चियों से यौन शोषण के मामले हों या हीरो बनती भीड़ द्वारा किसी की पीट-पीटकर हत्या, ये घटनाएं हमें सोचने पर विवश करती हैं कि अमानवीय घटनाएं समाज में क्यों बढ़ती जा रही हैं। ये समाज को निरंतर खोखला कर रही है। ऐसे में समय रहते अंकुश लगाया जाना आवश्यक है।

दिनेश जैन, उद्यमी

प्रकृति पर संकट की घंटी

जलवायु परिवर्तन और वनों की कटाई प्रकृति पर संकट के संकेत हैं। केरल पर पड़े कुदरत के कहर ने इस बात पर मुहर भी लगा दी है। इससे पहले भी प्रकृति हमें कई बार सावचेत कर चुकी है। हमने इन सब चीजों से सबक नहीं लिया तो खामियाजा केरल त्रासदी के रूप में कल सबको भुगतना होगा।

सुभाष सिंह राणावत, व्यवसायी

परिवार की प्रिय 'प्रत्यूष'

पत्रिका के माध्यम से 'प्रत्यूष' सामाजिक सरोकार में भी आगे है। शहर में शायद ही कोई ऐसा हो जो इसके नाम से वाकिफ न हो। खुशी हो या गम इसकी भूमिका हर जगह समान रूप से रहती है। यह हमारी पारिवारिक पत्रिका है। इसमें सभी तरह की जानकारियां मिलती हैं जो हमें इससे जोड़े रखती है।

लालाराम गुर्जर, व्यवसायी

शुभ और सुंदर जीवन की दात्री

शक्ति रूपा मां जगदम्बा

भगवती के नवरूपों की शक्ति से ही संपूर्ण संसार संचालित हो रहा है। मां दुर्गा देवी की कृपा हेतु नियमित रूप से नौ दिनों तक 'नवार्ण मंत्रों' द्वारा वंदना करनी चाहिए। नवरात्रि में नौ कन्याओं का पूजन कर उन्हें श्रद्धा विश्वास के साथ सामर्थ्यानुसार भोजन व दक्षिणा देना अत्यन्त शुभ व श्रेष्ठ माना गया है।

– पीयूष शर्मा

सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड, सूर्य, ग्रह, नक्षत्र, जल, अग्नि, वायु, आकाश, पृथ्वी, पेड़-पौधे, पर्वत, सागर, पशु-पक्षी, देव, दनुज, मनुज, नाग, किन्नर, गंधर्व, सदैव प्राण शक्ति व रक्षा शक्ति की इच्छा से चलायमान हैं। मानव सभ्यता का उदय भी शक्ति की इच्छा से हुआ। उसे कहीं न कहीं प्राण व रक्षा शक्ति के अस्तित्व का एहसास होता रहा है। जब महिषासुर आदि दैत्यों के अत्याचार से भू एवं देवलोक व्याकुल हो उठे तो परमपिता परमेश्वर ने आदि शक्ति मां जगदम्बा को विश्व कल्याण के लिए प्रेरित किया। जिन्होंने महिषासुर आदि दैत्यों का वध कर भू एवं देवलोक में पुनः प्राण शक्ति व रक्षा शक्ति का संचार किया। बिना शक्ति की इच्छा एक कण भी नहीं हिल सकता। त्रैलोक्य दृष्टा शिव भी 'इ' की मात्रा अर्थात् शक्ति के हटते ही मुर्दा बन जाते हैं। अर्थात् देवी भागवत, सूर्य पुराण, शिव पुराण, भागवत पुराण, मार्कण्डेय आदि पुराणों में शिव व शक्ति की कल्याणकारी कथाओं का अद्वितीय वर्णन है। शक्ति की परम कृपा प्राप्त करने हेतु सम्पूर्ण भारत में नवरात्रि पर्व वर्ष में दो बार चैत्र शुक्ल प्रतिपदा तथा अश्विन शुक्ल प्रतिपदा को श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। जिसे ग्रीष्म नवरात्रि और शारदीय नवरात्रि के नाम से जाना जाता है। शारदीय नवरात्रि में खरीफ व ग्रीष्म में रबी की नई फसल तैयार हो जाती है। इन फसलों के रखरखाव व कीट पतंगों से रक्षा के लिए घर, परिवार व जीवन को सुखी-समृद्ध बनाने तथा भयंकर कष्टों, दुःख-दरिद्रता से छुटकारा पाने हेतु लोग नौ दिनों तक विशेष सफाई तथा पवित्रता के साथ नौ देवियों की आराधना करते हुए हवन, यज्ञ आदि क्रियाएं करते हैं। यज्ञ क्रियाओं द्वारा पर्यावरण शुद्ध होता है, जो धन-धान्य से परिपूर्ण करता है तथा अनेक प्रकार की संक्रमित बीमारियों का अंत भी। भगवान श्रीराम ने भी आदि शक्ति जगदम्बा की आराधना नवरात्रि पर्व में कर भगवती की अद्वितीय कृपा से अत्याचारी रावण का वध किया था। मां 'दुर्गा' की पूजा व साधना का श्रेष्ठ आधार 'दुर्गा सप्तशती' है। जिसके सात सौ श्लोकों में मां की अर्चना एवं वंदना है। नवरात्रि में श्रद्धा एवं विश्वास के साथ इसका पारायण शुद्धता व पवित्रता से नियमित किया जाए तो निश्चित रूप से मां प्रसन्न हो इष्ट फल प्रदान करती हैं। नवरात्रि में भगवती जगदम्बा जो विश्व की प्राण, आत्मा व रक्षा शक्ति हैं, उनकी स्थापना एवं पूजा विधि-विधान के साथ प्रत्येक व्यक्ति को करनी चाहिए। पूजा में पवित्रता, नियम व संयम तथा ब्रह्मचर्य का विशिष्ट महत्व है। इस पूजा के समय घर व देवालय को तोरण व विविध प्रकार के मांगलिक पत्र, पुष्पों से सजा सुन्दर सर्वतोभद्र मण्डल, स्वस्तिक नवग्रह, ओमकार आदि की स्थापना शास्त्रोक्त विधि से कर समस्त देवी-देवताओं का आह्वान मंत्रोच्चार से कर षोडशोपचार पूजा करनी चाहिए। पूजा के समय ज्योति जो साक्षात्कार शक्ति का प्रतिरूप है, उसे अखंड ज्योति के रूप में शुद्ध देशी घी से ही प्रज्ज्वलित करना चाहिए। इस अखण्ड ज्योति को सर्वतोभद्र मण्डल के अग्नि कोण में स्थापित करना चाहिए। ज्योति द्वारा ही प्रत्येक जीवन को प्राण शक्ति प्राप्त होती है, इस ज्योति से ही आर्थिक समृद्धि के द्वार खुलते हैं।

अंधकार, दुःख, भय में खोए हुए व्यक्ति को ज्योति शक्ति के रूप में सदैव सहायता करती हैं। ज्योति शब्द का अर्थ प्रकाश या रोशनी से है जिसके बिना जीवन का संचालन असंभव ही नहीं बल्कि नामुमकिन भी है। इसलिए नवरात्रि में अखंड ज्योति का विशेष महत्व है, जो जीवन के हर रास्ते को सुखद प्रकाशमय बना जाती है। इसलिए जहां तक संभव हो अखंड ज्योति का प्रज्ज्वलन विधिवत संकल्प के साथ होना चाहिए। जिसके प्रत्यक्ष प्रभाव से सारी विघ्न-बाधाएं, कष्ट-परेशानियां, बीमारियां इत्यादि समाप्त हो जाती हैं।

नवरात्रि में व्रत का विधान भी है जिसमें पहले, अंतिम और पूरे नौ दिनों तक का व्रत रखा जा सकता है। इस पर्व में सभी स्वस्थ व्यक्तियों को सामर्थ्य व श्रद्धा के अनुसार व्रत रखना चाहिए। किन्तु जो बीमार व रोगी हों उन्हें व्रत रखना जरूरी नहीं है। किन्तु मां भगवती का गुणगान कर या करवा, सुन या सुनाकर रोग व पीड़ाओं से मुक्त हो सकते हैं। व्रत में शुद्ध शाकाहारी व्यंजनों का ही प्रयोग करना चाहिए। व्रती व्यक्तियों को प्याज, लहसुन आदि तामसिक व मांसाहारी पदार्थों का उपयोग नहीं करना चाहिए। व्रत में फलाहार अति उत्तम तथा श्रेष्ठ माना गया है। इस प्रकार मां आदि शक्ति जगदम्बा अपनी इच्छा से नवग्रहों, नौ अंकों सहित समस्त ब्रह्माण्ड की दृश्य व अदृश्य वस्तुओं, विद्याओं

व कलाओं को शक्ति प्रदान कर संचालित कर रही है। भगवती के नवरूपों की शक्ति से ही संपूर्ण संसार संचालित हो रहा है। मां दुर्गा देवी की कृपा हेतु नियमित रूप से नौ दिनों तक 'नवार्ण मंत्रों' द्वारा वंदना करनी चाहिए। नवरात्रि में नौ कन्याओं का पूजन कर उन्हें श्रद्धा विश्वास के साथ सामर्थ्यानुसार भोजन व दक्षिणा देना अत्यन्त शुभ व श्रेष्ठ माना गया है। इस कलिकाल में सर्व बाधाओं, विघ्नों से मुक्त हो सुखद जीवन के पथ पर अग्रसर होने का सबसे सरल उपाय शक्ति रूपा जगदम्बा का नवरात्रि में विधि-विधान द्वारा पूजा-अर्चना ही एक साधन है। जो मानव जीवन को भयंकर कष्टों रोगों, शोकों, दरिद्रता से उबार प्रसन्नता की नई ज्योति के साथ मनवांछित फलों की दात्री है।

नवरात्रा में फलाहार

10 अक्टूबर से नवरात्र शुरू होंगे। मां जगदम्बा के बहुत से भक्त इन नौ दिनों व्रत रखते हैं। व्रत के दौरान फलाहार लेते हैं। इसीलिए इस बार आपके लिए व्रत में खाए जाने वाले पौष्टिक फलाहार व्यंजनों की रैसिपी लेकर आई हैं – प्रेमलता नागदा यह ऐसी रेसिपी है जो पौष्टिक होने के साथ-साथ बहुत स्वादिष्ट भी है।

नारियल की खीर

सामग्री : एक कच्चा नारियल, 1 लीटर दूध, 6-7 काजू, 10-12 किशमिश, 1 कप चीनी, आधा चम्मच इलायची पाउडर, 6-7 बादाम।

विधि : एक भारी तले के बर्तन में दूध को उबालने रख दें। नारियल के ऊपर की ब्राउन परत को चाकू से खुरच लें और नारियल को कद्दूकस कर लें। दूध में उबाल

आने पर कद्दूकस किया हुआ नारियल दूध में डाल दें और दूध में फिर से उबाल आने तक इसे चमचे से चलाते रहें। दूध में फिर से उबाल आने के बाद आग मध्यम करके खीर को धीरे-धीरे पकने दें। प्रत्येक 2 से 3 मिनट में इसे चलाते रहें। इसी दौरान मेवे काटकर तैयार कर लें। काजू को छोटे टुकड़ों और बादाम को लंबा बारीक कतर लें। छोटी इलायची को कूटकर पाउडर बना लें। खीर के गाढ़ा होने पर कटे हुए मेवे इसमें डाल दें। कतरे हुए बादाम खीर की गार्निशिंग के लिए बचा लें। किशमिश भी डाल कर मिला दें। खीर को गाढ़ा होने तक मध्यम आग पर पका लें। थोड़ी-थोड़ी देर में चलाते रहें ताकि खीर तले से लग कर जले नहीं, जब नारियल और दूध एकसार हो जाएं तो मान लें कि खीर बन चुकी है। गैस बन्द कर दें। खीर में चीनी और इलाइची डाल कर मिला दें।

सिंघाड़ा पैन केक

सामग्री : सिंघाड़े का आटा 1 कप, स्वादानुसार सेंधा नमक, 1 छोटा चम्मच जीरा, आधा छोटा चम्मच काली मिर्च पाउडर, आधा छोटा चम्मच नींबू का रस, बारीक

कटी हुई हरी मिर्च आधा छोटा चम्मच, आधा छोटा चम्मच अदरक का पेस्ट, रिफाइंड ऑयल 1 छोटा चम्मच।

विधि : सिंघाड़े के आटे में आवश्यकतानुसार पानी मिलाकर पतला घोल बना लें। अब इसमें शेष सभी सामग्री मिला लें। चिकनाई लगी पैन केक ट्रे के सांचे में घोल डालकर मंदी आंच पर दोनों तरफ से अच्छी तरह सेकें। अब पैन केक को कोकोनट चटनी के साथ परोसें।

बादाम-कुट्टू पकौड़े

सामग्री : बादाम गिरी 1 कप, कुट्टू का आटा आधा कप, बारीक कटी हरी मिर्च 1 छोटा चम्मच, 1 बड़ा चम्मच बारीक कटा हुआ धनिया , 3-4 कुटी काली मिर्च, तीन चौथाई छोटा चम्मच सेंधा नमक, 1 छोटा चम्मच नींबू का रस, 2 छोटे चम्मच घी तलने के लिए।

विधि : घी और बादाम गिरी छोड़कर बाकी सारी सामग्री मिला लें। थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए गाढ़ा घोल तैयार करें। अब पैन में घी गर्म करें। अच्छी तरह गर्म होने के बाद आंच धीमी करें। बादाम गिरियों को कुट्टू के आटे के घोल में डालें। चम्मच की सहायता से एक-एक बादाम घी में डालती जाएं। सुनहरी होने तक तलें। हरी चटनी के साथ सर्व करें।

आलू झोल

सामग्री : चार उबले हुए आलू, आधा छोटा चम्मच बारीक कटी हुई हरी मिर्च, एक बड़ा चम्मच कटा हरा धनिया, घी एक बड़ा चम्मच, सेंधा नमक स्वादानुसार, आधा छोटा चम्मच दरदरी काली मिर्च, एक चौथाई चम्मच गर्म मसाला, एक छोटा चम्मच नींबू का रस।

विधि : आलुओं को छीलकर छोटे टुकड़ों में फोड़ लें। प्रेशर कुकर में घी गर्म करके जीरा, अदरक और हरी मिर्च डालें। जीरा तड़कने पर आलू, सेंधा नमक और काली मिर्च डालकर भूनें। आवश्यकतानुसार पानी मिलाकर कुकर बंद कर दें। सीटी आने पर आंच से उतार लें। जब प्रेशर पूरी तरह से निकल जाए, तभी कुकर खोलें। इसके बाद गर्म मसाला, नींबू का रस और हरा धनिया डालकर आलू झोल गर्मा-गर्म परोसें।

हिंदी सेवी : बाबू भगवती प्रसाद

-विष्णु शर्मा हितैषी

आज हम एक ऐसे व्यक्तित्व को याद कर रहे हैं, जिसने हिन्दी के प्रचार-प्रसार और उसके साहित्य भण्डार को समृद्ध बनाने में सम्पूर्ण जीवन लगाया। जब-जब हिन्दी और उसके साहित्य व लेखकों की उपेक्षा हुई तब-तब इस व्यक्ति की कलम ने तेवर दिखाए और अंग्रेजी को विघटनकारियों की भाषा कहते हुए पुरजोर विरोध किया। हम बात कर रहे हैं - साहित्य मण्डल, नाथद्वारा के संस्थापक और हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग के पूर्व सभापति स्व. बाबू भगवती प्रसाद जी देवपुरा की। वे जब तक जिए प्रतिवर्ष 14 सितम्बर को 'अंग्रेजी हटाओ' पुस्तिका का प्रकाशन करते रहे। साहित्य मंडल की त्रैमासिक पत्रिका 'हरसिंगार' आज भी हिन्दी, संस्कृत और ब्रजभाषा के विद्वतापूर्ण आलेखों से महिमा मण्डित है। हिन्दी के प्रचार-प्रसार, हिन्दी, संस्कृत और ब्रजभाषा के विद्वानों-सम्पादकों एवं इस दिशा में लगातार सक्रिय महानुभावों के सम्मान तथा साहित्य-मण्डल की शिक्षा, प्रकाशन, रंगमंच की समृद्ध विरासत को बाबूजी के न रहने पर उनके पुत्र श्याम जी देवपुरा, स्वजन और मित्र निरन्तर आगे बढ़ा रहे हैं। भगवती प्रसाद देवपुरा का जन्म राजस्थान के भीलवाड़ा जिले के जहाजपुर में लक्ष्मीचन्द देवपुरा-रतनकुंवर माहेश्वरी के घर 13 अक्टूबर 1927 को हुआ। एमए बी.एड., साहित्य रत्न की शिक्षा प्राप्त देवपुरा जी ने शिक्षा विभाग में सेवाएं शुरू की और 1982 में शिक्षा प्रसार अधिकारी पद से सेवानिवृत्त हुए। इससे पूर्व 1937 में नाथद्वारा में साहित्य-मण्डल और 1941 में सत्येश पुस्तक भण्डार की स्थापना की। सरकारी सेवा के दौरान और उसके बाद भी शताधिक आलेख देश की नामचीन पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होते रहे।

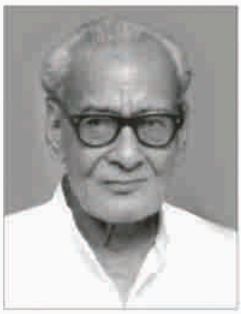

साहित्यिक अवदान

लेखन : दैनिक समाचार पत्रों और पत्र-पत्रिकाओं में शताधिक लेखों का प्रकाशन।

प्रकाशित कृतियाँ : श्रीनाथद्वारा दर्शन, सुदर्शन कवच(सटीक), प्रभातिया संग्रह, मुन्ने का कोट, अन्तिम उत्तर, दहेज का दानव, उपकार कबूतर का, अंग्रेजी हटाओ आन्दोलन, साँप का बदला, सुख की घड़ियाँ, बलिदान, पुरस्कार, साहब की कृतज्ञता, ग्लानि और त्याग, मौनी बाबा की करतूत।

ग्रंथ सम्पादन : अब तक 30 विशिष्ट ग्रंथों का सम्पादन - प्रकाशन जिनमें हैं - अष्टछाप स्मृति ग्रंथ, गुसाईं विट्ठलनाथ स्मृति ग्रंथ, पाटोत्सव स्मृति ग्रंथ, गो. हरिराय स्मृति ग्रंथ, गो. गोकुलनाथ स्मृति ग्रंथ, श्रीनाथजी अंक, हीरक जयन्ती ग्रंथ, हीरक जयन्ती परिशिष्टांक, अंग्रेजी हटाओ आन्दोलन(ग्रंथ), कवि कुम्भनदास अंक, महाकवि ब्रजकोकिल नन्ददास, विश्वकवि गोस्वामी तुलसीदास, कोकिलकण्ठी कवि और कीर्तनकार छीतस्वामी, गुरु गोविन्द के अनन्य उपासक गोविन्ददास, गुरु गोविन्द के चरण चंचरीक चतुर्भुजदास, अष्टछाप के कलित कवि एवं कीर्तनकार अधिकारी श्रीकृष्णदास, अष्टछापीय भक्ति, काव्य और संगीत के रससोत महाकवि श्री परमानन्ददास, पुष्टिमार्ग के जहाज-महाकवि श्रीसूरदास, कमनीय कवि और कलित कीर्तनकार-श्रीकुम्भनदास।

टीका एवं सम्पादन : ब्रज, ब्रजभाषा और ब्रजराज के अप्रतिम उपासक महाकवि सूरदास प्रणीत सटीक सूरसागर(बृहदाकार दो खण्ड)।

पत्रिका सम्पादन :

1. त्रैमासिक 'हरसिंगार' साहित्यिक पत्रिका : साहित्य-मण्डल, श्रीनाथद्वारा
2. विद्यालय पत्रिका : गो. रा. उ. मा. विद्यालय, श्रीनाथद्वारा

सेवानिवृत्ति के बाद तो उनका पूरा समय समाज सेवा, साहित्य सृजन और साहित्यकारों के सम्मान में ही व्यतीत हुआ। उनके इस कार्य में उनकी सहधर्मिणी श्रीमती लक्ष्मी देवी का उन्हें पग-पग पर सहयोग व सम्बल मिला। वे अच्छे परिवार और अच्छे मित्रों के संयोग के लिए प्रभु श्रीनाथजी को बारम्बार धन्यवाद देते थे। उन्हें हिन्दी साहित्य की दीर्घावधि सेवाओं के लिए देश की जानी-मानी साहित्यिक संस्थाओं ने पुरस्कृत-सम्मानित किया। देवपुरा जी 14 जनवरी 2014 को श्रीनाथजी की शरण में लीलालीन हो गए।

तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से राजस्थान साहित्य अकादमी का 'अमृत सम्मान-2012' ग्रहण करते हुए देवपुरा।

विशेष सम्मान

महाकवि सूरदास साहित्य सम्मान, मेघश्याम स्मृति सम्मान, ब्रज विभूति सम्मान, तुलसी पुरस्कार, राष्ट्रभाषा शिरोमणि, हिन्दी रत्न, ब्रजवाचस्पति, जगन्नाथ स्मृति राजभाषा सम्मान, राजभाषा मनीषी, राष्ट्रभाषा गौरव सम्मान, शांतिराज हिन्दी प्रण अलंकरण, साहित्य भूषण सम्मान, अ.भा. हिन्दी साहित्य सम्मेलन-शिखर सम्मान-2008, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग-अभिसंस्तवन सम्मान, बाबू गुलाब राय सम्मान, पुष्टिमार्गीय वैष्णव परिषद्, नाथद्वारा-नागरिक अभिनंदन, संत भक्त मीरा सारस्वत सम्मान-2011, स्वामी प्रज्ञानंद प्रज्ञापीठ सम्मान-2011, राजस्थान साहित्य अकादमी-अमृत सम्मान -2012

PIMS

Celebrating 2 years of Plastic Surgery services

Chin Surgery

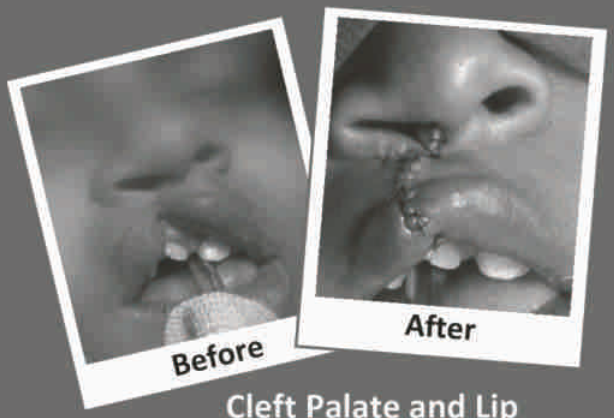

Cleft Palate and Lip

Ear Reconstruction

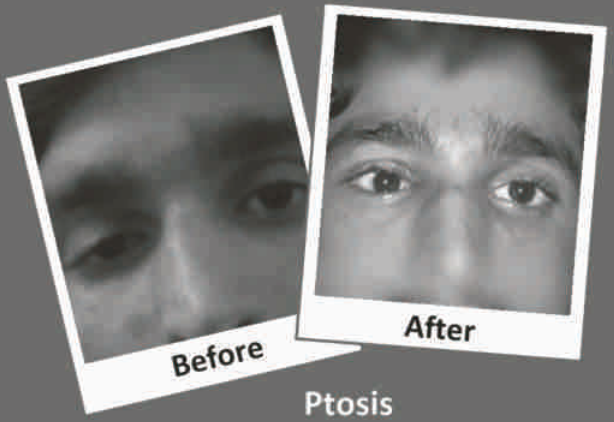

Ptosis

Rhinoplasty

Syndactylae

0294-3010000 +91-86964 40666
Ambua Road, Village - Umarda Udaipur (Raj.)

PACIFIC INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES PIMS

आंखों के इशारे पर लिख दी किताब

इंग्लैंड में 12 साल का एक बच्चा है जोनाथन ब्रायन। जन्म से ही सेरेब्रल पाल्सी बीमारी से पीड़ित है। बोल और चल पाने में असमर्थ है। हर समय व्हीलचेयर पर रहता है। शरीर को हिला भी नहीं पाता है। इसके बावजूद उसने आंखों के इशारों में ' आई कैन राइट नाम की किताब लिख दी। इस असंभव काम को संभव बनाने में उसके माता-पिता ने कभी हार नहीं मानी। ब्रायन के माता-पिता पहले उससे इशारों में ही बात करते थे। शिक्षकों का कहना है था उसे पढ़ाना काफी कठिन काम है। उसकी मां चैंटन ब्रायन उसे रोजाना स्कूल ले जातीं और उसे पढ़ाने की कोशिश करतीं। 9 साल की उम्र में जोनाथन कुछ शब्दों का उच्चारण करना सीख गया। इसके बाद ई-ट्रेन फ्रेम की मदद से वह लोगों से बात करने लगा। ई-ट्रेन फ्रेम कलर कोडिंग सिस्टम वाला चौकोर पारदर्शी प्लास्टिक बोर्ड होता है। शरीर से लाचार व्यक्ति इस पर बने चित्रों या शब्दों से आंखों के इशारे से बताता है। इसी तरह वे पूछे गए सवालों के जवाब दे सकते हैं।

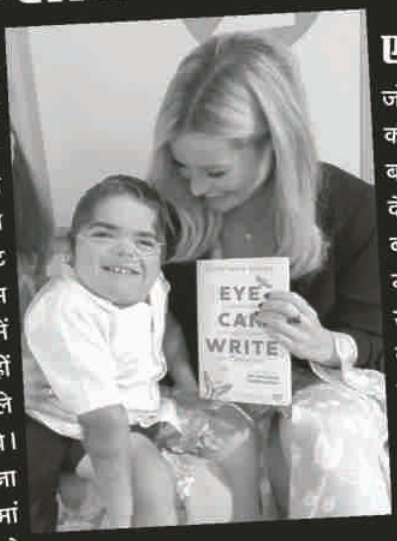

एक साल की मेहनत लाई रंग

जोनाथन की मां ने बताया कि हम उसकी आंखों की तरफ देखते, वह आंखों के इशारों से जो बताता उसे लिख लिया जाता। सीखने के दौरान उसने ईश्वर में अपने विश्वास की बात बताई, जो उसके जीवन का अहम हिस्सा थी। मां ने बताया कि यह किताब लिखने में एक साल का वक्त लगा। किताब न केवल जीवटता की नजीर है बल्कि ये सिखाती है कि विषम परिस्थितियों में भी व्यक्ति अगर जीवन की आस न छोड़े तो वह सफलता हासिल कर सकता है। इसी मूल भाव को प्रसारित करने वाली है ये किताब। खास बात ये है कि इसकी ब्रिक्री से मिलने वाली रकम का इस्तेमाल ई-ट्रेन फ्रेम एजुकेशन सिस्टम को बढ़ावा देने में किया जाएगा।

भगवान के हाथों में टिका गोल्ड ब्रिज

दुनिया में एक से बढ़कर एक चीजें हैं, जिनको देखकर दिल को काफी सुकून मिलता है। उनमें से एक है मध्य वियतमान के द नांग में बने काउवांग का गोल्ड ब्रिज। पिछले महीने इसका उद्घाटन हुआ तब चर्चा में आया। इस पुल को नीचे से दो बड़े हाथ थामे हुए हैं। मानो ये पुल भगवान के हाथों पर टिका है। इस पर चलने पर ऐसा लगता है कि जैसे भगवान ने हमें अपने कोमल हाथों पर संभाला हुआ है। समुद्र तल से करीब 1400 मीटर ऊपर ये पुल 150 मीटर लंबा और पहाड़ व जंगलों को जोड़ता है। खूबसूरत वादियों में इसका नजारा पर्यटकों को अपनी ओर ज्यादा आकर्षित करता है। सोशल मीडिया पर इस पुल की तस्वीरें शेयर होने पर खुद इस पुल को बनाने वाले आर्किटेक्ट को विश्वास नहीं हुआ। टीए लैंडस्केप आर्किटेक्चर के फाउंडर और प्रिंसिपल डिजाइनर वू वियत आन्ह ने न्यूज एजेंसी एएफपी से कहा कि 'हमें गर्व है कि हमारी डिजाइन दुनिया भर में मशहूर हो रही है और लोग इसे शेयर कर रहे हैं।'

सबसे खूबसूरत बच्ची!

खूबसूरत नीली आंखें। कॉम्पलेक्शन और घुंघराले बाल। एक दम डॉल जैसी नजर आती पांच साल की नाइजीरियाई बच्ची को जिस किसी ने देखा उसकी आंखें इसी पर टिक गईं। बच्ची का नाम है जेर येलेना। इस खूबसूरत बच्ची के कुछ फोटो फोटोग्राफर मोफ बामूयीवा ने पिछले दिनों इंस्टाग्राम और ट्विटर पर शेयर किए। इसके बाद इसने पूरी दुनिया में फेमस होकर सबका दिल जीत लिया। सोशल मीडिया पर तस्वीर वायरल होने के बाद से तो इसे दुनिया की सबसे खूबसूरत लड़की बताया जा रहा है।

WITH BEST COMPLIMENTS FROM

एस. के. पी. प्रोजेक्ट्स प्रा. लिमिटेड
S.K.P. PROJECTS PVT. LTD.
AN ISO 9001:2008 CERTIFIED COMPANY

Mr. S. C. PANDEY
Chairman & Managing Director

Mrs. KAMINI S. PANDEY
Director

Residential Address :
A-1, Shri Krishna Park, Opp. Novino Battery,
Makarpura Road, Vadodara -390010

Native Address :
Mr. Suresh Chandra Pandey | S/o Late Shri Kuomani Padey,
Village Bartoli, P.O. Panuwanoula, Dist. : Almora(Uttarakhand).

We are proud to introduce ourselves as SKP projects, stepping ahead with principles and providing custom tailored professional solutions. A core surveying professionally managed and experienced in a major projects carried out by the companies and having a cutting edge reputation in our business founded what is now called SKP projects Pvt Ltd, a surveying & GIS company.

SKP Projects was established in the year 2000 in Vadodara district of Gujarat with the vision of providing services in the field of Pipeline Survey in India. The company is still headquartered in Vadodara and is having well equipped offices in Gandhinagar, Bhavnagar, Botad, Jaipur, Panvel, Nagpur, Warangal, Eluru, Karimnagar, Rajahmundary, Villupuram and Bhubaneswar.

Regd. Office:

201-205, Sai Samarth Complex,
Near Maneja Crossing,
Makarpura Main Road,
Vadodara-390010,
GUJARAT.
Phone: 0265-2641059
Website: www.skpprojects.com
E-mail: skp_projects@yahoo.com

Branch Office:

Nagpur-	+91-715-6605161
Karimnagar-	+91-878-6451502
Panvel -	+91-93140 05259
Warangal-	+91-73820 61066
Gandhinagar-	+91-93777 90070
Rajahmundry-	+91-96408 09735
Jaipur-	+91-92613 56990
Eluru-	+91-96408 09735

विजय, विवेक और विभूति

– पं. राम किंकर उपाध्याय

पुण्य का उद्देश्य अगर अधिक से अधिक भोग पा लेना है, तो भोग की प्राप्ति भले हो जाए, लेकिन स्वयं पर विजय नहीं मिलेगी।

विजय पर्व का अर्थ यह है कि भगवान श्रीराम की रावण पर जो विजय हुई, उसे हम किस दृष्टि से देखें? वास्तविक महत्व इसी का है। यों कहें कि जब वर-कन्या का विवाह शास्त्रीय विधि से मंडप में संपन्न होता है, तो उस अवसर पर चारों ओर कितने उत्साह और आनंद का वातावरण होता है। विवाह का उत्सव तो एक-दो दिनों के लिए ही होता है, परंतु उसकी परीक्षा तो जीवनभर हैं। विवाह के मंडप में जो प्रेरणा वर-वधू को प्राप्त होती है, यदि उसका समुचित निर्वाह और पालन होता है, तब तो विवाहोत्सव की सार्थकता है और यदि केवल बाजे बजा करके, गीत गा करके, स्वादिष्ट व्यंजनों का भोग लगा करके हम विवाह का आनंद लें, तो यह आनंद क्षणिक ही होगा। यही सत्य है। श्रीराम की रावण पर विजय का तात्पर्य क्या है?

लंकाकांड में इस विजय का वर्णन किया गया है, उसका अंतिम दोहा क्या है? श्रीराम के चरित्र का वर्णन करते हुए यह बताया गया है कि इसचरित्र का फल क्या है? लंकाकांड का फलादेश है –

समर बिजय रघुबीर के चरित जे सुनहिं सुजान।
बिजय, बिबेक, बिभूति नित तिन्हहि देहिं भगवान॥

तीन वस्तुएं प्राप्त होती हैं विजय, विवेक और विभूति। परंतु किसको? एक शब्द जोड़ दिया गया है कि जो 'सुजान' हैं। रामायण का पाठन और श्रवण तो अनेक लोग करते ही रहते हैं, परंतु गोस्वामीजी ने जो 'सुजान' शब्द जोड़ दिया, यह बड़े महत्व का है। इस कथा को कहने वाला भी सुजान हो और सुनने वाला भी सुजान हो, यह गोस्वामीजी की शर्त है। यह सुजान शब्द कहां से जुड़ा हुआ है, इस पर ध्यान दीजिए।

श्रीराम की जब रावण पर विजय हुई, तो देवताओं ने आकाश से पुष्प-वर्षा की और बधाई देने के लिए एकत्र हुए। उन्होंने कहा कि इस दुष्ट का वध करके आपने हम लोगों को धन्य कर दिया।

यह दुष्टमारेउनाथ, भए देव सकल सनाथ।

आश्चर्य यह था कि देवताओं की इस भीड़ में भगवान शंकर नहीं थे। वह क्यों नहीं आए? किसी देवता के मन में यह बात भी आ गई कि रावण तो भगवान शंकर का शिष्य था, शिष्य की मृत्यु पर भगवान शंकर को शोक हो गया होगा और इसी कारण बधाई देने नहीं आए। यहां गोस्वामीजी ने बड़ी मीठी बात लिखी और यहीं सुजान शब्द की व्याख्या भी की है –

सुमन बरषि सब सुर चले चढ़ि रुचिर बिमान।
देखि सुअवसर प्रभु पहिं आयउ संभु सुजान॥

गोस्वामीजी यह लिखना नहीं भूले कि चढ़ि-चढ़ि रुचिर बिमान। देवताओं की जो मनोवृत्ति है, उनका ऐश्वर्य के प्रति जो आकर्षण है, वह उस वाक्य से परिलक्षित होता है। देवताओं की दृष्टि में वाहनों का बड़ा महत्व है, जो आज के समाज में भी है। किसी के बड़प्पन को आंकने में हम वाहनों की विशालता को देखते हैं। समृद्धि का मापदंड वाहन को मानने के हम भी अभ्यस्त हो गए हैं। वाहन तो एक साधन मात्र है, जो हमें किसी गंतव्य स्थान पर पहुंचाने का माध्यम है। राम-रावण युद्ध में कई दिन बाद इंद्र ने अपना रथ(वाहन) भेजा और श्रीराम बड़ी प्रसन्नता से उस रथ पर बैठ गए, युद्ध के प्रारंभ में क्यों नहीं भेजा? इसके पीछे इंद्र की दो मनोभावनाएं हैं। इंद्र की ही नहीं, समाज में जितने भी देवता या देव-मनोवृत्ति के लोग होते हैं, वे यों तो पुण्य के पक्षपाती हैं, परंतु वे शंकालु होते हैं। इंद्र के मन में यह शंका थी कि कहीं ऐसा तो नहीं होगा कि रावण ही जीत जाए। वह सदा रावण से हारते ही रहे हैं, इसलिए उनके लिए यह कल्पना करना कठिन होता है कि रावण को कोई हरा भी सकता है। देवताओं के मन में भी श्रीराम के ईश्वरत्व का ज्ञान सदा नहीं होता, क्योंकि श्रीराम की मनुष्य-लीला को देखकर व उनके ईश्वर को भूल जाते हैं। इंद्र के मन में आशंका है कि कहीं हमने प्रारंभ में ही रथ भेज दिया और रावण की जीत हो गई, तो फिर हमारी क्या दुर्दशा होगी। इसलिए रथ भेजने में विलम्ब किया। जब इंद्र ने यह देखा कि बिना रथ के भी श्रीराम की विजय हो रही है, तब इंद्र को लगा कि अब रथ न भेजना मूर्खता होगी, श्रीराम की विजय के इतिहास में हमारा नाम नहीं लिया जाएगा, इसलिए रथ भेज देना ही ठीक है। एक नवयुवक ने एक प्रश्न इस प्रसंग में मेरे सामने रखा कि यदि राम के स्थान पर मैं होता, तो लात मारकर रथ लौटा देता। मैंने उससे कहा कि भगवान राम और आप में यही अंतर है। अगर भगवान अपनी शरण में आने वाले व्यक्तियों के पूर्व कर्मों का लेखा-जोखा करने लगें, तो फिर बिरले ही व्यक्ति भगवान की शरणागति के अधिकारी हो पाएंगे। भगवान की करुणा तो यही है कि वह ये नहीं पूछते कि अभी तक क्यों नहीं आए? महत्व इसका है कि आज तो यह व्यक्ति आ गया, यदि इसी क्षण में इस मनोवृति का उदय हो गया है, तो प्रभु घोषणा करते हैं कि –

जौं नर होइ चराचर द्रोंही।
आवै सभय सरन तकि मोही॥
तजि मद मोह कपट छल नाना।
करऊं सद्य तेहि साधु समाना॥

भगवान की यही करुणा है। यह ठीक है कि राम को रथ की आवश्यकता नहीं थी, वह बिना रथ के ही रावण को जीत लेते, लेकिन यदि वह इंद्र के रथ को लौटा देते, तो इसका अर्थ होता कि इंद्र के अहंकार का उत्तर अहंकार से दिया गया। भगवान ने रथ स्वीकार करके यह बताया कि मनुष्य में जिस क्षण भी सद्वृत्ति का उदय हो, सद्भाव और विवेक का उदय हो और वह अपनी वस्तुएं भगवान के प्रति समर्पित करे, वही क्षण धन्य है।

इंद्र का रथ पुण्य का रथ है, धर्म का रथ है, क्योंकि इंद्रपद प्राप्त ही होता है पुण्य और धर्म के परिणामस्वरूप। इसी रथ पर बैठकर इंद्र ने कई बार रावण से युद्ध किया, पर सर्वदा हारा। उसी रथ को उसने भगवान के पास भेजा। यह बड़े महत्व का संकेत सूत्र है कि सद्गुणों और पुण्य के बिना कोई व्यक्ति दुर्गुणों और पाप को पूरी तरह से मिटा सकता है या हरा सकता है क्या? अर्थात नहीं। इंद्र की और इंद्र के रथ की जो पराजय है, वह इसी सत्य को प्रकट करने वाली है कि संसार के सभी पुण्यात्मा लोग यह समझते हैं कि पुण्य का उद्देश्य जीवन में अधिक से अधिक भोगों को पा लेना ही है, स्वर्ग को प्राप्त कर लेना ही है। पर ऐसे में हम स्वाभाविक रूप से स्वर्ग और भोग को ही प्राप्त कर सकेंगे, रावण पर विजय नहीं। तब कोई कह सकता है कि पुण्य और धर्म व्यर्थ है?

(रामायणम् ट्रस्ट द्वारा प्रकाशित पुस्तक से साभार)

शक्ति एवं शस्त्र पूजा

भारत में विजयादशमी अर्थात् आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दसवीं तिथि 'विजयपर्व' के रूप में प्राचीन काल से ही मनाई जाती रही है। भगवान श्रीराम ने इसी दिन रावण का वध कर लंका पर विजय पाई थी। क्षत्रिय इसी दिन शास्त्रों की पूजा करते हैं।

शस्त्र विद्या स्वभावेन, सर्वाभ्यो अस्तिमहीयति।
शस्त्रेण रक्षित राष्ट्रे, शास्त्रचिन्ता प्रवर्तते॥

(अर्थात् शस्य विद्या स्वभाव से ही सब विधाओं में श्रेष्ठ है, क्योंकि जब शस्य से देश सुरक्षित होता है तभी शास्त्र की बातें होती हैं।) विजयादशमी हिन्दुओं की तरह बौद्धों का भी महत्वपूर्ण पर्व है। भगवान बुद्ध ने इसी दिन अन्तरमन को झकझोर कर भीतर की बुराई को समाप्त करने का आव्हान किया था। बुद्ध ने दुर्दान्त दस्यु अंगुलीमाल का हृदय परिवर्तन भी इसी दिन किया। चक्रवर्ती सम्राट अशोक द्वारा कलिंग पर आक्रमण के दौरान युद्ध में भीषण नरसंहार हुआ। यद्यपि अशोक ने कलिंग पर विजय पाई पर उसका हृदय इस भीषण नरसंहार को देख अशान्त हो उठा। उसने भविष्य में हिंसा न करने की शपथ लेकर बौद्ध धर्म स्वीकार किया। इसी दिन उसने बौद्ध भिक्षुक मोग्गालियुत से बौद्ध धर्म की दीक्षा ली और प्रतिज्ञा की कि आज से शस्त्र द्वारा विजय प्राप्त न करके दया, अहिंसा व शांति के द्वारा विश्व में भगवान बुद्ध का संदेश फैलाऊंगा। अशोक ने बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए भारतीय बौद्ध भिक्षुक विदेशों यथा चीन, जापान, तिब्बत आदि में भेजे। अपने पुत्र महेन्द्र एवं पुत्री संघकिया को धर्मप्रचार के लिए श्रीलंका भेजा। दोनों भाई-बहन बोधगया के बोधि वृक्ष की एक शाखा लेकर लंका गये। उनका लगाया पौधा आज भी बोधि वृक्ष के नाम से श्रीलंका के अनुराधापुर में मौजूद है। एशिया के पूर्वी द्वीप समूहों में भी 'विजयादशमी' का पर्व बड़े उत्साह से मनाया जाता है। बाली, सुमात्रा, जावा, बोर्नियो, थाइलैण्ड, कम्बोडिया आदि देशों में 'रामलीला' का भी आयोजन किया जाता है। इस प्रकार यह पर्व विश्वव्यापी है।

– डॉ. श्याम मनोहर

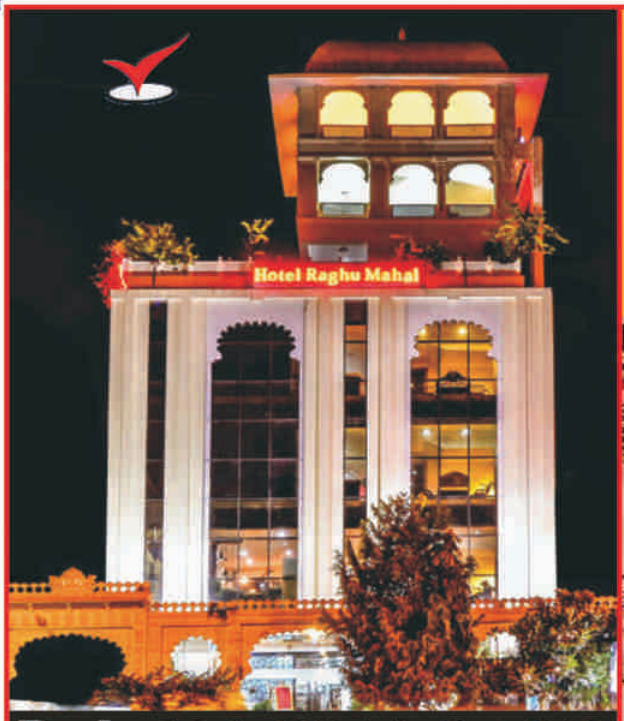

Ph :- 0294-2425694
M.:- 09649466662
FLAMES RESTAURANT
(Multi Cusine)
(A Unit of Raghu Mahal Hotels Pvt. Ltd.)
Hotel Raghu Mahal
Raghu Mahal Hotels Pvt. Ltd.
Spa-Beer Bar-Banquet Hall
93, Opp. M.B. College, Darshanpura, Airport Road,Udaipur (Raj.) Tel :- 0294-2425690-93
Email :- raghumahalhotels@gmail.com Website :- www.raghumahalhotels.com

महके और महकाएं
CAI
CHITTORA AGARBATTI INDUSTRIES
UDAIPUR
गुलाब
चंदन
KANCHAN
Mogra
राजेश चित्तौड़ा
9414160914
CHITTORA
AGARBATTI INDUSTRIES
Mfg. : Handmade Agarbatti 'N' Perfumers
Glass Bottles etc.
1,2 Central Jail Colony Nr. Central Jail, Tekri Road Udaipur (Raj.)
Email : rajeshchittora27@gmail.com

आम आदमी की मज़बूत 'पैरोकारी'

लेखक : आशीष दशोत्तर
पृष्ठ : 184
मूल्य : 200/-
प्रकाशक : बोधि प्रकाशन, जयपुर

'मोरे अवगुन चित में धरो' 39 व्यंग्य रचनाओं का संग्रह है। लेखक पर हमेशा परिवेश का असर होता है। आठ वर्ष तक पत्रकारिता के पेशे में रहने के बाद शासकीय मैदान में रमणरत आशीष दशोत्तर के पास सम-सामयिक स्थितियों-परिस्थितियों के आकलन के लिए सूक्ष्म दृष्टि है। जिसमें पत्रकारिता का पैनापन है तो टेबल के नीचे हाथ वाली शासनिक परम्परा का निर्वाह करते बाबूओं को भांप लेने का अनुभव भी। 'मोरे अवगुन चित में धरो' संग्रह की सभी रचनाएं पढ़ीं, जो मुझे आम आदमी के तजुर्बों के दस्तावेजों सी लगी। लेखक ने 'सपने अपने-अपने' में लिखा - *'मध्यमवर्गीय लोगों के हिस्से में सिर्फ सपने ही आते हैं, हम उन्हें देख-देखकर ही खुश हो लेते हैं। आधी ज़िन्दगी तो सपने देखने में बीत जाती है, जबकि आधी हम उन्हें पूरा करने में खो देते हैं।'* जिसकी गिद्ध दृष्टि है, कलम में धार और शब्दों में असर है, वह व्यंग्य बाण चलाकर हालातों की ओर हर किसी का ध्यान आसानी से आकर्षित कर लेता है और अप्रत्यक्ष रूप से उनमें सुधार का संदेश देता हुआ अपने दायित्व को पूरा भी करता है। आशीष अपनी रचनाओं में ऐसा करते दिखाई भी पड़ते हैं। ***हम समय से आगे की सोचते हैं। अगर आम आदमी के 'कॉन्सेप्ट' को हमने स्वीकार कर लिया तो बहुत सी परेशानियां पैदा हो जाएंगी ×××× । कहीं से 'आम आदमी' को आरक्षण की बात उठ गई तो संकट की स्थिति बन जाएगी। आरक्षण देने के प्रति हम उतने ही उदार हैं, जितना महाशक्ति सम्पन्न देश हमारे पड़ोसी को हथियार देने में। यदि 'आम आदमी' को आरक्षण दिया गया तो बड़ा झमेला हो जाएगा भाई! इसलिए हम तो 'आम आदमी' को ही अपनी 'मेमोरी' से 'डिलीट' करना चाहते हैं।*** देश में गरीबी हटाने, भ्रष्टाचार की समाप्ति और पारदर्शी शासन देने का नारा पिछले 72 वर्ष में देश के आसमान को चीरता सा बार-बार नज़र आया किन्तु हुआ कुछ भी नहीं। दफ्तरों में टेबल के नीचे सरकते बाबुओं के हाथ और बेहतर शासन के दरकते मूल्य अब भी दिखाई पड़ रहे हैं, जिसका लेखक ने भी एक रचना में बहुत सुन्दर ढंग से वर्णन किया है। अधिकांश रचनाओं की विषय वस्तु समाज के दु:ख-दर्द और गिले-शिकवे के इर्द-गिर्द ही घूमती है। किसी भी जगह आम आदमी से लेखक कटा नहीं है। कुछ वर्ष पत्रकारिता के पेशे से जुड़े रहने के कारण 'रीडर कनेक्ट' उनके लेखन में स्वत: आ गया है। भाषा और प्रवाह विधा के अनुरूप है। व्यंग्य की असीमित संभावनाओं के क्षेत्र में आशीष ने अपनी प्रभावी उपस्थिति का एहसास कराया है और इसमें बोधि प्रकाशन का योगदान सोने में सुहागा सा है। **बधाई!**

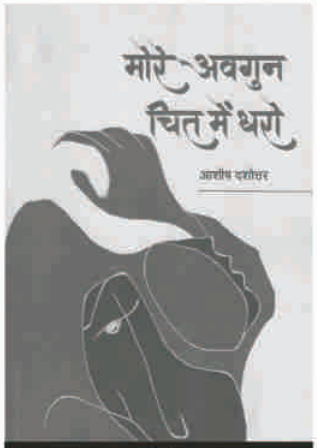

-विष्णु शर्मा हितैषी

नवरात्रि पर्व पर हार्दिक शुभकामनाएं

Hotel Paras Mahal

N.H.8, Hiran Magri, Sector 11,
Udaipur-313002 India

Phone	Fax
0294-2483391/92/93/94	0294-2584103

E-mail:-reservation@hotelparasmahal.com
Website :- www.hotelparasmahal.com

सवर्ण बनाम दलित

सियासी बिसात पर जाति के मोहरे

एससी/एसटी इस देश की जनसंख्या का लगभग 25 प्रतिशत, देश में 84 लोकसभा सीटें एससी और 47 सीटें एसटी के लिए सुरक्षित

20 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने एससी/एसटी एक्ट के दुरुपयोग की बात करते हुए नियमों में कई बदलाव किए। गिरफ्तारी से पहले प्रारंभिक जांच और अग्रिम जमानत जैसे नियमों के जरिये कानून के दुरुपयोग को रोकने के आदेश हुए। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश के खिलाफ देश में एक तीखी प्रतिक्रिया हुई। एससी/एसटी समाज, इस समाज के तमाम नेता, देश की तमाम विपक्षी पार्टियों ने केंद्र सरकार पर हमला बोल दिया। खुद भाजपा के इस समाज के सांसदों, विधायकों और भाजपा की सहयोगी पार्टियों के नेताओं ने भी अपनी चिंता जाहिर करते हुए सरकार को गंभीर कदम उठाने को कहा। विपक्षी नेताओं का आरोप था कि सरकार ने कोर्ट में सही तरीके से पक्ष नही रखा, क्योंकि केंद्र सरकार एससी/एसटी विरोधी है। चौतरफा हमले से घबराई सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अपने आदेश पर फिर से विचार करने को कहा, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय को पलटने के लिये केंद्र सरकार संसद मे बिल लेकर आई जो मानसून सत्र के दौरान दोनों सदन में सभी पार्टियों के सहयोग से पास हो गया।

अब सवाल ये उठता है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से भाजपा सहित सभी राजनैतिक दल इतने बेचैन क्यों हो गए? इन दलों ने एकजुटता दिखाते हुए क्यों संसद में बिल के जरिये देश की सबसे बड़ी अदालत के निर्णय को पलट दिया। दरअसल एससी/एसटी इस देश की जनसंख्या का लगभग 25 प्रतिशत हैं। देश में 84 लोकसभा सीटें एससी और 47 सीटें एसटी के लिए सुरक्षित हैं। यानी लोकसभा में कम से कम 131 सांसद इस वर्ग से ही होंगे। जहां भाजपा ने 2014 में इसमें से 66 सीटें जीती, वहीं कांग्रेस को सिर्फ 12 सीटें मिलीं और बसपा को एक भी सीट नहीं मिली। पिछले 4 लोकसभा चुनाव में एससी वोट पैटर्न पर एक नजर डालते हैं-

वर्ष/पार्टी	1999	2004	2009	2014
कांग्रेस	30	26	27	19
भाजपा	14	13	12	24
बसपा	18	22	20	14

इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि देश में एससी वोटों के लिए घमासान इन 3 प्रमुख पार्टियों के बीच ही है। 2014 में भाजपा ने 24 प्रतिशत वोट हासिल कर सुरक्षित सीटों में 50 प्रतिशत (66 सीटें) जीत ली। वहीं 19 प्रतिशत वोट पाकर कांग्रेस को सिर्फ 12 सीटें मिलीं। 2009 में 27 प्रतिशत वोट पाकर कांग्रेस ने इन 131 सीटों में से 50 सीटों जीती थीं और 12 प्रतिशत वोट पाकर भाजपा ने सिर्फ 26 सीटें जीती थीं। सिर्फ 12 प्रतिशत वोट ज्यादा पाकर भाजपा 2014 में 40 ज्यादा सीटें जीतने में सफल रही। दरअसल सभी पार्टियां यह अच्छी तरह जानती हैं कि एससी/एसटी वोटों को साधकर ही दिल्ली की सत्ता को साधा जा सकता है। कोई भी पार्टी इस वर्ग की नाराजगी मोल लेकर उसकी राजनैतिक कीमत नहीं चुकाना चाहती। इसलिए सभी पार्टियां सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के खिलाफ मुखर रहीं और संसद में बिल पास करने में एक छत के नीचे आ गई। लेकिन देश की दो बड़ी पार्टियों भाजपा और कांग्रेस की मुश्किलें यहीं पर खत्म नही हुईं। एससी/एसटी के हितों की रक्षा को लेकर पार्टियों की इस सक्रियता से सवर्ण अब इन दोनों पार्टियों से

नाराज हो गए हैं। सोशल मीडिया पर भाजपा सरकार के खिलाफ अभियान चलने लगा। 2019 में भाजपा को हराकर सबक सिखाने को लेकर सवर्ण कमर कसने लगा है। सवर्णों के इस अप्रत्याशित अभियान से भाजपा असमंजस में पड़ गई है। 28 अगस्त को दिल्ली में भाजपा के मुख्यमंत्रियो की बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने सभी मुख्यमंत्रियों को सवर्ण समाज से बात करके इसे सुलझाने की जिम्मेदारी दी। लेकिन 6 सितंबर को सवर्णों ने भारत बंद का आह्वान कर दिया। उनकी मांग थी कि एससी/एसटी एक्ट को लेकर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को बरकरार रखा जाए। मौके की नजाकत को भांपते हुए कांग्रेस के सुरजेवाला ने कहा कि कांग्रेस के डीएनए में ब्राह्मणों का खून है। कांग्रेस की मंशा भाजपा के खिलाफ सवर्णों की नाराजगी को अपने वोट में तब्दील करने की थी। दरअसल सवर्ण पिछले कई चुनावों से परंपरागत तौर पर भाजपा का वोट बैंक रहे हैं। पिछले 4 चुनावों में सवर्णों के वोटिंग पैटर्न पर **एक नजर**

वर्ष/पार्टी	1999	2004	2009	2014
भाजपा	40	35	29	47
कांग्रेस	21	23	26	13

पिछले 4 चुनावों में कांग्रेस का सबसे बेहतर प्रदर्शन 2009 में रहा, जब कांग्रेस ने 206 सीटों जीतीं। इस चुनाव में कांग्रेस को सबसे ज्यादा सवर्णों का वोट मिला और भाजपा-कांग्रेस का अंतर सिर्फ 3 प्रतिशत था। लेकिन 2014 में भाजपा को 47 प्रतिशत सवर्णों का वोट मिला। भाजपा सवर्णों के वोट की अहमियत को समझती है इसलिए वो इनकी नाराजगी को गंभीरता से ले रही है। दिल्ली में 8-9 सितंबर को हो रही राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में भी इस मसले को लेकर चर्चा हुई। अब सवाल उठता है कि नवंबर में मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ और अगले साल होने वाले लोकसभा चुनावों में अपर कास्ट का वोट किसके पाले में जाएगा। कांग्रेस मौके का फायदा उठाकर इस वोट बैंक को साधने की कोशिश कर रही है। रामजन्म भूमि आंदोलन के पहले सवर्णों का वोट मुख्यत: कांग्रेस को ही जाता था। इसलिए कांग्रेस को उम्मीद है कि वर्तमान में एससी/एसटी एक्ट की वजह से भाजपा से नाराजगी और पुराने इतिहास की बदौलत वो इस वोट बैंक को साध सकती है। भाजपा अपर कास्ट की तमाम नाराजगी के बावजूद भी पहली पसंद रहेगी। भाजपा जानती है कि पिछले 6 चुनावों में कांग्रेस को भाजपा की तुलना में सवर्णों का ज्यादा वोट मिला है और भाजपा अपर कास्ट की तमाम नाराजगी के बावजूद भी पहली पसंद रहेगी। जो थोड़ी बहुत नाराजगी होगी भी वो चुनाव के वक्त तक दूर कर ली जाएगी। दूसरी ओर भाजपा भी ये मानकर चल रही है कि अगर मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ चुनाव में कांग्रेस बसपा से गठबंधन करती है तो सवर्ण अपने आप भाजपा को ही वोट देगा। 2019 लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस की बसपा से नजदीकी के चलते फायदा भाजपा को ही होगा। यही नहीं भाजपा को ये भी उम्मीद है कि अगर वो सवर्णों के एससी/एसटी एक्ट के विरोध के बावजूद भी बिल पर कायम रहती है तो वो एससी-एसटी समाज को भी ये संदेश देने में सफल रहेगी कि पार्टी ने उनके हितों की रक्षा के लिए अपने परंपरागत वोट बैंक को भी दांव पर लगा दिया था। जातिगत वोट बैंक की इस रस्साकशी में कौन बाजी मारेगा ये तो वक्त ही बतायेगा, लेकिन जिस तरह से पार्टियां खुलेआम जातिगत राजनीति कर रही हैं, वह अच्छे और मजबूत लोकतंत्र के हित में नहीं कही जा सकती है।

– गुंजेश दीक्षित

शांत हुई क्रांतिकारी संत तरुण सागर की मुखर आवाज

अहिंसा का मार्ग दिखाने वाले जैन मुनि तरुण सागर जी के निधन के समाचार सुनकर न केवल जैन समाज बल्कि हर धर्म और संप्रदाय से जुड़े लोग स्तब्ध रह गए। राष्ट्र संत तरुण सागर महाराज (51) के प्रति धर्म में आस्था व विश्वास रखने वाले हर एक की अटूट श्रद्धा थी। 1 सितंबर सुबह 3.18 मिनट पर उन्होंने असार संसार को अलविदा कहा। समाधिमरण के बाद उनका अंतिम संस्कार दिल्ली से 28 किमी दूर तरुणसागरम् (गाजियाबाद) में किया गया।

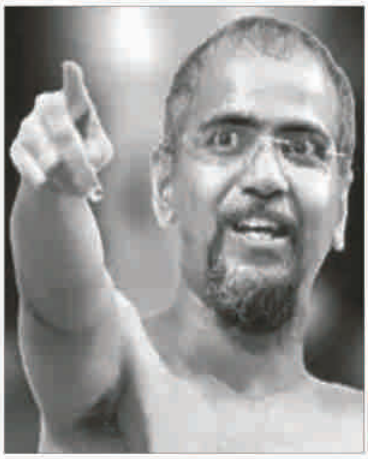

मुनिश्री को अगस्त से पहले सप्ताह में पीलिया हो गया था। इसके बाद उन्हें मैक्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था। स्वास्थ्य सुधरता न देख उन्होंने उपचार लेना बंद कर दिया और चातुर्मास स्थल पर जाने का निर्णय लिया। दो-तीन बाद ही पुन: तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें दोबारा अस्पताल ले जाया गया। इसके बाद अपने गुरु पुष्पदंत सागर महाराज की स्वीकृति के बाद संलेखना (आहार-जल त्याग) का फैसला किया।

राधेपुरी में किया जीवन का अंतिम चातुर्मास

महाराज ने अपने जीवन का अंतिम चातुर्मास दिल्ली के राधेपुरी में जैन मंदिर के पास बने जैन समुदाय के घर में किया। महाराज का गत 27 जुलाई से राधेपुरी में चातुर्मास चल रहा था। योग गुरू बाबा रामदेव भी गत 13 अगस्त को उनके स्वास्थ्य का हाल चाल लेने पहुंचे थे। गत वर्ष महाराज ने चातुर्मास राजस्थान के सीकर में किया था। इसी चातुर्मास के दौरान उनकी तबीयत खराब होनी शुरु हो गई थी।

अंतिम यात्रा में आसमान भी रोया

अंतिम यात्रा में 'महाराज अमर रहे' के नारे गूंजते रहे। हर किसी की आंखें नम थीं। बहुत से श्रद्धालु फूट-फूटकर रो रहे थे। यमुनापार में तड़के सुबह से ही तेज बारिश होने लगी। बारिश में ही अंतिम यात्रा निकाली गई। श्रद्धालुओं ने कहा कि महाराज के जाने पर आसमान भी जमकर रोया।

पवन से बने तरुण सागर

तरुण सागर का मूल नाम पवन कुमार जैन था, मध्यप्रदेश के दमोह जिले के गुहजी गांव में 26 जून 1967 को इनका जन्म हुआ। उन्होंने 14 साल की अल्पायु में 8 मार्च 1981 को अपना घर त्याग दिया था। छत्तीससगढ़ में उनकी शिक्षा दीक्षा हुई। तरुण सागर को उनके ओजस्वी प्रवचन की वजह से 'क्रांतिकारी संत' का संबोधन भी मिला। तरुण सागर ने आचार्य विद्यासागर से ब्रह्मचर्य की दीक्षा ली। उसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुडक़र नहीं देखा। 20 साल की उम्र में वह मुनि तरुणसागर बन गए। तरुण सागर को आचार्य पुष्पदंतसागर ने मुनि दीक्षा दी। जिस समय तरुण सागर घर से निकले थे तो यह कहते थे कि वो भगवान बनना चाहते हैं। समाधि भावना के साथ उनकी यह बात सच हो गई। उनकी कड़वे प्रवचन पर लिखी गई पुस्तक काफी पॉपुलर हुई।

उदयपुर में 2011 के चातुर्मास के दौरान तरूण सागर महाराज से 'प्रत्यूष' के लिए इंटरव्यू लेने के बाद उन्हें वर्षभर के अंक भेंट करते हुए प्रकाशक पंकज शर्मा एवं प्रधान संपादक विष्णु शर्मा हितैषी। फाइल फोटो

कड़वे प्रवचन के साथ कड़वे बयान भी

जैन संत तरुण सागर महाराज शुरु से ही अपने कड़वे प्रवचनों के लिए जाने जाते रहे थे। उन्होंने कई बार कड़वे बयान भी दिए। एक बार तो उन्होंने कुलभूषण जाधव से मिलने गई उनकी मां और पत्नी के साथ हुए बुरे बर्ताव को लेकर पाकिस्तान पर बड़ा बयान दिया था। कश्मीर में पत्थरबाजी और अलग-अलग मौकों पर पाकिस्तान के समर्थन में हुई नारेबाजी को लेकर उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान में जितने आतंकवादी नहीं है उससे ज्यादा भारत में गद्दार है।

बागीदौरा में दी थी दीक्षा

मुनि तरुण सागर महाराज को 20 जुलाई 1988 को बागीदौरा में आचार्य पुष्पदंतसागर महाराज ने दीक्षा दी थी। लंबे समय बाद 2012 में उनका वागड़ की धरती पर पुन:पदार्पण हुआ। 29 फरवरी 2012 को वे बागीदौरा आए। 21 जनवरी से 5 फरवरी 2012 तक परतापुर में विराजित रहे। इस दौरान उन्होंने गणतंत्र दिवस समारोह को भी संबोधित किया। यहां से गढ़ी के लिए विहार पर निकले थे। बांसवाड़ा में भी उनके प्रवचन की श्रृंखला चली।

एक घाट पर पानी पिएं गाय व शेर

मुनिश्री कई बार प्रवचन में कहते थे कि वे नहीं चाहते थे कि एक ही घाट में गाय व शेर पानी पिएं बल्कि वे तो केवल यह चाहते है कि सास-बहू एक हो जाएं। वे बेटी व बहू के झगड़े में बहू का पक्ष लेने का आह्वान करते। वे कहते थे कि बहू का पक्ष लेने वाली सास को विपक्ष में नहीं बैठना पड़ता। सरकार उसकी होती है और सत्ता भी। फिर उसे मंदिर जाकर 'रक्ष-रक्ष' जपने व कक्ष में 'आँसू' बहाने की जरूरत नहीं होगी।

असार संसार का सार

मुनिश्री मृत्यु को कटु सत्य बताते हुए कहते कि जीते जी कफन भी तैयार है, बस बाजार से लाने की देर है। बांस और मूंज भी तैयार है बस आर्डर देने की देर है। उठाने व जलाने वाले भी तैयार हैं बस खबर करने की देर है। जलाने की जगह भी तैयार है बस अर्थी उठने की देर है। रोने वाले भी तैयार हैं बस 'चल बसे' की खबर सुनने की देर है।

भलाई करने की सीख

तुम्हारी वजह से जीते जी किसी की आंखों में आंसू आए तो यह सबसे बड़ा पाप है। लोग मरने के बाद तुम्हारे लिए रोए, यह सबसे बड़ा पुण्य है। इसीलिए जिंदगी में ऐसे काम करो कि, मरने के बाद तुम्हारी आत्मा की शांति के लिए किसी और को प्रार्थना नहीं करनी पड़े। क्योंकि दूसरों के द्वारा की गई प्रार्थना किसी काम की नहीं है।

हमेशा हंसते रहने की नसीहत

गुलाब कांटों में भी मुस्कुराता है। तुम भी प्रतिकूलता में मुस्कुराओ, तो लोग तुमसे गुलाब की तरह प्रेम करेंगे। याद रखना कि जिंदा आदमी ही मुस्कुराएगा, मुर्दा कभी नहीं मुस्कुराता और कुत्ता चाहे तो भी मुस्कुरा नहीं सकता, हंसना तो सिर्फ मनुष्य के भाग्य में ही है। इसीलिए जीवन में सुख आए तो हंस लेना, लेकिन दुख आए तो हंसी में उड़ा देना।

मानवीयता को बताते सर्वोपरि

एक आदमी ने ईश्वर से पूछा- आपके प्रेम और मानवीय प्रेम में क्या अंतर है? ईश्वर ने कहा- आसमान में उड़ता पंछी मेरा प्रेम है और पिंजरे में कैद पंछी मानवीय प्रेम है। प्रेम में अद्भुत शक्ति है। किसी को जीतना है तो आप उसे तलवार से नहीं, प्यार से ही जीत सकते हैं। तलवार से उसे आप हरा सकते हैं, पर उससे जीत नहीं सकते हैं।

सहनशील बनने की सलाह

जब भी जिंदगी में संकट आता है, तो सहनशक्ति पैदा करो। जो सहता है वही रहता है। जीवन परिवर्तन के लिए सुनने की आदत डालो। सुनना भी एक साधना है। चिंतन बदलो तो सबकुछ बदल जाएगा। इससे रंग नहीं, तो कम से कम जीने का ढंग तो बदल ही सकता है।

With Best Compliments for Navratri

Rasiklal M. Dhariwal

PUBLIC SCHOOL

(English Medium Co-Education)

Manikchand®

CHITRAKOOT NAGAR, UDAIPUR (RAJ.) Ph.:-0294-6509446

- Dedicated & Experienced Teachers
- Homely environment with individual attention
- Child centric approach for Pre-primary classes
- Knowledge hub, a student friendly Library
- Value based education with innovative methodology
- A modern airy, naturally well-lighted & eco-friendly school building
- Well equipped computer & science laboratory
- Air conditioned classrooms for Pre-primary sections
- Special attention on Social, Spiritual, Emotional, Physical & Mental growth
- Digital classrooms with projector
- Indoor & outdoor sports facility
- Conveyance facility available
- Well equipped self-contained hostel facility with air cooled & A.C. rooms
- Parents satisfaction is our motto.
- Teacher student ratio 1:30

GENEROUS OFFER

- **For** IX, X class-no tution fee for first 10 new admission.
- **For** Play Group-No tution fee.
- **3rd** brother/sister will be exempted from tution fee.
- **Jain** Society grant scholarship of 50% tution fee to Jain students

For Further Enquiries Contact

Gajendra Bhansali
(Hon. Secretary)
0294-2421077

Principal
0294-6509446

मुश्किलों को पछाड़ लिखी गौरव गाथा

एशियन गेम्स 2018 में भारत ने रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन करते हुए 8 वां स्थान प्राप्त किया। एशियन गेम्स के इतिहास में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए भारत ने 15 गोल्ड, 24 सिल्वर और 30 ब्रॉन्ज मिलाकर कुल 69 मेडल जीते। इससे पहले भारत ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2010 में किया था, तब 65 पदक जीते थे। इस बार चीन पहले, जापान दूसरे और कोरिया तीसरे स्थान पर रहा। भारत के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का रिकॉर्ड बरकरार रखने का श्रेय कुछ ऐसे खिलाड़ियों को जाता है, जिनसे शायद ही किसी ने खेलों की शुरुआत से पहले मेडल्स की उम्मीद की थी। ये खिलाड़ी ऐसे परिवेश से आए जहां गरीबी, अभाव, उम्र और निराशाओं का पूरा पहाड़ उनके सामने था। बावजूद इसके उन्होंने अपने हुनर से न सिर्फ उसे पार किया बल्कि भारत के लिए गौरव गाथा भी लिखी।

-जगदीश सालवी

इन्होंने दी गरीबी को शिकस्त

स्वप्ना बर्मन : रिक्शा चालक की बेटी ने रचा इतिहास

तमाम दिक्कतें, अभावों के बावजूद कोई तपकर सामने आता है तो वह 'कुंदन' है। कुंदन यानी तपा हुआ सोना। वेस्ट बंगाल की जलपाईगुडी की रहने वाली रिक्शा चालक की बेटी स्वप्ना बर्मन ने हेप्टाथलन स्पर्धा में सोना जीता तो पूरे देश का सिर गर्व से ऊंचा हो गया। जिंदगी में हर बाधा को लांघने वाली स्वप्ना ने एशियन गेम्स में भी सात बाधाओं को लांघकर सोना अपने नाम किया। वह इस स्पर्धा में सोना जीतने वाली भारत की पहली महिला खिलाड़ी है। बेटी की सफलता से खुश स्वप्ना की मां बाशोना इतनी भावुक हो गई कि उनके मुंह से शब्द नहीं निकल रहे थे। इस मां ने अपनी बेटी को इतिहास रचते नहीं देखा क्योंकि वह तो बेटी की सफलता के लिए काली माता के मंदिर में दुआओं में ही व्यस्त थी।

दुती : गांव की गलियों से निकल जीती चांदी

लिंग संबंधी मामले में जीत दर्ज करके अंतरराष्ट्रीय सर्किट में वापसी करने वाली फर्राटा धाविका दुती चंद ने महिलाओं की 200 मीटर व 100 मीटर में सिल्वर जीता। गांव के धूल भरे कच्चे रास्तों से निकल सिंथेटिक रेस ट्रैक तक पहुंचने के लिए दुती चंद को काफी संघर्ष करना पड़ा। दुती को गरीबी के कारण अच्छी ट्रेनिंग का मौका भी नहीं मिला। वह राजनीति की शिकार भी हुई लेकिन तमाम विपरीत परिस्थितियों के बाद भी उसने हिम्मत नहीं हारी। आज वो फर्राटा पीटी उषा के बाद भारत का प्रतिनिधित्व करती है। उसका जन्म ओडिशा के चाका गोपालपुर गांव में हुआ है।

दिव्या काकरान : पिता बेचते थे लंगोट

भारतीय महिला रेसलर दिव्या काकरान ने 68 केजी फ्री स्टाइल में दमदार प्रदर्शन करते हुए ब्रांज मेडल अपने नाम किया। दिव्या ने ब्रॉन्ज मेडल मुकाबले में चीनी ताइपे की रेसलर चेन वेनलिंग को मात दी। भारत के लिए दिव्या का मेडल इसलिए भी काफी मायने रखता है, क्योंकि वह बेहद सामान्य घर से संबंध रखती है। जिस स्टेडियम के बाहर वह प्रैक्टिस करती थी, उसी के सामने उसके पिता लंगोट बेचा करते थे। जिससे कि वह घर और बेटी का खर्च उठा सकें।

मनजीत सिंह : कंपनी ने किया था बाहर

एक बड़ी पब्लिक सेक्टर कंपनी ने 2014-15 में एक एथलीट को यह कहकर स्पोर्ट्स कांट्रैक्ट से निकाल दिया था कि अब उनमें बेहतर प्रदर्शन की गुंजाइश नहीं रही है। उसे उम्मीद थी कि कंपनी उसे परमानेंट कर देगी। लेकिन कंपनी ने उसे बेरोजगार ही कर दिया। उसने इसका जवाब बातों से देने के बजाय मेडल से देने की ठान ली। यह एथलीट और कोई नहीं बल्कि 800 मीटर की दौड़ में गोल्ड मेडल जीतने वाले मनजीत सिंह हैं।

इन्होंने दी उम्र को मात

सौरभ चौधरी : गोल्ड जीतने वाले सबसे युवा भारतीय

भारत के 16 वर्षीय शूटर सौरभ चौधरी ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में 240.7 प्वॉइंट्स लेकर गोल्ड मेडल हासिल किया। इसके साथ ही उन्होंने एशियन गेम्स का रिकॉर्ड भी बनाया। एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने वाले वह सबसे युवा भारतीय हैं। पढ़ाई में कच्चे चौधरी के लिए शूटिंग पढ़ाई से बचने का एक जरिया था। लेकिन उनका निशाना ऐसा लगा कि वह देश के लिए गोल्ड मेडल जीत गए।

शार्दुल विहान की जबरदस्त उपलब्धि

15 वर्षीय शार्दुल विहान ने डबल ट्रैप शूटिंग में सिल्वर मेडल अपने नाम किए। शार्दुल एक रात में ही स्टार नहीं बन गए बल्कि उसके लिए उन्होंने इस छोटी सी उम्र में कड़ी मेहनत की। मेरठ में रहने वाले शार्दुल शूटिंग की प्रैक्टिस दिल्ली में करते है। इसके लिए उन्हें रोजाना दिल्ली से मेरठ और मेरठ से दिल्ली करीब 240 किमी का सफर तय करना पड़ता था। रोजाना सुबह 4 बजे अपनी दिनचर्या की शुरुआत करते।

गोल्ड जीतने वाले उम्रदराज भारतीय

प्रणव वर्धन और शिवानाथ सरकार की जोड़ी ने ब्रिज के पुरुष डबल्स में गोल्ड जीता। प्रणव वर्धन एशियन गेम्स में गोल्ड जीतने वाले भारत के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं। 60 साल के वर्धन ने 56 साल के शिवनाथ के साथ फाइनल में चीन को पछाड़ा।

पहली मेजबानी आजाद भारत के नाम रही

साल था 1951 आजाद भारत नई भौर में स्वर्णिम आयाम स्थापित करने जा रहा था। इस वर्ष शुरू होने वाले एशियन गेम्स की मेजबानी का भार भारत के कंधे पर था। यूं कहें एशियन गेम्स की शुरुआत भी पहली बार होने जा रही थी। इन खेलों का आयोजन 4 से 11 मार्च तक नई दिल्ली में हुआ था। इन खेलों में 491 खिलाड़ियों ने शिरकत की थी जिसमें जापान पहले, मेजबान भारत दूसरे और ईरान तीसरे स्थान पर रहा। वैसे इन खेलों की शुरुआत 1950 में होनी थी लेकिन तैयारियों की कमी के चलते यह 1951 में आयोजित हुए। एशियन गेम्स फेडरेशन 1949 में दिल्ली में स्थापित हुई और इसके बाद ऐलान किया गया कि दिल्ली पहले एशियन गेम्स की मेजबानी करेगा। एशियन गेम्स फेडरेशन के कई सदस्यों के आग्रह के बाद भी मुक्केबाजी को शामिल नहीं किया गया।

पहला गेम्स, पहले राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री

1951 में पहली बार आजाद भारत में हुए एशियन गेम्स के उद्घाटन समारोह में बतौर प्रथम राष्ट्रपति डॉ.राजेंद्र प्रसाद और प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का सानिध्य मिला। एशियन गेम्स फेडरेशन के अध्यक्ष एचआरएच यादवेंद्र सिंह और डॉ. राजेंद्र प्रसाद के भाषण के साथ इन खेलों का आगाज हुआ। इसमें भारत ने दूसरा स्थान हासिल किया। तब देश ने 15 स्वर्ण, 16 रजत और 20 कांस्य पदक के साथ कुल 51 पदक अपने नाम किए।

2022 में हैंगजू में होगी मुलाकात

19वें एशियाई खेलों की मेजबानी चीन का हैंगजू शहर करेगा। हैंगजू में 10-25 सितंबर के बीच इन खेलों का आयोजन होगा। हैंगजू बीजिंग(1990) और ग्वांगजू(2010) के बाद एशियाई खेलों की मेजबानी करने वाला तीसरा चीनी शहर होगा।

तबाही से मिले जख्म भी भरता है बीमा

-आर.चन्द्रा

केदारनाथ में बादल फटने से हुई तबाही और जम्मू-कश्मीर में बाढ़ से हुए भारी नुकसान को हम अभी भूल भी नहीं पाए थे कि केरल में आई विनाशकारी बाढ़ ने सब कुछ तबाह करके रख दिया। बाढ़ ने लोगों की जिंदगी के साथ उनके घर और राज्य की अर्थव्यवस्था चौपट कर दी। कहते है कुदरत का कहर बताकर थोड़ी आता है इसलिए इससे बचने के पूर्व उपाय भी नहीं किए जाते। प्रकृति जब अपने रौद्र रूप में आती है तो विनाश के अवशेष ही छोड़कर जाती है। जान के नुकसान की भरपाई तो संभव नहीं है लेकिन माल के नुकसान की काफी हद तक भरपाई की जा सकती है। इसका जरिया बनती है बीमा पॉलिसी। होम, प्रॉपर्टी और व्हीकल इंश्योरेंस, प्राकृतिक आपदाओं के दौरान होने वाले नुकसान की भरपाई कर सकते है।

होम इंश्योरेंस

होम इंश्योरेंस को घर के मालिकों के साथ-साथ किरायेदारों के द्वारा भी खरीदा जा सकता है। यह आपके घर के साथ होने वाले नुकसान से पैदा होने वाली फाइनेंशियल देनदारियों को पूरी तरह कवर कर सकता है। आम तौर पर घर, एक होम इंश्योरेंस आपके घर में होने वाली चोरी, डकैती, भूकंप, आग, चक्रवात, बाढ़, आंधी, दंगे, हड़ताल, मिसाइल टेस्टिंग, आसमानी बिजली का प्रहार और एयर क्राफ्ट क्रैश के कारण होने वाले फाइनेंशियल नुकसान से आपकी रक्षा कर सकता है। इसके तहत प्राकृतिक नुकसान के साथ-साथ इंसानों के कारण होने वाले नुकसान को भी कवर किया जा सकता है। लेकिन एक होम इंश्योरेंस खरीदते समय, उनके इनक्लूजन और एक्सक्लूजन पर ध्यान देना न भूलें। उदाहरण के तौर आग के कारण होने वाले नुकसान को कवर किया जा सकता है लेकिन युद्ध के कारण होने वाला नुकसान एक टिपिकल एक्सक्लूजन होगा। इसमें प्राकृतिक रूप से धीरे-धीरे होने वाले नुकसान, मूल्य में होने वाली गिरावट और लापरवाही, उपयोग के कारण होने वाला प्रॉपर्टी का नुकसान शामिल है। होम इंश्योरेंस को व्यक्तिगत मकान मालिकों के साथ-साथ हाउसिंग सोसाइटियों द्वारा भी खरीदा जा सकता है। इस तरह की पॉलिसी में प्रॉपर्टी स्ट्रक्चर के साथ उनके सामानों को भी कवर किया जा सकता है।

मिसलेनियम प्रॉपर्टी

यह होम इंश्योरेंस आपको आपके घर के साथ-साथ आपके घर के सामानों को भी कवर करने का ऑप्शन देता है। यह सिर्फ मकान मालिकों के लिए ही नहीं बल्कि किरायेदारों के लिए भी उपयोगी है जिनके पास अपनी प्रॉपर्टी नहीं है लेकिन वे अपने सामानों की रक्षा करना चाहते है। इंश्योरेंस कंपनियां आपकी बेशकीमती चीजों जैसे गहने और मूल्यवान कलाकृति का कवरेज भी देती है। इस तरह की पॉलिसी का प्रीमियम उन वस्तुओं के मूल्य पर आधारित होगा जिन्हें आप इंश्योरड करना चाहते हैं। इसके अलावा यह उस जमानत की मजबूती पर भी आधारित होगा जिन्हें आप इंश्योर करना चाहते है, इसके अलावा यह उस जमानत की मजबूती पर भी आधारित होगा जिन्हें आप उन वस्तुओं की सुरक्षा के लिए पहले ही रख चुके है। टिपिकल एक्सक्लूजन में लापरवाही के कारण या जानबूझकर किए गए नुकसान, धीरे-धीरे होने वाली टूट-फूट, युद्ध, हमला, इत्यादि के कारण होने वाले नुकसान भी शामिल हैं।

व्हीकल

केरल में बाढ़ के कारण हजारों व्हीकल क्षतिग्रस्त हो गए। कानून के मुताबिक सभी व्हीकल्स का इंश्योरेंस कराना अनिवार्य होता है। लेकिन नुकसान और दुर्घटनाओं से अपने व्हीकल को बचाने के लिए आपको कम्प्रिहेंसिव इंश्यारेंस भी लेकर रखना चाहिए। अच्छी तरह से देख लें कि आपका इंश्यारेंस एक बेसिक थर्ड पार्टी लायबिलिटी कवर नहीं बल्कि एक कम्प्रिहेंसिव पॉलिसी हो। बाढ़ के दौरान कार इंजन को काफी नुकसान पहुंचता है। वॉटर इंग्रेस या हाइड्रोस्टेटिक लॉक के कारण होने वाले नुकसान पहुंच सकता है। वॉटर इंग्रेस या हाइड्रोस्टेटिक लॉक के कारण होने वाले नुकसान के लिए क्लेम करने के लिए आप एक इंजन प्रोटेक्शन ऐड-ऑन, या रिटर्न-टू-इनवॉइस ऐड-ऑन आपके पार्ट्स के डेप्रिशिएशन वैल्यू के बजाय उसका फुल वैल्यू रिक्लेम करने में आपकी मदद कर सकता है। रिटर्न-टू-इनवॉइस दोनों तरह का कवर लेना जरूरी है तब व्हीकल्स नया हो। इसके अलावा कई कम्प्रिहेंसिव पॉलिसियां आपको टोइंग और ओवरनाइट एकोमोडेशन जैसे लाभ भी देती है जो किसी दूरदराज के क्षेत्र में आपके व्हीकल के खराब होने पर और रिपेयर के दौरान अपने लिए एकोमोडेशन के साथ-साथ नजदीकी गैराज तक उसे टॉर्चर करके ले जाने की जरूरत पड़ने पर काफी मददगार साबित होता है। प्रीमियम जितना ज्यादा होता है, उतना अच्छा बेनेफिट मिलता है। सबसे अच्छी डील पाने के लिए हमेशा ऑनलाइन पर अपने ऑप्शंस की तुलना करें।

हेल्थ और लाइफ : कहने की जरूरत नहीं है कि प्राकृतिक आपदाओं में जान-माल का भारी नुकसान होता है और एक परिवार की रोजमर्रा की जिंदगी और आर्थिक स्थिति इससे बुरी तरह प्रभावित हो सकती है। कोई नहीं बता सकता है कि अगला भूकंप, बाढ़, सुनामी, प्लेन क्रैश, दंगा या कोई अन्य आपदा कहां होगी। आप बस बुरे से बुरे हालात के लिए तैयार रह सकते हैं। आपको अपने परिवार के प्रत्येक मेंबर के लिए हेल्थ इंश्योरेंस लेकर रखना चाहिए ताकि उनकी इमरजेंसी हॉस्पिटलाइजेशन खर्च को आसानी से कवर किया जा सके और अपनी बचत का खर्च न करना पड़े। यदि आपके परिवार के सदस्य, आर्थिक रूप से आप पर निर्भर हैं तो आपको टर्म इंश्योरेंस के माध्यम से अपनी लाइफ को पर्याप्त ढंग से इंश्योर कर लेना चाहिए। ये इंश्योरेंस प्रोडक्ट्स आपके जेब खर्च पर बहुत कम बोझा डालते हैं और बहुत ज्यादा लाभ देते है। साथ ही टैक्स बेनेफिट भी देते है। पर्याप्त तैयारी और इंश्योरेंस की मदद से आप अपनी फैमिली और प्रॉपर्टीज को सुरक्षित रख सकते है।

With Best Compliments For Navratri

Darcl
Logistics

Darcl Logistic Limited

(Formerly known as Delhi Assam Roadways Corporation Limited)

Branch Office :

2nd Floor, 26-NB Complex, Ahemdabad Road, Pratap Nagar Chauraha, Udaipur (Raj.)
Tel. : +91-294-3296769, 3297688, Fax : +91-294-2494142
Email : surender.sharma@delhiassam.com | www.darcl.com

एक स्ट्रैटेजी ने बदल दी एप्पल की किस्मत

विश्व में मोबाइल की दुनिया पर बादशाहत कायम करने वाले एप्पल के कभी बुरे दिन भी रहे हैं। एक ट्रिलियन डॉलर मार्केट कैप हासिल करने वाली एप्पल 21 साल पहले दिवालिया होने के कगार पर थी। ऐसे में दूसरी कंपनियों के सामने एप्पल का टिक पाना मुश्किल हो रहा था। हालात ये हो गए थे कि एप्पल को अपने एक तिहाई कर्मचारी हटाने पड़े। कंपनी के पास सिर्फ 90 दिन का वक्त था लेकिन कंपनी ने हार नहीं मानी। ग्लोबल स्ट्रैटेजी अपनाकर अब वह दुनिया की पहली एक ट्रिलियन यूएस डॉलर के मार्केट कैप को टच करने वाली दुनिया की पहली कंपनी बन गई। किसी ने भी नहीं सोचा था कि सिलिकॉन वैली के छोटे से घर की गैराज से एक अप्रैल 1976 में शुरू हुई ये कंपनी कभी इतना बड़ा मुकाम हासिल कर लेगी।

इनोवेशन के दम पर कायम किया मुकाम

अमेरिका के प्रमुख अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक एप्पल के को-फाउंडर स्टीव जॉब्स ने उक्त जानकारी लोगों से साझा की थी। 1996 में एप्पल में अंतरिम सीईओ के तौर पर स्टीव जॉब्स की वापसी हुई। उस वक्त कंपनी का मार्केट कैप 3 अरब डॉलर था। तब बिजनेस वीक ने अपनी कवर स्टोरी में आशंका जताई थी कि एप्पल बंद हो जाएगी। हालांकि, 2011 तक जॉब्स ने एप्पल को 350 अरब डॉलर तक पहुंचा दिया। तेज इनोवेशन, नए-नए प्रोडक्ट लॉन्च और दुनियाभर में शानदार सप्लाई सिस्टम तैयार कर एप्पल न सिर्फ डूबने से बची बल्कि दुनिया की सबसे ज्यादा वैल्यू वाली कंपनी बन गई। इसने बड़े पैमाने पर लेटेस्ट टेक्नोलॉजी वाली डिवाइस बनाई। एप्पल अपने रेवेन्यू का 5 परसेंट रिसर्च और डवलपमेंट पर खर्च करती है। एप्पल ने 2001 में पर्सनल म्यूजिक प्लेयर आईपॉड लॉन्च किया। सबसे पहले मॉडल में एक हजार गाने स्टोर करने की क्षमता और प्ले लिस्ट बनाने जैसी सुविधाएं दी गई। बाद में जो मॉडल बाजार में उतारे गए उनमें फोटो और वीडियो की सुविधा भी दी गई। टच फैसिलिटी, एप और गेम डाउनलोड के फीचर काफी पसंद किए गए। स्टीव जॉब्स के सोचने का तरीका बिल्कुल अलग था। उन्हें इस बात की चिंता नहीं थी कि ग्राहक क्या सोचते हैं। वे चाहते थे कि एप्पल ऐसे प्रोडक्ट बनाए जिनकी लोग कल्पना भी नहीं कर सकते। 2007 में कंपनी ने आईफोन लॉन्च किया जो इसके लिए टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ।

ऊंचाइयों पर पहुंची कंपनी

आईफोन के लिए ग्राहक 24 घंटे लाइनों में लगते देखे गए। आईफोन लॉन्च होने के बाद एप्पल का रेवेन्यू और शेयर तेजी से बढ़ा। 9 जनवरी 2007 को मार्केट कैप 79.54 अरब डॉलर था जो 11 जुलाई 2008 को 152.88 अरब डॉलर हो गया। कंपनी ने पिछले साल 28 करोड़ आईफोन, आईपैड और मैक बेचे। इनोवेशन और रिसर्च स्ट्रैटजी को आगे बढ़ाते हुए कंपनी ने 2011 में आईपैड और 2014 में एप्पल वॉच लॉन्च की। 1.56 अरब डॉलर से एक हजार अरब डॉलर का सफर तय करने के दौरान कंपनी को कई विवादों और चुनौतियों से भी गुजरना पड़ा लेकिन उसने सभी का मुंह तोड़ जवाब दिया और सफलता की नई इबारत लिखी।

- संदीप गर्ग

एप्पल पर एक नजर

- 16 वें सबसे समृद्ध देश की कुल इकॉनोमी से भी ज्यादा है एप्पल की नेटवर्थ
- 179 देश भी कुल इकॉनोमी के लिहाज से एप्पल से पीछे चल रहे हैं
- 964 अरब डॉलर है दुनिया की सभी ऑटोमेकर कंपनियों की टोटल नेटवर्थ
- 93 अरब डॉलर है दुनिया की सबसे बड़ी मिलिट्री कॉन्ट्रैक्टर लॉकहीड मार्टिन का टोटल मार्केट कैप
- 1.09 अमेरिका डॉलर की है दुनिया की सभी एयरलाइंस और एविएशन कंपनियों का वैल्यूएशन

With Best Complements

0294-2412377

NEW
SANTOSH DINING HALL

1st Floor of Santosh Dal-Bati,
Surajpole, Udaipur-313001

Dal-Bati, Chapati, Rice,
Gujarati Food & Pure
Rajasthani Vegetable Food etc.

कैसा रहेगा आपके लिए यह माह ?

पं. शोभालाल शर्मा

मेष

इस राशि वालों के लिए माह सामान्य है। नजदीकी रिश्तों में मधुरता आएगी, यात्रा के अवसर प्राप्त होंगे, काफी विचार मंथन के बाद किसी लम्बित समस्या का समाधान होगा, आर्थिक पक्ष सामान्य, पैरों में तकलीफ व नौकरीपेशा व्यक्तियों का स्थान परिवर्तन संभव, व्यापार पेशा लोगों के लिए माह सामान्य रहेगा।

वृषभ

वृषभ : जिम्मेदारियों से भागने का प्रयत्न न करें। किसी उच्च कोटि के व्यक्ति का सान्निध्य प्राप्त होगा, मन प्रसन्न रहेगा, व्यर्थ की यात्राओं से मानसिक उलझनें बढ़ेंगी, माह का पूर्वार्द्ध पर्याप्त आय का स्रोत बनेगा। माइग्रेन की समस्या वालों को इस माह अधिक परेशानी हो सकती है। दाम्पत्य जीवन में कटुता, भौतिक सुखों में वृद्धि।

मिथुन

घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति धीरे-धीरे होगी, मित्रों का सहारा राहत देगा। अचानक यात्राओं के कारण तनाव की स्थिति बनेगी, आर्थिक पक्ष में सुधार होगा, पेट सम्बन्धी तकलीफ हो सकती है। कार्यस्थल पर बेवजह किसी से न उलझें, व्यावसायिक कार्यों में भावुकता नुकसान पहुंचा सकती है।

कर्क

माह मध्यम प्रतीत होता है, अपने से उच्चतर लोगों से मिलने का प्रयत्न करें, परिजनों से थोड़ी परेशानी सम्भव, किसी महिला मित्र या जीवन साथी के सहयोग से आगे बढ़ेंगे, माह का उत्तरार्द्ध अच्छा लाभ देगा। स्वास्थ्य में गिरावट, नौकरीपेशा लोगों पर काम का दबाव अधिक। दाम्पत्य जीवन आनन्दमय और व्यवसाय सामान्य।

सिंह

किसी व्यक्ति से आपको आर्थिक सहयोग प्राप्त होकर रचनात्मक कार्यों में लाभ मिलेगा। सांस्कृतिक कार्यों में रूचि बढ़ेगी। व्यर्थ की भाग-दौड़ परेशानी पैदा कर सकती है, आय पक्ष अनुकूल रहेगा, वायु सम्बन्धी रोग होने पर समय पर उपचार लें। नौकरी वालों को उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे, दाम्पत्य जीवन सामान्य रहेगा।

कन्या

यह माह उत्तम फलदायी है, नये विचार नई सोच व नये कार्यों का सृजन होगा। आपकी तार्किक बातों से लोग प्रभावित होंगे। भाग्य की अपेक्षा कार्य पर ज्यादा ध्यान देंगे तो आर्थिक स्थिति उत्तम होगी। नौकरी की तलाश में लगे युवाओं को प्रयास करने पर सफलता मिलेगी। व्यवसाय को नया आयाम मिलेगा।

तुला

कार्य करने की बजाय सोचते ज्यादा रहेंगे इससे कोई लाभ मिलने वाला नहीं है। घनिष्ठों से मेल-मिलाप, शोध कार्य में लगे छात्रों के लिए समय अत्यधिक शुभ है, माह का पूर्वार्द्ध अच्छी आमदनी देगा, मधुमेह के रोगी स्वास्थ्य पर ध्यान दें, व्यवसाय में निवेश का उत्तम समय, नौकरी वालों को कुछ कष्ट हो सकता है।

वृश्चिक

भाग्य के भरोसे न बैठकर पुरूषार्थ करें। जीवन साथी से सहयोग प्राप्त होगा, वाणी और बुद्धि कौशल से नए सम्बन्ध बनेंगे, दैवीय शक्तियों के प्रति आस्था का भाव प्रकट होगा, पुरूषार्थ का पूर्ण फल प्राप्त होगा। स्वास्थ्य संतोषजनक, व्यवसाय के लिए उत्तम समय एवं नौकरीपेशा जातक परेशानियों में धैर्य रखें।

धनु

आपके आस-पास वाले आपसे अत्यधिक अपेक्षा रखेंगे, दूसरों को खुश करने के लिए खुद तनाव न लें। छात्रों को घूमने-फिरने का मौका मिलेगा, व्यय पर नियन्त्रण रखें, मानसिक समस्या से सामना करना पड़ सकता है, व्यापारी वर्ग उधारी से बचे, वैवाहिक जीवन में तनाव कम होंगे, नौकरी वाले सावधानी बरतें।

मकर

विरोधी आपसे द्वेषवश बाधा पहुंचाने की कोशिश करेंगे। संतान पक्ष से खुशी का माहौल बनेगा, वाणी में मधुरता लाएं, आगे लाभ मिलेगा, व्यर्थ की यात्राएं करनी पड़ सकती हैं, आय पक्ष सुदृढ़, पुराने रोगों का शमन होगा और व्यापार में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनेगी। वैवाहिक जीवन मधुर होगा।

कुम्भ

एक कार्य को पूरा करने पर ही दूसरा शुरू करें, साझे एवं सहयोग के कार्यों में लाभ मिलेगा, रूके हुए कार्य पूरे होंगे, शिक्षा के नए अवसर प्राप्त होंगे, आमदनी अच्छी रहेगी, परन्तु व्यय भी अधिक होगा।

मीन

यह माह सामान्य सा रहेगा, डर, शंका एवं लालच जैसी नकारात्मक भावनाएं नुकसान कर सकती हैं, आर्थिक सुधार होगा, यात्राओं से लाभ मिलेगा किन्तु स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। नौकरी में तरक्की एवं व्यापारी वर्ग के लिए निवेश का अच्छा समय है, दाम्पत्य जीवन में अपेक्षित सुधार होगा।

माण्डलिया श्याम कृपा

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

श्रीनाथ एसोसिएट्स एण्ड डवलपर्स

सुरेश डांगी
9414026229

देवीलाल डांगी
9414086229

मकान, दुकान, यू.आई.टी. प्लॉट, मकान एवं कृषि भूमि के क्रेता एवं विक्रेता।

केसरपुरा, एकलिंगपुरा रोड, उदयपुर (राज.)

नवरात्रि की हार्दिक शुभकमानाएं

सलोनी कांटा

विश्वसनीयता का एक ही नाम

राजू खत्तड़
9950197388

अनिल खत्तड़
9829500388

विक्की खत्तड़
9929092911

जिला उद्योग केन्द्र के आगे,
बी-152, रोड नं. 11, मादड़ी
एम.आई.ए,उदयपुर

नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ. महावीर सिंह परिहार
एम.एस. (आर्थो)
अस्थि रोग विशेषज्ञ
मो. 94141 62139

S H
R C

डॉ. श्रीमती सुमन परिहार
एम.एस. (सर्जरी)
महिला शल्य चिकित्सक
मो. 98297 91760

श्रीनाथ हॉस्पीटल एण्ड रिसर्च सेन्टर

उपलब्ध सुविधायें

- आर्म (टेलिविजन) द्वारा आधुनिकतम तरीके से हड्डी के फ्रेक्चर की ऑपरेशन सुविधा।
- स्तन सम्बन्धी रोगों (गाठ, केंसर) का इलाज व निदान।
- एपेन्डिक्स, हर्निया एवं पथरी, बच्चेदानी का ऑपरेशन।
- हड्डी के सभी प्रकार के आधुनिक ऑपरेशन।
- नेलिंग-प्लेटिंग, प्रोस्थेसिस इत्यादि।
- जन्मजात विकलांगता एवं पोलियो के ऑपरेशन।
- प्लास्टर
- एक्स-रे

ऑपरेशन एवं भर्ती की सुविधा उपलब्ध

9, फतहपुरा चौराहा, उदयपुर- 313004 (राज.)

ओपन रुफ डबल डेकर बस द्वारा

उदयपुर दर्शन

visit us : www.udaipursightseeing.com

किट्टी पार्टी, बर्थ-डे पार्टी आदि के लिए संपर्क करें मो. +91 82330 45678, 97829 55222

Group Tours : Ghasiyaar (Chota Shrinath ji), Haldi Ghati, Rameshwar, Shrinath ji (Nathdwara) Eklingji

Charter A/c & non A/c Buses Available

RISHABH TRAVELS

UDAIPUR

H.O. : 7, Town Hall, Nr. ICICI Bank, Udaipur - 313001
Phone : 0294-2421918, 2418369, 5100366, 2418317

B.O. : 4/5, Nr. Gumaniawala Petrol Pump, Sardarpura, Udaipur
Tel. : 0294-2422582, 2528644, 2425024 Parcel : 5101752

NEW DELHI

H.O. : 2, Shah Bhawan, Behind Filmistan Fire Station, Chamelion Rd., Near Ldgah Gol Choraha, New Delhi
Tel. : 011-23514657, 23519724, 23512299, 32512160

B.O. : Shop No. 6, Old Punjab Bus Stand, Old Delhi-6,
Tel. : 011-23981235, 23977301

Helpline : 82330 45678, 94141 69369 Web. : www.rishabhtravel.com | E-mail : rishabhtravel@yahoo.com

JAIPUR-RISHABH TRAVELS RISHABH TRAVELS, D-57, Fateh Singh mkt, Opp. Hotel Rajputana Sheraton	0141-5103830, 5104830	JODHPUR-RISHABH TRAVELS C/o JAKHAR TRAVELS,Near Barkhatulla Stadium, Main Pal Road	0291-5103227, 5103226
AJMER-RISHABH TRAVELS C/o KAMLA TRAVELS, 48, Kutchery Road	0145-2620064, 2620926	JHALAWAD-RISHABH TRAVELS C/o JAKHAR TRAVELS, Opp. Bus Stand	07432-233135, 233330
BHILWARA-RISHABH TRAVELS C/o NAMEDEV TRAVELS, Near hotel Land Mark, Basant Vihar	01482-237037, 237034	JHALARAPATAN-RISHABH TRAVELS C/o OSHO TRAVEL, Opp. Bus Stand	07432-240424, 240324
MUMBAI (VT office)-RISHABH TRAVELS C/o ASHAPURA TRAVEL, 62-66, Joshi Bldg, Sunder Goa Street, Nr. GPO. VT Fort	022-22697921, 22626841	KOTA-RISHABH TRAVELS C/o JAKHAR TRAVELS, Opp. Allahddal Park, Keshavpura	0744-2440313, 2401125
MUMBAI (Borivali office)-RISHABH TRAVELS C/o ASHAPURA TRAVELS, Opp. National Park, Western Express Highway	022-65555988	NATHDWARA-RISHABH TRAVELS C/o ASHAPURA TRAVELS, Opp. Private Bus Stand, Nr. Kadayata Bhawan	02953-230058, 230320
MUMBAI (Andheri office)-RISHABH TRAVELS C/o MUKESH TRAVELS, Wazir Glass Compound, Western Express highway	022-66848686, 26844454	RAJSAMAND-RISHABH TRAVELS C/o DARSHAN TRAVELS, Near Ramdev Temple	02952-225392, 223281
BIKANER-RISHABH TRAVELS C/o MILAN TRAVELS, Near Hotel Mumal, Panchasati Circle	0151-2525105, 2209209	PILANI-RISHABH TRAVELS C/o AJAYRAJ TRAVELS, Opp. Bus Stand	01596-245949, 245249, 9413366999
SHRI GANGANAGAR-RISHABH TRAVELS C/o SIDHARTH SHEKHAWAT TRAVELS, Adarsh Cinema Pulia, Khoda chowk.	0154-2473601, 2473604		

Cargo Services (Luggage & Parcel Services : Door to Door Delivery
Expert in Institutional Cargo Services : 98290 66369

बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा का शुभारंभ

उदयपुर। बैंक ऑफ बड़ौदा क्षेत्रीय कार्यालय उदयपुर की ओर से विवि रोड स्थित रघुनाथपुरा में पिछले दिनों जयपुर अंचल प्रमुख एवं महाप्रबंधक नवीन चंद्र उप्रेति ने नई शाखा का शुभारंभ किया। उदयपुर क्षेत्रीय प्रमुख एवं उपमहाप्रबंधक अशोक डंगायच, सहायक महाप्रबंधक प्रजित कुमार दिवाकर, सुविवि के वित्त नियंत्रक गिरिश कच्छावा, एमपीयूएटी की वित्त नियंत्रक डॉ. कुमुदनी चावड़िया व शाखा प्रबंधक आशुतोष यादव भी मौजूद थे।

सीडलिंग को मोस्ट एक्टिव स्कूल अवार्ड

उदयपुर। सीडलिंग मॉडर्न पब्लिक स्कूल को आउटस्टैंडिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर ऑफ द इयर और मोस्ट सोशल एक्टिव स्कूल ऑफ द इयर अवार्ड दिया गया। यह अवार्ड पिछले दिनों नेशनल स्कूल अवार्ड 2018 के नई दिल्ली में हुए समारोह में दिया गया। स्कूल के निदेशक हरदीप बक्षी ने अवार्ड ग्रहण किए। स्कूल को यह अवार्ड जरूरतमंद बच्चों, अनाथालयों, वृद्धाश्रमों, निम्न स्तर पर जीवन बसर कर रहे पिछड़े परिवारों के लिए आवश्यक सामग्री एकत्र कर बांटने, जरूरतमंदों के उत्थान व कुप्रथाओं के प्रति सामाजिक जागरूकता लाने नुक्कड़ नाटक, लघु नाटक, कार्यशाला, शिविर लगाने आदि कार्यों के लिए दिया गया है।

दो कविता संग्रहों का विमोचन

उदयपुर। कवि माधव दरक के मेवाड़ी भाषा में 'एड़ो म्हारो राजस्थान' एवं प्रेरक कविताओं से ओत-प्रोत संग्रह 'शिव-दर्शन' का यहां सिटी पैलेस के शंभू निवास में महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन अध्यक्ष अरविन्द सिंह मेवाड़ ने विमोचन किया। 'शिव दर्शन' में देश के 12 ज्योतिर्लिंगों पर ओजस्वी कविताएं हैं।

इंदिरा आईवीएफ को उज्बेकिस्तान से न्योता

उदयपुर। केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग तथा नागरिक उड्डयन मंत्री सुरेश प्रभु के दल के साथ विदेश यात्रा पर गये इन्दिरा आईवीएफ ग्रुप के चेयरमैन डॉ. अजय मुर्डिया ने लौटकर बताया कि यात्रा के दौरान उज्बेकिस्तान सरकार के डिप्टी प्राईम मिनिस्टर सुहरोब खोल्मुरादोव, हेल्थ मिनिस्टर अलीशर शादमनोव, डिप्टी हेल्थ मिनिस्टर शवकत मिर्जियॉयव और डॉक्टर्स से नि:संतानता और आईवीएफ इलाज और वहाँ आईवीएफ सेंटर खोलने के विषय पर विस्तृत चर्चा की गयी। बातचीत में उपप्रधानमंत्री, चिकित्सा मंत्री और चिकित्सकों ने कहा कि सेन्ट्रल एशिया में फर्टिलिटी इलाज की समुचित व्यवस्था नहीं है और जहाँ उपलब्ध है वहाँ ईलाज महंगा पड़ता है। डॉ. मुर्डिया ने बताया कि मंत्री शवकत ने इन्दिरा आईवीएफ को ताशकंद में सेंटर के लिए नि:शुल्क जमीन देने और ईलाज को टेक्स फ्री करने का प्रस्ताव रखा। ताशकंद के साथ डॉ. मुर्डिया ने सेन्ट्रल एशिया के मॉस्को, पीटर्सबर्ग इत्यादि शहरों की भी यात्रा की तथा वहाँ आईवीएफ सेंटर खोलने की संभावनाओं का अध्ययन किया।

उद्यमियों को डेयर टू ड्रीम अवार्ड

उदयपुर/प्रत्यूष ब्यूरो । फैडरेशन ऑफ राजस्थान ट्रेड एंड इंडस्ट्रीज(फोर्टी) उदयपुर ने जर्मन कंपनी सैप के साथ पिछले माह डेयर टू ड्रीम अवार्ड समारोह में संभाग की 13 कम्पनियों को विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कृत कर सम्मानित किया। रेडिसन ब्लू होटल में सम्पन्न समारोह में मुख्य अतिथि केन्द्रीय जीएसटी कमिश्नर सी के जैन थे। फोर्टी के संभागीय अध्यक्ष प्रवीण सुथार ने बताया कि 10 श्रेणियों में कई कम्पनियों के रजिस्ट्रेशन हुए थे, जिनमें से 60 कम्पनियों के फाइनल नोमिनेशन में से स्क्रीनिंग कर 13 को अवार्ड के लिए चुना गया। लक्ष्मी इंजीनियरिंग वर्क्स के डीएन शर्मा को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड दिया गया। समारोह के विशिष्ट अतिथि सैप इंडिया प्रा लि के हेड कॉमर्शियल-सेल्स प्रदीप शर्मा थे।

ये हुए सम्मानित

इमर्जिंग कम्पनी ऑफ द ईयर

मोना मार्क इंजीनियरिंग के नरेन्द्र चोरडिया और एस के खेतान इंफ्रा प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड के एस के खेतान।

कम्पनी ऑफ द ईयर : इकोन के जितेन्द्र कुमार तायलिया।

बिजनेस पर्सन ऑफ द ईयर : मेवाड़ हाई-टेक इंजीनियरिंग लिमिटेड के सीएस राठौड़।

सर्विस एक्सिलेंस : फ्यूजन बिजनेस सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड के मधुकर दुबे और राजस्थान डीजल सेल्स एण्ड सर्विस के वरूण मुर्डिया।

एक्सपोर्टर ऑफ द ईयर : मैक्सन लेबोरेटरीज के अंचल अग्रवाल और रॉक्स फोर एवर इंक के लोकेश त्रिवेदी।

बेस्ट एन्टरप्राइसिंग बिजनेस : बीएसएल लिमिटेड के एके मेहता

एम्प्लॉयर ऑफ द इयर : उमेश कंस्ट्रक्शन के उमेश के. जैन

कॉरपोरेट सिटीजन : रिद्धि-सिद्धि मल्टी सर्विसेज के ललित तिवारी।

बिजनेस इनोवेशन : मिराज पाइप्स एण्ड फिटिंग के जितेन्द्र सिंघल।

जीप कंपास की वर्षगांठ

उदयपुर। निधि कमल जीप शोरूम पर जीप कंपास की प्रथम वर्षगांठ मनाई गई। इस मौके पर केक काटा गया। शोरूम के महाप्रबंधक हेमेन्द्र सिंह पंवार ने बताया कि इस मौके पर ग्राहकों को सम्मानित किया गया। निधि कमल प्रा. लि के निदेशक अमिताभ जैन ने बताया कि जीप कंपनी का कंपास मॉडल लोग काफी पसंद कर रहे हैं। गाड़ी में 50 से अधिक सेफ्टी फीचर्स, 30 से अधिक प्रीमियम फीचर्स हैं। इस एसयूवी को वर्ष 2017 में सर्वाधिक 26 अवार्ड मिले हैं।

डीपी ज्वेलर्स को मिला अवॉर्ड

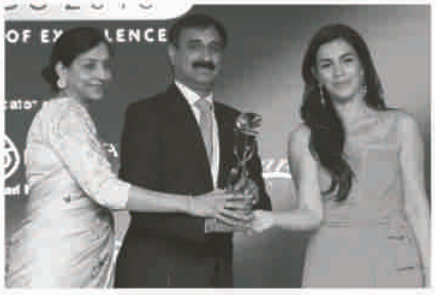

उदयपुर। डीपी ज्वेलर्स के आभूषण को बैंगल्स, ब्रैसलेट और आमलेट कैटेगरी में गोल्ड ज्वेलरी ऑफ द ईयर अवॉर्ड दिया गया। द रिटेल ज्वेलर के मुंबई में हुए अवार्ड समारोह में डीपी ज्वेलर्स के अनिल कटारिया के यह अवार्ड दिया गया। कटारिया ने कहा कि डीपी ज्वेलर्स पर फ्यूजन, एमराल्ड, रूबी, डायमंड, प्लेटिनम, एंटीक, राजस्थानी, मारवाड़ी, जड़ाऊ, कुंदन, पोल्की की ट्रेडिशनल डिजाइंस के साथ ही लाइट वेट, रोज गोल्ड जैसी ट्रेंडी ज्वेलरी की उत्कृष्ट रेंज संजोई गई है।

मेवाड़ ऑटोमोबाइल्स का शुभारंभ

उदयपुर। आर. के. सर्किल-सेलिब्रेशन मॉल मार्ग पर पिछले दिनों मेवाड़ ऑटोमोबाइल्स यामाह शोरूम का उद्घाटन सूरतसिंह दशाना ने किया। विशिष्ट अतिथि कम्पनी के जोनल हेड सिराज हैदर थे। अतिथियों व आगन्तुकों का स्वागत रूपसिंह दशाना, मोतीसिंह दशाना व नरेन्द्र सिंह दशाना ने किया।

महिला अरबन बैंक साधारण सभा की बैठक

उदयपुर। दी उदयपुर महिला अरबन को ऑपरेटिव बैंक लि. उदयपुर की 24वीं आम सभा 18 अगस्त को अध्यक्ष पुष्पा सिंह की अध्यक्षता में हुई। कार्यकारी अधिकारी मीनाक्षी नागर ने गत आम सभा की कार्यवाही रिपोर्ट प्रस्तुत की। बैंक अध्यक्षा पुष्पा सिंह ने सभी अंशधारियों का आभार व्यक्त करते हुए बचत एवं फिक्स डिपोजिट पर ऋण प्राप्त कर अपना उद्यम विकसित करने पर प्रेरणास्पद उद्बोधन दिया। उन्होंने बताया कि गत वर्ष बैंक द्वारा द्वारा दो नई शाखाएं खोली गई। वर्ष 2017-18 में बैंक की जमाएं 198.61 करोड़ रुपये एवं ऋण 99.01 करोड़ हो गई हैं। बैंक की कार्यशील पूंजी 210.11 करोड़ होकर शुद्ध लाभ 105.0 लाख रुपये कर चुकाने के बाद रहा। उन्होंने वर्ष 2017-18 के लिये 15 प्रतिशत लाभांश की भी घोषणा की।

राज्य स्तर पर सम्मानित शिक्षकों का अभिनन्दन

उदयपुर। पुरस्कृत शिक्षक परिषद की ओर से सेन्ट्रल एकेडमी में आयोजित समारोह में राज्य स्तर पर सम्मानित हुए शिक्षकों का अभिनन्दन किया गया। समारोह की अध्यक्षता प्राथमिक शिक्षा उपनिदेशक शिवजी गौड़ ने की। मुख्य अतिथि सेन्ट्रल एकेडमी आर्गेनाइजेशन के चेयरमैन डॉ. संगम मिश्रा, विशिष्ट अतिथि संयुक्त शिक्षा निदेशक भरत मेहता, माध्यमिक शिक्षा उपनिदेशक युगलबिहारी दाधीच थे। समारोह में राज्य स्तर पर सम्मानित पीटीआई विनोद जैन, व्याख्याता प्रकाशचंद्र लोहार, जगदीशचंद्र कुमावत व माधवी त्रिपाठी का अभिनंदन किया गया। इसके अलावा अलका जोशी, डॉ. ब्रजबाला शर्मा, बीना नाहर, डॉ. शबनम चतुर्वेदी, लावण्यप्रभा शर्मा, उत्तमचंद्र सागर, विद्या जैन, ओमप्रकाश खटीक, भंवरसिंह राठौड़, डॉ. मुकेश चौबीसा, श्यामलाल व्यास का भी सम्मान किया गया। संचालन नूतन बेदी ने किया। धन्यवाद रमेश प्रकाश माहेश्वरी ने ज्ञापित किया।

हलवाई केटरर्स विकास समिति

फूड एक्सपो ब्रोशर का विमोचन

उदयपुर। उदयपुर हलवाई केटरर्स विकास समिति का छठां स्थापना दिवस समारोह पिछले माह के प्रथम सप्ताह में अशोका ग्रीन्स में हुआ। मुख्य अतिथि अजमेर की राजपुरोहित डेयरी के जुगलकिशोर आचार्य तथा विशिष्ट अतिथि सरस डेयरी के प्रबन्ध निदेशक उमेश गर्ग, किशनसिंह राजपूत, विशाल टांक, सूरजमल सेठ, शंकर वैष्णव व मुकेश माधवानी थे। आचार्य ने कहा कि उदयपुर हलवाई केटरर्स विकास समिति द्वारा दिसम्बर में आयोजित राष्ट्रीय स्तर का फूड एक्सपो देश में एक मिसाल कायम करेगा। इस अवसर पर अतिथियों ने दिसम्बर में होने वाले फूड एक्सपो ब्रोशर का विमोचन एवं समिति की वेबसाइट की लॉन्चिंग की।

अनुष्का का ऑनलाइन कोर्स रेडहैट

उदयपुर। संभाग में पहली बार अनुष्का एकेडमी और लीडआईटी सर्विसेज राजस्थान सरकार आरकेसीएल की ओर से चलाये जा रहे एडवांस ऑनलाइन कोर्स रेडहैट को लेकर आया है। यह कोर्स उन छात्रों के लिए बहुत उपयोगी है जो टेक्निकल फील्ड जैसे बीटेक, एमटेक, एमसीए, बीसीए या अन्य कोई कम्प्यूटर या टेक्निकल डिग्री प्राप्त कर चुके हैं या पढ़ रहे हैं। यह कोर्स सर्टिफिकेट कोर्स है, जिसमें सर्टिफिकेशन प्राप्त करने वाले को अतिविशिष्ट कंपनी, सरकारी प्रतियोगी परीक्षाओं और ऊंची तनख्वाह वाले पदों पर नौकरी मिलना आसान हो जाता है। निदेशक राजीव सुराणा ने इस पहल को युवाओं के लिए नया आयाम बताया।

बड़ाला आधार क्लासेज का उद्घाटन

उदयपुर। बड़ाला आधार क्लासेज का शुभारंभ सेक्टर 11 स्थित आधार क्लासेज के परिसर में हुआ। मुख्य अतिथि गीतांजली हॉस्पीटल में यूरोलॉजी सुपरस्पेशलिस्ट डॉ. पंकज त्रिवेदी थे। निदेशक सीए राहुल बड़ाला एवं आधार क्लासेज के निदेशक विष्णु सुहालका ने बताया कि विद्यार्थी अनुभवी फेकल्टी का लाभ ले सकेंगे। सीएमए सौरभ बड़ाला एवं सीए निशान्त बड़ाला ने बताया कि विद्यार्थियों के लिए लाभदायक सिद्ध होगा।

महिन्द्रा की मेराजो उदयपुर में लॉन्च

उदयपुर। महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा के उदयपुर स्थित डीलर केएस ऑटोमोबाइल्स में पिछले दिनों महिन्द्रा की नई कार मेराजो की लांचिंग अतिथि पवन कौशिक वाइस प्रेसीडेंट हेड कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन हिन्दुस्तान जिंक ने की। कंपनी के निदेशक सुनील कुमार परिहार व आकाश परिहार भी मौजूद थे। मेराजो चार मॉडल में उपलब्ध है। इसका डिजाइन ग्राहकों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए किया गया है। शहर के लोगों के लिए मेराजो की टेस्ट ड्राइव केएस ऑटोमोबाइल्स शोरूम पर उपलब्ध है।

'गांव-गांव ज्ञान ज्योति' का विमोचन

उदयपुर। पिछले दिनों कस्तूरबा मातृ मंदिर में कवि-लेखक डॉ. जयप्रकाश भाटी की सद्य प्रकाशित नाट्य कृति 'गांव-गांव में ज्ञान की ज्योति' का विमोचन हुआ।

समारोह की अध्यक्षता कस्तूरबा मातृ मंदिर : डॉ. आत्म प्रकाश भाटी हॉस्पीटल के अध्यक्ष तेजसिंह बांसी ने की। मुख्य अतिथि डॉ. सचिन अर्जुन थे। कार्यक्रम में विष्णु शर्मा हितैषी, डॉ. गिरिराज गुंजन, प्रो. लक्ष्मीलाल वर्मा, एडवोकेट शांतिलाल पामेचा, पत्रकार विपिन गांधी, डॉ. जगदीश भाटी, मनीषा सिंह व आर्यन सिंह भी उपस्थित थे। संचालन कवयित्री शकुन्तला सरूपरिया ने किया।

पढ़ाई के साथ खेल भी जरूरी : जड़ेजा

उदयपुर। पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा पिछले दिनों उदयपुर आए। उन्होंने यहां सोजतिया क्लासेज के छात्रों से मुलाकात की। इससे पहले जडेजा का संस्थान के संस्थापक प्रो. रणजीत सिंह सोजतिया ने स्वागत किया। जडेजा ने छात्रों से कहा कि युवाओं को हौसला बनाए रखना चाहिए। जीवन के हर उतार-चढ़ाव को सकारात्मक लेते हुए खेल भावना अपनानी चाहिए। एक बार विफल होने पर भी जज्बे के साथ लक्ष्य तक पहुंचने की कोशिश करें। उन्होंने खेलों का महत्व समझाते हुए कहा कि पढ़ाई के साथ खेल का भी जिन्दगी में अहम योगदान है। निदेशक डॉ. महेन्द्र सोजतिया ने बताया कि छात्रों में पूर्व क्रिकेटर से मिलने की उत्सुकता और खुशी देखते ही बन पड़ी।

आलोक में शपथ

राजसमन्द। आलोक स्कूल के महाराणा प्रताप सभागार में पिछले दिनों हाउस क्लब, इंटरेक्ट क्लब, रोड सेफ्टी क्लब व प्रीफेक्ट क्लब के सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह हुआ। निदेशक डॉ. प्रदीप कुमावत, प्रशासक मनोज कुमावत, प्राचार्य ललित गोस्वामी व एकेडमिक काउन्सलर ध्रुव कुमावत ने माँ सरस्वती प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन व आचार्य प्रवर के श्रीचरणों में पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। निदेशक डॉ. प्रदीप कुमावत ने सभी छः हाउस के पदाधिकारियों व क्लब के सभी मेम्बर को शपथ दिलवाई। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था से छात्र-छात्राओं में गुण व नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। कार्यक्रम के अन्त में ध्रुव कुमावत ने आभार व्यक्त किया।

सिंघानिया को मैक्सिको का उच्चतम नागरिक सम्मान

उदयपुर। जेके टायर एण्ड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. रघुपति सिंघानिया को मैक्सिको सरकार द्वारा विदेशी नागरिकों के लिये देश के उच्चतम सम्मान 'मैक्सिकन ऑर्डर ऑफ द एजटेक ईगल' से सम्मानित किया गया। मैक्सिको के 128वें राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर भारत में मैक्सिको

की राजदूत मेल्बा प्रिया ने मैक्सिकों के राष्ट्रपति की ओर से डॉ. सिंघानिया को पुरस्कृत किया।

यह शीर्ष सम्मान डॉ. सिंघानिया के नेतृत्व, मानवता के प्रति उनकी उल्लेखनीय सेवाओं और भारत एवं मैक्सिकों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को सुदृढ़ करने के उनके प्रयासों के लिए दिया गया।

मुस्कान में 'स्वरांजलि'

उदयपुर। मुस्कान क्लब के वरिष्ठ सदस्य स्व. चंद्रसिंह तलेसरा की स्मृति में ओरियंटल पैलेस रिसोर्ट में स्वरांजलि कार्यक्रम हुआ। क्लब केयरटेकर श्रद्धा गट्टानी ने तलेसरा के साथ क्लब से जुड़े संस्मरण साझा किए। पवन, लोकेश तलसेरा, संगीता, प्रियंका, रेणु, सृष्टि, नेहल और मुस्कान क्लब के सदस्यों भुवनेश्वर पांडे, डॉ. प्रकाशचंद्र जैन, उषा कुमावत, मंजू गर्ग ने गीत सुनाए। कमला तलसेरा को सम्मानित किया गया। क्लब अध्यक्ष केजी गट्टानी, रतन सुखवाल, श्यामसुन्दर राजोरा भी मौजूद थे।

द यूनिवर्सल की कार्यकारिणी ने ली शपथ

उदयपुर। द यूनिवर्सल सीनियर सेकेंडरी स्कूल फतेहपुरा शाखा में नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों का शपथ ग्रहण समारोह हुआ। मुख्य अतिथि रोटरी इंटरनेशनल के जनप्रतिनिधि निदेशक संदीप सिंघटवाड़िया ने बच्चों को राष्ट्र सेवा की शपथ दिलवाई। प्राचार्य फातिमा हुसैन ने बताया कि विद्यालय कार्यकारिणी में हैड बॉय मोहित बागड़ी, हैड गर्ल खुशबू वैष्णव निर्वाचित हुए। उपप्राचार्य शमशाद बेगम ने बताया कि हाउस इंचार्ज को भी कार्यभार सौंपा गया। विद्यालय समन्वयक सकीना वोहरा ने विद्यालय के वर्षभर होने वाले कार्यक्रमों का कैलेण्डर मुख्य अतिथि से जारी करवाया।

आरथ्रीआई केयर का शुभारम्भ

उदयपुर। हिरणमगरी से. 4 बीएसएनएल रोड पर गत दिनों

आरथ्रीआई केयर का शुभारम्भ महापौर चन्द्रसिंह कोठारी, प्रन्यास चेयरमैन रवीन्द्र श्रीमाली, जिनेन्द्र शास्त्री, गीता देवी एवं देवीलाल द्वारा किया गया। निदेशक राकेश लोहार ने बताया कि यहां सभी कंपनियों के चश्मे उपलब्ध हैं। ग्राहक की मांग पर आंखों की जांच की जायेगी और कृत्रिम आंखें भी बनाई जायेंगी।

रेडक्रॉस सोसायटी ने दिया पांच लाख का चेक

उदयपुर। रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष एवं कलेक्टर विष्णु चरण मलिक को केरल बाढ़ पीड़ितों की सहायतार्थ मुख्यमंत्री सहायता कोष के लिए 5 लाख रुपये की राशि का चेक रेडक्रॉस सोसायटी उदयपुर शाखा ने भेंट किया। सोसायटी सेकेट्री गजेन्द्र भंसाली ने बताया कि इस अवसर पर रेडक्रॉस के चेयरमैन गणेश डागलिया, ट्रेजरार नवल सिंह खिमेसरा, जॉइंट सेकेट्री नक्षत्र तलेसरा भी उपस्थित थे।

सिंघल संरक्षक, कोठारी अध्यक्ष, दशोरा सचिव

सलिल सिंघल

यशवन्त कोठारी

सुशील दशोरा

उदयपुर। विकलांग कल्याण समिति, उदयपुर की प्रबन्धकारिणी के चुनाव मुनीष गोयल के नेतृत्व में हुए। निर्विरोध निर्वाचन में उद्योगपति सलिल सिंघल संरक्षक एवं मुख्य सलाहकार, डॉ. यशवन्त कोठारी अध्यक्ष एवं शिक्षाविद् सुशील दशोरा सचिव चुने गये। अन्य पदाधिकारियों में हिन्दुस्तान जिंक के नामित प्रतिनिधि डॉ. पी. के. तलेसरा संयुक्त सचिव तथा विपिन बापना कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए।

सूक्ष्म पुस्तिका का लोकार्पण

उदयपुर। मुनिश्री तरुण सागर के के देवलोकगमन पर सूक्ष्म पुस्तिकाओं के शिल्पकार चंद्रप्रकाश चित्तौड़ा ने 51 पृष्ठ की सूक्ष्म पुस्तिका बनाई, जिसका विमोचन गृहमंत्री गुलाबचंद कटारिया ने किया। पुस्तिका में मुनिश्री की उन पुस्तकों का भी उल्लेख है, जिन्हें गिनीज बुक व लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज किया गया था।

शिवानी ने आर्चीज गैलेक्सी को सराहा

उदयपुर। ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय की मोटिवेशनल स्पीकर शिवानी दीदी ने पिछले दिनों आर्चीज गैलेक्सी टाउनशिप के सेम्पल फ्लैट का अवलोकन कर उसे सराहा। समारोह में उदयपुर ब्रह्माकुमारीज सेंटर की बीके रीटा दीदी और बीके विजयलक्ष्मी दीदी ने भी आशीर्वचन दिए। आर्ची समूह के ऋषभ भाणावत एवं संजय भाटिया ने बताया कि आर्ची समूह देबारी में एलआईजी व ईडब्ल्यूएस वर्ग के लिए 620 फ्लैट की सौगात लेकर आया है। निर्माण की दुनिया में गेम चेंजर कही जाने वाली आर्ची गैलेक्सी टाउनशिप का काम शुरू हो गय है। आधुनिक सुविधायुक्त एवं बेहतर कनेक्टिविटी के साथ परियोजना में लोअर इनकम ग्रुप-एलआईजी के लिए 420 व इकॉनोमिकल वीकर सेक्शन ईडब्ल्यूएस के लिए 200 फ्लैट बनाए जाएंगे।

मनप्रीत सिंह खनूजा महासचिव मनोनीत

उदयपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सचिन पायलट के निर्देशानुसार प्रदेश कांग्रेस कमेटी पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ के अध्यक्ष पुष्पेंद्र भारद्वाज ने मनप्रीत सिंह खनूजा को प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव पद पर नियुक्त किया है।

अशोक कोठारी अध्यक्ष

उदयपुर। ऑयल एण्ड सीड्स मर्चेंट एसोसिएशन के चुनाव में अध्यक्ष पद पर अशोक कोठारी और सचिव अर्जुनलाल जैन निर्वाचित घोषित किए गए। कोषाध्यक्ष पद पर हरीश चित्तौड़ा को चुना गया।

उमेश शर्मा जिला समन्वयक

उदयपुर। भारतीय युवक कांग्रेस के सोशल मीडिया राष्ट्रीय प्रभारी दुर्लभ सिधु ने प्रदेश के सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों के सोशल मीडिया जिला समन्वयकों के नामों की घोषणा कर दी है। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता फिरोज अहमद शेख ने बताया कि उदयपुर शहर विधानसभा क्षेत्र के लिए उमेश शर्मा को जिला समन्वयक बनाया गया है।

शोक समाचार

उदयपुर। पूर्व प्रादेशिक परिवहन अधिकारी **श्री अर्जुन सिंह राठौड़** का 21 अगस्त 2018 को आकस्मिक देहावसान हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय पुत्र कुंवर निरंजन नारायण सिंह, विष्णु नारायण सिंह एवं महिपाल सिंह सहित भाई-भतीजों एवं पौत्रों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री नारायणलाल जी साहू पुत्र स्व. नाथूलाल जी साहू का 27 अगस्त 2018 को निधन हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पत्नी श्रीमती मोहिनी बाई, पुत्र शिवशंकर व शांतिलाल साहू तथा पुत्री दुर्गा देवी सहित पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों का समृद्ध डूंगरिया परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीशंकरलाल जी जोशी भुताला वाला का 29 अगस्त 2018 को देहांत हो गया। वे अपने पीछे गणेशलाल जी-राधा देवी पुत्री-दामाद, दोहित्र ताराशंकर, नरेन्द्र, भुवनेश्वर, नीलम-स्व. प्रवीण छोड़ गए हैं।

उदयपुर। सुप्रसिद्ध चिकित्सक **डॉ. कमलेश माथुर** धर्मपत्नी श्री एलबीएल माथुर का 11 सितम्बर 2018 को आकस्मिक देहावसान हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय पति तथा पुत्री-दामाद ममता-हेमन्त पेरिवाल तथा दोहित्र दुष्यंत को छोड़ गई हैं।

उदयपुर। रोशनलाल शर्मा पब्लिक स्कूल के संस्थापक **श्री तेजशंकर जी जोशी** का 13 सितम्बर, 2018 को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पत्नी श्रीमती स्नेहलता, पुत्र सैनिक, पुत्रियां डॉ. एकता व विजेता सहित पौत्र-पौत्रियों व दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

डिसाइड का वादा, कपड़े धुले साफ और ज्यादा

AADHAR PRODUCTS

डिसाइड®

हमारे अन्य उत्पाद

- डिसाइड वाशिंग पाउडर
- डिसाइड सुपर व्हाईट वाशिंग पाउडर
- डिसाइड सुपर व्हाईट वाशिंग पाउडर 4कि.ग्रा. जार
- डिसाइड गोल्ड वाशिंग पाउडर
- एडवाइस वाशिंग पाउडर
- एडवाइस डिटर्जेन्ट केक
- डिसाइड डिशवाश बार
- डिसाइड डिशवाश टब
- डिसाइड डिटर्जेन्ट केक
- डिसाइड नमक
- डिसाइड बाथ सोप

AADHAR PRODUCTS PVT. LTD.
(AN ISO 9001:2015 CERTIFIED COMPANY)
RIICO Industrial Area, Gudli, Udaipur - 313 024 (Raj.) India

FOR CONSUMER FEEDBACK, PLEASE CONTACT TO EXECUTIVE (CUSTOMER CARE) ON
77278 64004
or email at **aadharproducts@rediffmail.com**

www.aadharproducts.in

मनमोहक एवं सुगन्धित खुशबु जो आपके जीवन में लायें खुशहाली

250 Products Available

चेतक घोड़ा CHETAK HORSE ®

ISO 9001:2008 CERTIFIED

Archana®
Agarbatti

EXPORT QUALITY Since 1947 AGARBATTI

Registered Office :

ARCHANA AGARBATTI
NAVBHARAT INDUSTRIES

N.H. 76, Airport Road, Glass Factory Choraha,
UDAIPUR - 313001 (Rajasthan)
Customer Care Number : 0294-2492161, 2490899

Mob. : +91-77268 51913

E-mail : sales@archanaagarbatti.com
Website : www.archanaagarbatti.com
www.facebook.com/Archana Agarbatti

इन्दिरा आईवीएफ ग्रुप के 50 हॉस्पीटल पूरे होने के अवसर पर

निःसंतानता निःशुल्क परामर्श

अपोइन्टमेन्ट के लिए सम्पर्क करें - 7665009957 / 61 / 64 / 65

50

IVF HOSPITALS

49 ठाकुरपुकुर (कोलकाता)

50 गुरुग्राम (हरियाणा)

शुभारंभ के उपलक्ष्य में

ठाकुरपुकुर (कोलकाता) :
545, स्ट्रीट नं. 5, वार्ड 124 डायमण्ड
हार्बर रोड, HDFC बैंक के ऊपर, PO & PS ठाकुरपुकुर, कोलकाता

गुरुग्राम (हरियाणा) :
पिजा हट के पास, सेक्टर-14 कमर्शियल मार्केट
पुरानी दिल्ली रोड, गुरुग्राम (हरियाणा)

INDIRA IVF
Fertility & IVF Centre

इन्दिरा आईवीएफ हॉस्पीटल प्राइवेट लिमिटेड

उदयपुर
44 अमर निवास, एम.बी. कॉलेज के सामने
कुम्हारों का भट्टा, एयरपोर्ट रोड, उदयपुर

जयपुर
दूसरी मंजिल, मोनिलेक हॉस्पीटल,
सेक्टर–4, जवाहर नगर, जयपुर

जोधपुर
पिज्ज़ा हट के उपर,
11th C रोड, सरदारपुरा, जोधपुर

कोटा
अमन बिजनेस सेंटर, विज्ञान नगर
झालावाड़ रोड, कोटा

उपलब्ध सेवाएं : फर्टिलिटी जाँच • IUI • IVF • ICSI • लेजर हेचिंग • ब्लास्टोसिस्ट • हिस्ट्रोस्कोपी • लेप्रोस्कोपी • डोनर सर्विसेज

- 50 Centres PAN India
- Treatment protocol as per individual need
- Patient friendly treatment options

'बेटी बचाओ/बेटी पढ़ाओ' अभियान में सहयोग करें। भ्रूण लिंग परीक्षण करवाना जघन्य अपराध है, यह कार्य हमारे यहां नहीं किया जाता है। Prenatal Sex Determination & Sex Selection is illegal and not done here.

उदयपुर शहर में हमारी शाखाएँ

• उदयपुर मुख्य	फोन नं. 0294–2422148,2410226	• सरदारपुरा	फोन नं. 0294–2618030
• मार्केट यार्ड	फोन नं. 0294–2583171	• सुखेर	फोन नं. 0294–2513197
• हिरणमगरी	फोन नं. 0294–2462771	• उमरड़ा	फोन नं. 0294–2410226
• फतहपुरा	फोन नं. 0294–2454006	• देबारी	मोबाइल नं. 8875878617
• गोवर्धन विलास	फोन नं. 0294–2640277	• रघुनाथपुरा	मोबाइल नं. 9116166096
• प्रतापनगर	फोन नं. 0294–2491655	• सब सिटी सेन्टर	मोबाइल नं. 7990359899